



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 45] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 8, 1980 (कार्तिक 17, 1902)
No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 8, 1980 (KARTIKA 17, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि इस अलग संकलन के स्वरूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Junior Public Service Commission, the Indian Government Railways, and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

पं० नं० 19014/11/80-प्रणा० I—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा प्रनुसारात् एव प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली की भूतपूर्व रोड़ा डा० (श्रीमनी) जान-दाम्बा राव का 26-9-1980 के प्रवर्त्ति में दो वर्ष का व्रतविधि के लिए अप्रवाप्तामासी आदेशों नक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमाकाली, 1958 के विनियम 4 के उपर्योगों के प्रतीत प्रतिनियुक्ति पर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप-प्रचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पं० वालचन्दन,
उप-प्रचिव,
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 गिनवर 1980

मं० 32013/3/80-प्रणा० I (i)—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारीयों को राष्ट्रपति द्वारा प्रवेत के समने निवाट प्रवधि के लिए, इधकाळागमी प्रांतेण नव, जो भी पहले हो, बोन्दीय अन्वेषण सेवा के प्रेड-I में प्रवा तत्वियों के पद पर तदर्थ अधिकार पर स्थानापन करने के लिए नियुक्त विधा रहा है।

| क्र. नाम | अवधि | |
|--------------------|---------------------------|---|
| सं० | | |
| 1 | 2 | 3 |
| संघ लोक सेवा आयोग | | |
| 1 डी० प०१० राय | 10-5-80 से 30-6-80 तक | |
| प्रनुसार अनिकार्मी | नथ. 1-7-80 से 1-10-80 तक। | |

| 1 | 2 | 3 |
|----|------------------------------------|--|
| 2. | टी० प० कोकल निजी सचिव | 27-3-80 से 26-6-80 तक तथा 28-6-80 से 31-7-80 तक। |
| 3. | प० प० प० छात्रडा अनुभाग अधिकारी | 2-7-80 से 31-7-80 तक |

मं० 32013/3/80प्रगा० 1 (ii)—मध्य लोक सेवा आयोग के राष्ट्रीय में निम्नलिखित प्रधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट व्रतधि के लिए अथवा आगामी अवैरों तक, जो भी पहले हो, निम्नीय सचिवालय सेवा धंश-1 में प्रवर्त गतिव के पद पर तदर्थ आधार पर राष्ट्रपत्र का से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

| क्र० | नाम | व्रतधि |
|----------|---|-----------------------|
| सर्वश्री | | |
| 1. | प० प० प० जैन, निजी सचिव | 28-5-80 से 31-7-80 तक |
| 2. | प० प० गोपालकृष्णन निजी सचिव (स्थानापन्न डेस्क अधिकारी) | 28-5-80 से 31-7-80 तक |
| 3. | जी० पी० सक्षेत्रा अनुभाग अधिकारी [स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी (विशेष)] | 28-5-80 से 25-7-80 तक |
| 4. | जे० प० प० साहनी [स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी (विशेष)] | 28-5-80 से 7-7-80 तक |
| 5. | प्रा० ए० शर्मा अनुभाग अधिकारी | 1-6-80 से 3-7-80 तक |

प० प० वालचन्द्रन,
उप-सचिव,
मध्य लोक सेवा आयोग

मृदू मंत्रालय

मंड़ानिदेवालय निम्नीय रिजर्व पुलिस वल

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

मं० पी० पात०-2/79-स्थापना—श्री ज्ञान चन्द्र शर्मा और श्री वी० प० प० यादव, कार्यालय अधीक्षक को महानिदेवालय, निम्नीय रिजर्व पुलिस वल में नियमित रूप में दिनांक 8-7-80 और 8-9-80 (पूर्वाह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किए जाने हैं।

दिनांक, 15 अक्टूबर 1980

मं० आ० दो०-1482/80—स्थापना—राष्ट्रपति दिन निम्नलिखित को अस्थाई रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल में जी० टी० ओ० शेइ-II (जी० प० प० प० प०/स्थानी कमांडर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की गति पर उनके सामने दिखाई गई तिथि में नियुक्त करने हैं—

| | |
|-------------------------|---------------------|
| 1 ड०० (रीमती) गोदगुप्ता | 30-8-80 (पूर्वाह्न) |
| 2 ड०० श्री काल स्वामी | 8-9-80 (पूर्वाह्न) |

प० क० स० श०, विदेशी (प्रणाली)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीयोगिक मुख्य कार्यालय

नई दिल्ली-110019, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

म० ई-16014/(6)/1/79—कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर श्री प० च० प० रंधारा ने 11 जुलाई 1980 के पूर्वाह्न से क० ग्री० प० म० ब० य० निट, आई० ओ० स०० गुजरात गिफाइनरी, बड़ीदा के गद्दायक कमांडेट के पद वा कार्यभार संभाल लिया।

म० ई-38013(3)/8/80-कार्मिक—जादुगोड़ा में स्थानान्तरण होने पर श्री ओ० प० शर्मा ने श्री प० प० स०० नाल के स्थान पर नारीख 20 मिनम्बर, 1980 के पूर्वाह्न में एन० एफ० प० ए० पानीपत की क० ग्री० प० म० ब० य० निट के महायक कमांडेट का पद का कार्यभार सभल लिया। श्री प० प० स०० लाल ने नई दिल्ली को स्थानान्तरण होने पर उसी नारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

म० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—कोचीन को स्थानान्तरण होने पर श्री क० ए० लुके ने 2 जुलाई, 1980 के अग्रहाल से वी० प० प० टी० विभाष्यापटनम की क० ग्री० म० ब० य० निट के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. यह नारीख 7-9-80 के समसंदेशक के तहत जारी की गई अधिसूचना के अधिक्रमण में है।

दिनांक, 14 अक्टूबर 1980

म० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—पानीपत में स्थानान्तरण होने पर श्री प० प० स०० लाल ने 1 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से क० ग्री० प० म० ब० य० निट के महायक कमांडेट (ग्राम्पता) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

मं० ६०-३८०१३(३)/७/८०-कार्मिक—तलचर को स्थ-
नातरण होने पर, श्री एम० ग० जन्वर न नारीख ११ मितम्बर
१९८० के प्रारात्रि में एच० ६० सी० रात्रि की केंद्रीय० ग०
व० यूनिट के महापक कमाइन्ट के पद का कार्यभार छोड़
दिया।

मं० ६०-३८०१३(३)/७/८०-कार्मिक—गर्वी से स्थनातरण
होने पर श्री एम० ग० जन्वर न वीटी० क० बनर्जी के स्थान पर
२२ गिनम्बर १९८० के पूर्वाह्नि में केंद्रीय० ग० म० व० यूनिट
एफ० सी० आई० तलचर के महापक कमाइन्ट के पद का कार्यभार
संभाल लिया और श्री बनर्जी ने, विषाखापटनम को स्थनातरण
होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख में छोड़
दिया।

मं० ६०-३८०१३(३)/७/८०-कार्मिक—पश्चा में स्थनातरण
होने पर श्री एम० ग० गहजपाल ने २३ मितम्बर, १९८०
के पूर्वाह्नि में केंद्रीय० ग० म० व० यूनिट एफ० ग० मी० दुर्गापुर
के महापक कमाइन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया और
श्री जर्मा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख में छोड़
दिया।

मं० ६०-३८०१३(३)/७/८०-कार्मिक—दुर्गापुर में स्थ-
नातरण होने पर श्री एम० एन० भिह ने श्री ओ० पी० जर्मा
गहायक कमाइन्ट के स्थान पर ४ मितम्बर १९८० के पूर्वाह्नि
में केंद्रीय० ग० म० व० यूनिट एफ० सी० आई० ग० जाहुरोड़ा
के महापक कमाइन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया और
श्री जर्मा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख में छोड़
दिया।

मं० ६०-३८०१३(२)/१/८०-कार्मिक—गाउकेना म स्था-
नातरण होने पर श्री वी० कुण्ठपा ने १९ मितम्बर १९८०
के पूर्वाह्नि में केंद्रीय० ग० म० व० यूनिट बी० पी० टी० विषाखा-
पटनम के कमाइन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

महानिरीक्षण

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक १५ अक्टूबर १९८०

मं० ७/१०/७९-प्रगा०-I—इस कार्यालय की तारीख १४
दिसम्बर, १९७९ की समव्याक अधिसूचना का अधिक्रमण
करने हुए और विसारीय पदोन्नति मिमिति ही भिकारिण पर
तथा सघ लोक मेवा आशोग के परगमण में गार्टुपति, नई
दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित
अधिकारियों को, स्थाई स्पष्ट से तारीख ३ दिसम्बर १९८०
से महायक निदेशक (आकड़े ममाधन) के पद पर गहर्त नियुक्त
करने हैं।

अम० १० अधिकारी का नाम

- १ श्री एम० ग० नर्वेंद्री
- २ श्री हिमाकर
- ३ श्री एच० ग० गतियानी

मं० ११/३७/८०-प्रगा०-A—राष्ट्रपति गजाव, चण्डीगढ़
में जनगणना कार्य निदेशालय में, अन्वेषक के पद पर कार्यरक्ष
दी जी० पी० ग० गिर को उसी राष्ट्रपति में आर्गें २५ मित-
म्बर, १९८० के प्रारात्रि में, १ वर्ष की अवधि के लिए या
जब तक पद निमित आधार पर भरा जाए जो भी पहले
हो, पूर्ण अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक
जनगणना कार्य (नकर्ताकी) के पद पर सहर्त नियुक्त करते
हैं।

२ श्री गिरा का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

३ उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री गिर को महायक
निदेशक जनगणना कार्य (नकर्ताकी) के पद पर नियमित
नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर
गहरायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी मेवाप
उप योद्धा में वर्गितना और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के
लिए नहीं गिरी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति
को नियुक्ति अधिकारी के क्रियेक पर किसी भी समय बिना
नाई कारण बनाए रख किया जा सकता है।

पी० प्रसन्नाभ,
भारत के महापंजीकार

अम० मंद्रालय

(अम० व्यूरो)

किम्बा-१२१००४, दिनांक ८ नवम्बर १९८०

मं० २३/३/८० सी० पी० आई०—मितम्बर, १९८० में
औद्योगिक श्रमिकों का अविल भारतीय उपभोक्ता मूल्य
सूचकांक (आधार वर्ष १९६०=१००) अगस्त, १९८० के स्तर
में पात्र अनु बढ़ कर ४०२ (चार सौ दो) रहा है। मितम्बर
१९८० माह का सूचकांक आधार वर्ष १९४९=१०० पर
परिवर्तित हिए जाने पर ४८९ (चार सौ उन्नातवे) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,
मंत्रक निदेशक

विन मवालय

(ग्राथिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

न मिक गोड दिनांक ११ अक्टूबर १९८०

मं० १३७८/प०—दिनांक ४-१०-१९८० के क्रम में सर्व-
श्री एम० ग० ग० नर्वेंद्री और जी० नारायण मार्मी की उपनियंवण
अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति दिनांक ९-१०-१९८० के
पूर्वाह्नि में भारत प्रतिभृति मुद्रणालय में नियमित मार्मी जाएगी।

मं० १३७९/प०—श्री जी० टी० चौरे निम्नाकित अधिकारी को भारत प्रतिभृति मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राजपत्र के पद) उप नियंवण अधिकारी के पद पर मुद्रारित
बैठन श्रेणी न० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-६० जी०-३५-८८०-

40-1000-ई० बी०-40-1200 में नियमित रूप में दिनांक
9-10-80 के पुर्वाहि में तियुक्त किया जाता है।

पं० एस० शिवराम,
महा प्रबन्धक,
भारत प्रतिभूति सूदृष्टिय

रक्षा मंत्रालय

आईनेस्म फैक्टरी बोड

भारतीय आईनेस्म फैक्टरियों सेवा

कलकत्ता, दिनांक 30 मिनम्बर 1980

वैतनोट सूदृष्टिय

देवाम, दिनांक 12 अक्टूबर 1980

मं० बी० एन० पी०/मी०/43/80—मुख्य लेखा, नियंत्रक
मी० बी० ई० सी० नई दिल्ली के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री
के० एम० सकेना को दिनांक 28-9-80 (पुर्वाहि) से
22-9-81 तक बैंक नोट सूदृष्टिय, देवाम मं० ए० से प्रभावन
प्राप्ति नारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति दिया जाता
है।

डॉ नै० चार,
उप महाप्रबन्धक

भू राम लेखा परीक्षा नथा लेखा विभाग
महानेत्रालय महाराष्ट्र-I का कायनिय
प्रमाण-400020, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

मं० प्रग-एक/गाम-न्य/आयडी/31-वण्ड-III/मी/(1)/
3510-मडानेकार, महाराष्ट्रा प्रधीनस्थ लेखा रेवा के
मदम्य श्री एम० एन० पोद्दी को दिनांक 30 मई 1980
पुर्वाहि से अपने कायनिय में आगे आदेश होने तक लेखा
अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में तियुक्त करते हैं।

इस कायनिय का प्रधानपूर्वक नमांक प्राप्ति नं० I/जनरा/31-
वो०-III/मी० १ (प्राई)/३, दिनांक 27-6-80 रद्दोचरण
किया गया है।

एग० आ० ए० गुरुर्जी

प्रियंक रामनानेकार/प्रशासन

कायनिय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ

नईदिल्ली-110001, दिनांक 21 अक्टूबर 1980

मं० 426/ए०-प्रशासन/130/79-४०—निदेशक लेखा
परीक्षा, रक्षा सेवाएँ अधीनस्थ लेखा रेवा के रथयो श्री मी०
एन० ज्यारामण को भूमुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ
पट्टा के कायनिय में दिनांक 22-9-1980 (पुर्वाहि) से
स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश
पर्यन्त तक सहर्ष नियुक्त रहते हैं।

के० बी० दास औमिक,
संयुक्त निदेशक लेखा, परीक्षा,
रक्षा सेवाएँ

पं० 65/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफ-
गांवों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलेक्शन ग्रेड)/स्तर-II डी०
जी० मी० एफ०-स्तर-I के पद पर, उनके मामले दर्शायी गई
तारीख रो, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं।

- | | |
|--|---------------------------------------|
| 1. श्री शी० एग० गोरीशंकरन, | 30 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न—महाप्रबन्धक (सैलेक्शन ग्रेड)/स्तर-II | |
| 2. श्री जी० एन० रामकिशन, | 30 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न—महाप्रबन्धक (सैलेक्शन ग्रेड)/स्तर-II | |
| 3. श्री जे० मी० मरवाहा, | 30 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलेक्शन ग्रेड)/स्तर-II | (निकटनम पर्वती विभाग, के अन्तर्गत) |
| 4. श्री आर० के० चेल्लम, | 30 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न डी० डी० जी० शी० एफ/स्तर-II | |
| 5. श्री वी० वी० कर्मकार, | 30 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न डी० डी० जी० वी० एफ०/स्तर-II | |
| 6. श्री के० नारायण, स्थानापन्न | 30 अगस्त, 1980 |
| महाप्रबन्धक (सैलेक्शन ग्रेड)/ स्तर-II | |
| मं० 66/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफ- मरों को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/डी० ए० डी० जा० ओ० एफ० के पद पर, उनके मामले दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त रहते हैं :— | |
| 1. श्री पौ० एम० भेन, | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न उप-प्रबन्धक | |
| 2. श्री वी० एन० गर्मी, | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न गडापत्र प्रबन्धक | |
| 3. श्री मुकुमार घोष, | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न भाटापत्र प्रबन्धक | |
| 4. श्री एम० नै० बनर्जी, | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न भट्टापत्र प्रबन्धक | |
| 5. श्री वा० एम० चन्द्रमार्जन, | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न हाथक प्रबन्धक | |

| | |
|---|-----------------------|
| 6. श्री ग्राम० नारायण, | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न महापाल प्रबन्धक | |
| 7. श्री ए० ए० सुन्दरमार्जनम्, | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न महापाल प्रबन्धक | |
| 8. श्री ए० आर० शास, | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न नवाजला, स्थानक | |
| अफसर | |
| 9. श्री ट० ए० व० आर० नीम- | दिनांक 14 अगस्त, 1980 |
| विष्णुन, स्थानापन्न महापाल | |
| प्रबन्धक | |
| 10. श्री आर० ए० उर्मा, शास, | दिनांक 11 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न नवाजला, स्थानक | |
| अफसर | |
| 11. श्री ए० स० के० पा०, | दिनांक 11 अगस्त, 1980 |
| स्थानापन्न महापाल प्रबन्धक | |
| मं० ६७/ज००/८० - नारायण नारायण, महोदय, निमन्तिलिला गाँव, मरों को स्थानापन्न महापाल प्रबन्धक/ट० ए० स० ओ० रे० ५० पर, उनके मामने दण्डिय, गई तारीख २६, यात्राम, आदेश न होने तक, तिवृत्क रुग्न है --- | |
| 1. श्री व० ए० स० गोपाल, | दिनांक पहली मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन | |
| 2. श्री स० ए० व० वर, | दिनांक पहली मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन, | |
| 3. श्री ए० के० सन्दर्भ, | दिनांक पहली मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन, | |
| 4. श्री ए० ए० ए० राय, | दिनांक पहली मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन, | |
| 5. श्री के० घोष, | दिनांक पहली मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन | |
| 6. श्री ए० ए० ए० मर्ति, | दिनांक पहली मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन, | |
| 7. श्री ट०० म०० मेनगुराता, | दिनांक पहल, मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन, | |
| 8. श्री व०० वैद्यानाथन, | दिनांक पहलो मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन, | |
| 9. श्री इ० ए० ए० न॒लकॉठन, | दिनांक पहली मई, 1980 |
| स्थायी फोरमैन | |
| 10. श्री ओ० ड० मिश्रा, | दिनांक पहल, मई, 1980 |
| स्थानापन्न फोरमैन, | |
| 11. श्री ए० व० विष्वनाथन, | दिनांक पहल, मई, 1980 |
| स्थानापन्न फोरमैन, | |
| 12. श्री ए० ए० स॒० गग्कार, | दिनांक ३१ मई, 1980 |
| स्थानापन्न फोरमैन | |
| 13. श्री ए० ए० म॒० घोष, | दिनांक २२ मई, 1980 |
| स्थानापन्न फोरमैन | |

मं० ६८/ज०/८०—इस मायरिंग के दिनांक ७/११-२-८०
के ३८१/प०/ज० संख्यक पत्र के अन्तर्गत प्रकाशित दिनांक
७-२-८० का ३/जी०/८० संख्यक गट प्रधिभूतना के हिन्दो
प्रौद्योगिकीय प्रोजेक्टों पाठों में क्रम संख्या ३ के गामने की
प्रविधियों के बाबले में न चंडि लिखे रख मरण्वाण। —

I श्रीमंती आराजन मग्नेवाला, दिनांक २३ अक्टूबर, १९७९
महाराष्ट्र प्रवासी (परम्परावर्धी) (निष्ठनम् परवर्ती नियम-
क संसदीय)

दिनांक ११ अक्टूबर १९८०

पं० ६४/८०/ज०—ग्रामपालि महादेव, निस्तनिक्षित अफ-
मरो का महागढ़ प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, उत्तरे
भासन दर्शी। गई तारखों में नियमित बारते हैं—

दिनांक

- | | |
|--------------------------|------------|
| 1 श्री कै० रंजुराम | 21-12-1979 |
| 2 श्री पौ० एम् अचिव शाया | 23-06-1980 |
| 3 श्री मठेश नन्द | 7-08-1980 |
| 4 श्री छ० क० श्रीधरभद्रा | 5-12-1979 |
| 5 श्री ट० व० व० राव | 19-06-1980 |
| 6 श्री अपर्व गहा | 9-06-1980 |

ब.० के० मेहता,
महाराज महानिदेशक, आईसेन्स फैक्टरियो

वन्देश्वर, दिनांक ९ अक्टूबर १९८०

प्रोफेटि

मं० 24/80/प०/ई/1 (पन० ज०) — पहानिदेशक, आइ-
नेम्स फैक्ट्रिया मटोर्स, श्री डिलाल कुमार मित्र, स्थायी
महाप्रम को महायक स्टाफ अफसर के पद पर, नवर्ध आधार
पर, ट०० पम० घ्र०० को मध्यूर्ण गिकित्रों के प्रति दिनांक
20-8-80 मे, आगाम, आदेष न होने तक, प्रोश्नत रखते
हैं।

श्री मित्र ने महाप्रकट स्टाफ अफेलर के पद का उच्चार कार्यभार दिनांक 17-9-80 (पूर्वाह्न) में ग्रहण किया।

दिनांक 14 अक्टूबर 1980

शास्त्रियका

मं० 23/80/प०/ई०-१ (ग्रन० ज०) -- ग्रामीणकों का नदर्श आधार पर महायक स्टाफ अफसरों (ग्रुप 'ब' राज-परिवत) के पद पर नियुक्ति के बारे में कार्यपालन एवं इनि संबंधी इस कार्यालय का दिनांक 16-5-80 को 9/80/प०/ई०-१

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------|--|--|--------------------|---|---|
| 3 प्र० एम० एन० मृति | —वही— पूर्ण तथा निम०म०नि० नई दिनली | —वही— —वहो— | 15-3-78 | श्री पी० सी० माधुर स्थायी निदेशक के स्थान पर जो 28-2-78 प्रासरकारी भवासंनिवृत्त हुए। | |
| 4 प्र० एम० गिरा | निदेशक (गवा० निवृत्त) (भा० पू० भेवा० की श्रेणी 1 प्र० प्र० ग्र० १) प० तथा निम०म०नि० नई दिनली। | निदेशक (भा० पू० म० श्रेणी 1 के ग्रुप प्र० के ग्रेड में) (भेवा० निवृत्त) | 1-10-78 31-1-80 | श्री बी० आर० आर० ग्राम्यग्राम्यी निदेशक के स्थान पर जो उप- महानिदेशक के रूप में स्थायी हुए। | |
| 5 च० नागराज | —वही— | —वहो— | 1-11-78 | श्री पी० पी० कपूर, स्थायी निदेशक के स्थान पर जो 31-9-78 से सरकारी रेवा गे निवृत्त हो गए। | |
| 6. प्रा० ए० दाम | —वहो— | —वही— | 27-3-80 | श्री जे० सी० भडारी स्थायी निदेशक के स्थान पर जो उप- महानिदेशक के रूप में स्थायी हए। | |

दिनांक 15 अक्टूबर 1980

मं० प्र०-1/1(1163)—भव लोक भेवा आरोग की
सिफारिश पर गण्डुरति, महोदय ने श्री जी० एम० चन्द्रेंदी को
पूर्ण तथा नियटान महानिदेशालय, नई दिनली में दिनांक 1-10-80
के आगाहा० से उप निदेशक (विक्री कर) के रूप में नियुक्त कर
दिया है।

श्री चन्द्रेंदी की नियुक्ति प्रस्थाई है और वह 1-10-80
(अप्रगति) से दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

ऋण किशोर
उपनिदेशक (प्रगामन)

इस्मत और खान मवालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक अक्टूबर 1980

मं० 8148-बी/प्र०/19012 (3-डी प्र० ग्राम) /80-19-बी
—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विश्वित तकनीकी महायक
(रमायन) श्री डी० एम० गवा० को महायक रमायनज के

स्थान में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में,
आगामी आदेश होने तक 15-7-1980 के पूर्वाह्नि से पदोन्नति पर
नियुक्त किया जा रहा है।

मं० 6341-एन/प्र०/19012 (3-वाई० एम० एम०)/80-19-
बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विश्वित तकनीकी महायक
(रमायन) श्री वाई० एम० गाम्बी को महायक रमायनज के
रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०-
रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी
आदेश होने तक 14-7-1980 के पूर्वाह्नि से पदोन्नति पर नियुक्त
किया जा रहा है।

बी० ए० गृष्णस्थामी
महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

मं० प्र०/19011(39)/79-स्था० प्र०—विभागीय पदोन्नति
समिति की सिफारिश पर गण्डुरति, श्री जी० एम० बुमार, उप-

खान नियंत्रक को भारतीय खान व्यूरो में दिनांक 19-9-80 के पूर्वान्त में आगामी आदेश होते तक उसी विभाग में स्थानापन्न क्षेत्रीय खान नियंत्रक के रूप में सहर्व नियुक्त प्रदान करते हैं।

मं० ४-19012(131)/80-स्था० ४—विभिन्नीय पदोन्नति समिति की सिफरण पर श्री डी० जै० नहनरमार्णी, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अ० प्र०) को दिनांक 30-८-८० के पूर्वान्त में भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रदूषण अधिकारी (अस्क्र प्रगाधन) वे पद पर पदोन्नति प्रदान की गई हैं।

मं० ४-19012(132)/80-स्था० ५—श्री पी० डी० गंगाने, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अस्क्र प्रगाधन) की पदोन्नति भारतीय खान व्यूरो में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अस्क्र प्रगाधन) के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 30-८-८० के पूर्वान्त में ३ महीने के लिए की गई है।

ए० ४ वी० श्री
कार्यालय, अध्यक्ष,
भारतीय खान व्यूरो

अ. गंगानी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

मं० ४(38) 80-एम-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री ए० म० चौधूरी मिह को आकाशवाणी इम्फाल में 23-८-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४(80) 80-एम-I—महानिदेशक आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री गति रंजन मिश्र को आकाशवाणी जैपुर (उडीसा) में 28-८-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४(89) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री मैला वंगा मैलों को आकाशवाणी गुजरात में 29-८-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (95) 80-एम-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री प्रदुम्न मिह को आकाशवाणी जम्मू में 10-९-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (81) 80-एम-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री वी० ए० मवाई को आकाशवाणी श्रीरंगाबाद में 28-८-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नई दिल्ली दिनांक 16 अक्टूबर 1980

मं० ४ (19) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा कु० प्रमिता राव को आकाशवाणी जयपुर में 28-८-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (20) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री शशाक मिह मार्दन को आकाशवाणी जगदलपुर में 27-९-८० से प्राने प्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (25) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री ए० म० वी० कपिल को आकाशवाणी चण्डीगढ़ में 17-९-८० से अगले प्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (36) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री ए० म० वी० चंद्रपालवा को आकाशवाणी शिमला में 8-९-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (56) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री वी० ए० म० चौहान को आकाशवाणी अहमदाबाद में 8-९-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (57) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री वू० पी० परमार को आकाशवाणी अहमदाबाद में 30-८-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (79) 80-एग०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री वी० ए० म० शिवरंदा को आकाशवाणी मंगलौर में 27-८-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (80) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री वी० ए० इंगलों को आकाशवाणी जलगांव में 1-९-८० से प्राने आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 अक्टूबर 1980

मं० ४ (32) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री ए० डी० मंडलोई को आकाशवाणी रायपुर में 31-८-८० से प्राने आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ४ (60) 80-एम-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनड्ड्रारा श्री ए० म० मदनाथन को आकाशवाणी मद्रास में 11-९-८० से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (85) 80-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एन्ड्रूरा श्री एच० टी० आकाशवाणी को आकाशवाणी अधिमंदाबाद में 27-9-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निपादक के पद पर ग्रंथयी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1980
सं० 3/39/64-एस-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सी० आर० पाल, मुख्य लिपिक, दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता को आकाशवाणी, कुर्सियांग में 29-9-80 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेपांडी
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

(मिशिल निर्माण स्थान)

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

सं० ए०-12011/2/80-सी० डब्ल्यू०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली निम्नलिखित व्यक्तियों को पदोन्नति पर उनके नाम के सामने लिखे स्थान और तारीख से 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-रुपए के बेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में सहायक इंजीनियर/सहायक निर्माण सर्वेक्षक (सिविल/विद्युत) के स्पष्ट में नियुक्त करते हैं:—

| क्रम सं० | नाम और पदनाम | नियुक्ति स्थल | जिस तारीख से नियुक्त किए गए |
|----------|--------------|---------------|-----------------------------|
|----------|--------------|---------------|-----------------------------|

सर्वश्री

| | | | |
|--|---|-----------------------------|---------------------|
| 1. के० वेलुकुट्टी, सहायक इंजीनियर (सिविल) | . | जनगांव (बम्बई मंडल) | 31-7-80 (पूर्वाह्न) |
| 2. वी० रामचन्द्रन, सहायक इंजीनियर (सिविल) | . | गोहाटी (गोहाटी मंडल) | 13-9-80 (अपराह्न) |
| 3 ई० पी० मंडल, सहायक इंजीनियर (सिविल) | . | अल्मोड़ा (लखनऊ मंडल) | 29-8-80 (पूर्वाह्न) |
| 4. ए० के० चक्रवर्ती, सहायक निर्माण सर्वेक्षक (सिविल) | . | कलकत्ता (सर्कल कार्यालय) | 30-7-80 (पूर्वाह्न) |
| 5. ए० के० खान, सहायक इंजीनियर (सिविल) | . | सिलीगुड़ी (कलकत्ता मंडल) | 30-7-80 (पूर्वाह्न) |
| 6. ए० पी० दिवाकरन, सहायक इंजीनियर (सिविल) | . | श्रीनगर (दिल्ली मंडल) | 23-8-80 (अपराह्न) |
| 7. के० पी० शंकरन, सहायक इंजीनियर (सिविल) | . | ऐजल (गोहाटी मंडल) | 15-9-80 (पूर्वाह्न) |
| 8. एस० एन० भट्टाचार्य, सहायक इंजीनियर (विद्युत) | . | बम्बई उप-मंडल | 3-9-80 (अपराह्न) |
| 9. एस० एन० मंडल, सहायक इंजीनियर (विद्युत) | . | कलकत्ता उप-मंडल | 30-7-80 (पूर्वाह्न) |
| 10 ए० जे० एस० उपल, सहायक इंजीनियर (विद्युत) | . | गोहाटी उप-मंडल | 14-8-80 (अपराह्न) |

उनकी नियुक्ति पहले से ही जारी किए ग्रावेश मंख्या ए० 32014/1/80-सी० डब्ल्यू०-1 दिनांक 25-7-1980 में निहित नियमों और गतीय द्वारा नियंत्रित होंगी।

एस० रामास्वामी,
अपर मुख्य इंजीनियर के इंजीनियरी अधिकारी
कृते महानिदेशक

दुरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० ए०-12020/3/79-एम-2—लेखा महानियंत्रक कार्यालय, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग नई दिल्ली के निम्नलिखित अधिकारियों को लेखा अधिकारी के पद पर ₹ 800-1200 के बेतनमान में उनके सामने दी गई तिथि से व उनके नामों के आगे उल्लिखित कार्यालयों में उन्हें दो वर्षों की अवधि हेतु प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया जाता है—

| क्रम सं० | नाम | कार्यग्रहण की तारीख | कार्यालय |
|-------------|-------------------|----------------------|--|
| 1. | श्री राम बाबू | 14-7-80 (पूर्वाह्नि) | दुरदर्शन विज्ञापन नियंत्रक का कार्यालय, नई दिल्ली। |
| 2. | श्री ए० एल० मिगोल | 1-8-80 (पूर्वाह्नि) | केन्द्र अभियंता का कार्यालय, केन्द्रीय श्रय गाँव भंडार, दुरदर्शन, नई दिल्ली। |

उपर्युक्त अधिकारियों के बेतन व भन्ने का निधरण वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय-समय पर संजोधित कार्यालय ज्ञापन सं०-10 (24) ई-3/60, दिनांक 4 मई, 1961 के अनुसार किया जाएगा।

सी० एल० आर्य,
उपनिदेशक प्रशासन
हुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय,
नई दिल्ली-1, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

सं० ए०-38012/2/80-स्था०—वि० इ० प्र० निदेशक, श्री स्वपन कुमार घोष को निदेशालय में 8 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक उत्तरादेश प्रबन्धक (मुद्रण प्रचार) के पद पर नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० ए०-12025/2/80(ए० आई० आई० एच० पी० एच०)/प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री अरुणमा मजूमदार को 19 सितम्बर, 1980 पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों तक अधिकारी भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में स्थाई इंजीनियरी (डिजाइन) के सहायक प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

शिवदयाल
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

ग्रामीण पुर्णनिर्माण मंत्रालय
विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय
फरीदाबाद, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

सं० ए०-19027/2/80-प्र०-३—श्री धनेश्वर प्रसाद बनौती हिन्दी अनुवादक को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में तारीख 26 मितम्बर, 1980 (पूर्वाह्नि) से 28 फरवरी, 1981 तक पूर्णतया अल्पकालीन और तदर्थ आधार पर या जब तक

पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

बी० एल० मनीहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

मं० पा० पी० ई० डी० /4(787)/79-प्रशा०—श्री एन० पी० पिल्लै, स्थायीवत् वैज्ञानिक सहायक 'बी' और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड "एस० बी०" ने, अपना त्यागपत्र निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग द्वारा स्वीकार कर लिया जाने पर, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अपने पद का कायभार 26 सितम्बर, 1980 के अपराह्न में छोड़ दिया।

एस० जी०नायर
मुख्य प्रशासन अधिकारी

नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

मं० नरविप/प्रशा०-1/(177)/80-एस-/14066—नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, विद्युत परियोजना अभियन्ता प्रभाग के स्थाई नक्शा नवीस 'ब' तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री एस० सी० चौधरी को, नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना में, दिनांक 5 जून 1980 के पूर्वाह्न से अप्रिम आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० डी० भाटिया
प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 25 सितम्बर 1980

सं० डी० पी० एस०/2/1(5)/77-प्रशा०/16516—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के भंडारी श्री एम० आर० वैद्य को 21 अप्रैल 1980 (पूर्वाह्न) से 7 जून, 1980 (अपराह्न) तक के लिए

इसी निदेशालय में द० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री एम० के० जान, सहायक भंडार अधिकारी के स्थान पर की गई है, जिन्हें छट्टी प्रदान की गई है।

सी० बी० गोपालकृष्णन
सहायक कार्मिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 16 अगस्त 1980

आदेश

मं० नाईम/का प्र 5/2606/0302/1674—1 जब कि श्री यूसुफ अली खान अनुरक्षण ईंधन संयंत्र में वैज्ञानिक सहायक 'अ' के पद पर कार्यरत थे, उनको दिनांक 2-4-1980 से 28-4-1980 पर्यन्त जिसके साथ दिनांक 29-4-1980, 30-4-1980 और 1-5-80 को अनुलग्नन की अनुमति दी गई थी, स्वीकृत अवकाश की समाप्ति पर वह काम पर नहीं आए, किन्तु उन्होंने दिनांक 30-4-1980 को एक पत्र भेजकर प्रायः 15 दिन के अवकाश बृद्धि करने के लिए प्रार्थना की;

2. और जब कि नाभिकीय ईंधन समिश्र के प्रशासन ने दिनांक 17-5-80 को एक तार भेज कर उनसे काम पर तत्काल आने के लिए कहा, और तार की डाक प्रति संदर्भ सं० का० प्र० 4/ग-9/वि अ से/1248, दिनांक 17-5-1980 के अन्तर्गत पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा निवास संख्या 19-3-616, गाजी बंडा हैदराबाद-500253, के पते पर भेजी गयी, जो डाक प्राधिकारियों द्वारा इस अन्युक्ति के साथ वापस कर दी गई, "व्यक्ति नगर के बाहर गया हुआ है";

3. और जब कि यूसुफ अली खान ने दिनांक 13-5-1980 को विजयवाडा से अवकाश में एक मास की बृद्धि करने के लिए एक और पत्र भेजा;

4. और जब कि नाभिकीय ईंधन समिश्र के प्रशासन ने दिनांक 22-5-1980 को श्री यूसुफ अली खान को एक तार भेज कर यह सूचित किया कि उनकी अवकाश बृद्धि की प्रार्थना स्वीकार नहीं की गई और उनसे तत्काल काम पर आने के लिए कहा गया;

5. और जब कि दिनांक 22-5-1980 के उक्त तार की डाक प्रति संदर्भ सं० का० प्र० 4/ग-9/वि अ से/1297, दिनांक 22-5-1980 के अन्तर्गत पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा निवास संख्या 42/2/14, अजीत सिंह नगर, ब्लॉक सं० 39, विजयवाडा-15, को प्रेषित की गई जो डाक प्राधिकारियों द्वारा क्रिना० वितरित किए हुए इन अन्युक्तियों के भाष्य लैटा दी गई, "इस नाम का कोई व्यक्ति ब्लॉक सं० 39 में नहीं रहता है, अतः प्रेषक को वापस किया जाता है";

6. और जब कि श्री यूसुफ अली खान प्रशासन द्वारा उपर्युक्त अनुदेशों के बाबजूद भी काम पर नहीं लौटे;

7. और जबकि अनुशासनिक प्राधिकार ने श्री यूसुफ अली खान के विरुद्ध केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत जांच करने का प्रस्ताव किया, और एक अधियोग पत्र ज्ञापन सं० ना० ई० स०/ का० प्र० 5/2606/1487, दिनांक 24-7-80 को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा निवास सं० 19-3-616, गाजी बंडा, हैदराबाद-500253, और निं० सं० 42-2-14, अजीत सिंह नगर, ब्लॉक सं० 39, विजयवाड़ा-15, को भेजा गया;

8. और जब कि उक्त ज्ञापन सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/ 0302/1487, दिनांक 24-7-80 की निवास सं० 19-3-616, गाजी बंडा, हैदराबाद-500253, और निं० सं० 42-2-14, अजीत सिंह नगर, ब्लॉक सं० 39, विजयवाड़ा-15, को प्रेषित प्रतियों को डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए क्रमशः इन अध्यक्षियों के साथ वापस कर दिया गया, “व्यक्ति भारत के बाहर चला गया” तथा “पत्र पानेवाला अज्ञात है”;

9. और जब कि उक्त श्री यूसुफ अली खान निरन्तर अनु-पस्थित रह और नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना अता-पता सूचित करने में असमर्थ रहे;

10. और जब कि उक्त श्री यूसुफ अली खान स्वेच्छा से सेवा त्यागने के अपराधी हैं;

11. और जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को बिना अपना अता-पता सूचित किए हुए सेवा त्यागने के कारण, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अनुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यावहारिक नहीं है।

12. अतः अब परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्र 11, दिनांक 7-7-79 और या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 19(11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा अनुरक्षण ईंधन संयंत्र के बजानिक सहायक 'अ' उक्त श्री यूसुफ अली खान को सेवाओं में तुरन्त प्रभाव से हटा देने का आदेश देते हैं।

हस्ताक्षरित
एन० कोइल राव
मुख्य कार्यपालक

पते :—

(1) श्री यूसुफ अली खान,
निं० सं० 19-3-616,
गाजी बंडा,
हैदराबाद-500253।

(2) श्री यूसुफ अली खान,
निं० सं० 42-2-14,
अजीत सिंह नगर,
ब्लॉक सं० 39,
विजयवाड़ा-15 (आ० प्र०)।

हैदराबाद-500762, दिनांक 27 अगस्त 1980

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0704/5720—अधिसूचना सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0704/5335/ दिनांक 2-8-1980 के क्रम में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थायी अधिकारियों के विरुद्ध केन्द्रीय सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन सहायक कार्मिकाधिकारी के पद पर अधिकार पर नियुक्त किया है।

प० श्री रा० मूर्ति
प्रशासनिक अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाश्वकम-603102, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

सं० ए० स० ए० पी० पी०/31(1266)/75-प्रा० ई०—
वूकि मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के अधिकारी ट्रेडर्स मैनेजर (ए) श्री के० वी० मणि के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत जांच करने का आदेश हुआ है;

और वूकि उक्त केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) नियम के उपनियम 2 द्वारा प्रदत्त अधिकारियों का प्रयोग करके मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर ने मुझे जांच प्राधिकारी नियुक्त किया है;

और वूकि जांच के लिए नियमित सुनवाई 11 अगस्त, 1980, 8 सितम्बर, 1980 तथा 29 सितम्बर, 1980 को हुई और दोषी कर्मचारी, रजिस्टर्ड डाक से नियमानुसार नोटिस दिए जाने के बाबजूद, जांच प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ;

तथा इसलिए अब मैं एतद्वारा अधिसूचित करता हूँ कि श्री के० पी० मणि, भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 21 दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस को मेरे सामने उपरिथत हों।

के० जंबुलिंगम
जांच प्राधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० ४० ख० प्र०-८/१/८०-प्रशासन--परमाणु ऊर्जा विभाग
के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतद्वारा परमाणु खनिजप्रभाग के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न हिन्दी अनुवादक श्री
सोमनाथ सचदेव को उसी प्रभाग में श्री जे० आर० गुप्त सहायक
कार्मिक अधिकारी जिन्हेंछुटी प्रदान की गई है, के स्थान पर
२९-९-८० से १-११-८० तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक
अधिकारी नियुक्त करते हैं।एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० ४०-३२०१३/९/७८-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक ३०-४-७९ की अधिसूचना संख्या ए०-३२०१३/९/७९-ई० सी० के अमें, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो सहायक तकनीकी अधिकारियों की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर और दो गई तारीखों के बाद छः माह की अवधि के लिए अववा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक,
इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की अनुमति दी है।—

| क्रम संख्या | नाम | तैनाती स्टेशन | तदर्थ नियुक्ति जारी रखने की अवधि |
|------------------------------|-----|---|----------------------------------|
| १. श्री के० चन्द्रचूड़न | . | निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली। | २८-९-७९ के बाद |
| २. श्री एन० आर० एन० अर्यंगार | . | —वही— | २८-९-७९ के बाद |

इस विभाग की दिनांक ८-१-८० की अधिसूचना सं० ए० ३२०१३/९/७८-ई० सी० के० क्रम संख्या ३ तथा ४ एतद्वारा रद्द किए जाते हैं।

सं० ४० ३२०१३/२/८०-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन सहायक तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दो गई तारीख में और ३०-९-८० तक तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और इन्हे प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया गया है :—

| क्रम सं० | नाम | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्य ग्रहण करने की सारीख |
|-----------------------|-----|------------------------------|--|---------------------------|
| १. श्री के० बी० नन्दा | . | वै० सं० स्टेशन, श्रीनगर | वै० सं० स्टेशन, श्रीनगर | २-८-८० (पूर्वाह्न) |
| २. श्री जे० एल० सूरी | . | वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली | वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली | २५-७-८० (पूर्वाह्न) |
| ३. श्री एल० आर० गोयल | . | वै० सं० स्टेशन, पालम | निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक नई दिल्ली | ३०-७-८० (पूर्वाह्न) |

सं० ४० ३८०१३/१/८०-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तीन अधिकारियों ने नियर्तन आयु प्राप्ति कर लेने के फलस्वरूप दिनांक ३१-७-८० (प्रपराह्न) से अपने पद का कार्य भारत त्याग किया है :—

| क्रम सं० | नाम और पदनाम | स्टेशन |
|--------------------------|-----------------------|--------|
| (१) | (२) | (३) |
| १. श्री जी० एल० रस्वानी, | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | |
| सहायक तकनीकी अधिकारी | | |

| (१) | (२) | (३) |
|--------------------------|-----------------------|-----|
| २. श्री जी० आर० पटेल, | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | |
| सहायक तकनीकी अधिकारी | | |
| ३. श्री एन० एस० एस० मनी, | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | |
| सहायक मंचार अधिकारी | | |

दिनांक 14 अक्टूबर 1980

सं० ए०-३२०१३/२/८०-ई० सो०—गण्ड्रपति जी ने निम्नलिखित चार सहायक तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से ३०-९-८० तक तदर्थे आधार पर तकनीकी अधिकारियों के ग्रेड में नियुक्त किया है और उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

| क्रम सं० | नाम | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्यभार ग्रहण करने की तारीख |
|----------|----------------------|--|--|------------------------------|
| 1. | श्री आर० जी० राव | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास | वै० सं० स्टेशन, त्रिवेन्द्रम | ३०-८-८० (पूर्वाल्प) |
| 2. | श्रो पी० ए० शास्त्री | वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता | वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता | ३०-७-८० ,,, |
| 3. | श्री एच० एम० ग्रेवाल | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली | २-८-८० ,,, |
| 4. | श्री आर० वी० राव | वैमानिक संचार स्टेशन, श्रीरंगाबाद | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली | २८-८-८० ,,, |

सं० ए० ३२०१४/२/८०-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है और उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

| क्रम संख्या | नाम | वर्तमान तैनाती स्टेशन | जिस स्टेशन पर तैनात किया | कार्यभार संभालने की तारीख गया है |
|-------------|-----|-----------------------|--------------------------|----------------------------------|
|-------------|-----|-----------------------|--------------------------|----------------------------------|

सर्वथी

| | | | | |
|----|-----------------|------------------------------|----------------------------------|---------|
| 1. | एम० आर० शर्मा | वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली | वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली | १-८-८० |
| 2. | पी० आर० फेरवि | वै० सं० स्टेशन, नागपुर | वै० सं० स्टेशन, नागपुर, | ३१-७-८० |
| 3. | डी० के० छोधरी | वै० सं० स्टेशन, अग्ररतला | वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता | १६-८-८० |
| 4. | एस० के० दास | वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता | वै० सं० स्टेशन, पोर्ट ब्लैंयर | ८-९-८० |
| 5. | पी० आर० गांगुली | वै० सं० स्टेशन, रांची | वै० सं० स्टेशन, भुवनेश्वर | २५-८-८० |
| 6. | एस० के० राय | वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता | वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता | ३०-७-८० |

सं० ए० 32013/3/80-ई० पी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित चार-सहायक संचार अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से 30-9-80 तक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ प्राधार पर नियुक्त किया है और उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

| क्रम संख्या | नाम | वर्तमान तैनाती स्टेशन | जिस स्टेशन पर तैनात किया गया | कार्यभार संभालने की तारीख |
|-------------|-------------------------|------------------------------------|--------------------------------|---------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | श्री वी० एन० मिल | डी० जी० सी० ए० मुख्यालय, नई दिल्ली | श्रेणीय कार्यालय, नई दिल्ली | 31-7-80 (पूर्वाह्न) |
| 2. | श्री एम० आर० मेठी | ए० सी० एस० अहमदाबाद | ए० सी० एस० नागपुर | 30-8-80 (पूर्वाह्न) |
| 3. | श्री एम० पी० के० पिल्लै | ए० सी० एस० विशाखापत्नम | ए० सी० एस० बंगलौर | 22-8-80 (पूर्वाह्न) |
| 4. | श्री वी० एन० अर्यर | ए० सी० एस०, भुवनेश्वर | ए० सी० एस०, मद्रास | 5-8-80 (पूर्वाह्न) |

सं० ए० 33013/1/80-ई० सी०—अनियंत्रक संचार, बौमा वैमानिक संचार स्टेशन, मफदरजग, एयरपोर्ट, नई दिल्ली कार्यालय के श्री ओ० पी० बहन, संचार अधिकारी के निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-8-80 (आराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग किया है।

आर० एन० वास
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० ए० 32013/12/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र अधिकारियों को 25-9-80 से तथा ग्रन्थादेश होने तक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है :—

| क्रम सं० | नाम | स्टेशन |
|----------|----------------------------|---------------------------------|
| (1) | (2) | (3) |
| 1. | श्री कविराज सिंह | ए० एस० ओ० (ए० टी० सी०) मुख्यालय |
| 2. | श्री जे० एम० आर० के० शर्मा | मद्रास |
| 3. | श्री अमीर चन्द्र | खालियर |

| (1) | (2) | (3) |
|-----|-------------------------|----------------------|
| 4. | श्री एच० डी० लाल | भोपाल |
| 5. | श्री जी० एस० बंसल | राजकोट |
| 6. | श्री एम० एस० गोसाई | पालम |
| 7. | श्री सी० एन० एस० मूर्ति | मद्रास |
| 8. | श्री ए० एन० माथुर | कुम्भीग्राम |
| 9. | श्री पी० के० खन्ना | दम दम |
| 10. | श्री पी० बी० देसावानी | ए० ओ० (पी०) मुख्यालय |
| 11. | श्री के० पी० एस० नैयर | मद्रास |
| 12. | श्री ए० के० ज्ञा | नार्थ लखीमपुर |
| 13. | श्री एम० जे० मिह | पालम |
| 14. | श्री एम० के० बोहरा | सान्ताकुज |
| 15. | श्री विनोद कुमार यादव | सान्ताकुज |
| 16. | श्री दलजीत सिंह चतरथ | पालम |
| 17. | श्री डी० डी० वुठ्ठ | श्रीनगर |
| 18. | श्री के० के० मल्होत्रा | दम दम |
| 19. | श्री जी० एस० कालसी | लेह |
| 20. | श्री ए० टी० रिचर्ड | मद्रास |

| (1) | (2) | (3) |
|-----------------------------|-------------------|-----|
| 21. श्री राजिन्द्र पाल सिंह | बम्बई प्रयोगपोर्ट | |
| 22. श्री अरबल श्रावन्द | तिरुवृत्ति | |
| 23. श्री मी० एस० कोटिहाथ | बम्बई | |
| 24. श्री पी० एन० भास्कर | भावनगर | |
| 25. श्री एच० सी० मलिक | अमृतसर | |
| 26. श्री एच० आर० जोशी | बम्बई | |
| 27. श्री एस० सी० हरिया | बेगमपेट | |
| 28. श्री बी० एन० मिंह | दम दम | |
| 29. श्री आर० के० रमन | बेगमपेट | |
| 30. श्री राज कुमार | गोहाटी | |
| 31. श्री एन० जयमिश्हा | मान्ताकुज | |
| 32. श्री पी० एस० नारायण | मद्रास | |
| 33. श्री मुरेन्द्र सिंह | मन्ताकुज | |

मी० के० वत्स
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 1/228/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के अधीक्षक श्री सुतापेस दाम को अल्प-कालीन खाली जगह पर 15-7-80 से 23-8-80 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० 1/56/80-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के अधीक्षक श्री एस० पेरुमल को अल्प-

कालीन खाली जगह पर 16-6-80 से 21-7-80 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० 1/298/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के अस्थायी तकनीकी सहायक श्री मेहें प्रब्लुन रहीम को नियमित आधार पर 29 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में अस्थायी रूप से महायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/393/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री सत्येन्द्र कुमार (I) को नियमित आधार पर 10 मितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से महायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

पी० के० गोविल्द नायर
निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय
देहरादून, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० 16/247/76-स्थाना-I—श्री सिहिक अहमद (रा० व० से० गुजरात) के विषय में जारी की गई इसी संल्या दिनांक 18-9-80 की अधिसूचना उनकी सेवाएं राज्य सरकार को सौपने वाले रहे समझी जाए क्योंकि आदेश भारत सरकार द्वारा जारी किए जाने हैं।

आर० एन० महन्ती
कुल सचिव
वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय

मद्रास-600 034, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० IV/16/384/78-पी० एस० ए० डी० जे०-II—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (सातवां संशोधन) नियमावली, 1976 के नियम “क” के उपनियम (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो कि शिनांक 21-2-1976 से प्रभावी है, यह घोषित किया जाता है कि उप नियम (2) के अंतर्गत निर्दिष्ट केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अंतर्गत न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए गए व्यक्तियों और उनके नाम, पता व अन्य विवरण जिन पर पूर्वोत्त अधिनियम की धारा 33 में निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा 10,000/- रुपए या उससे अधिक शास्ति अधिरोपित की गई है नीचे दिए जाते हैं। चौथाई हिस्सा 30-6-1980 के लिए :—

| क्र०म० | व्यक्ति का नाम | पता | अधिनियम के उल्लिखित उपबंध | अधिरोपित शास्ति की राजमि |
|--------|-----------------------------------|---|--|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | मसर्स गिण्ड भशीन टूट्स निमिटेड | पाल० 4 सं० 103/75/टी० ए० 68 पलिकरने (पोस्ट) मद्रास- 601 302 | केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम के 1944 की धारा 9 (1) (ख ख) और केन्द्रीय | 1,500/- रुपए चुकाने का दण्ड दिया गया है। |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|--|---|---|---|
| श्री के० जी० मुख्यमण्डम अध्यरथी सी० आर० कृष्ण अध्यरथी के सुपुत्र। | 1 स्ट्रीट, रवि कालनी बैट थामग मौद्र मद्रास-६०० ०१६ | उत्पादन शुल्क 1944 के नियम १७३ पी० पी० (१) (४) और पी० पी० (१) (५) | उत्पादन शुल्क 1944 के नियम १०००/- रुपए चुकाने का दण्ड दिया गया है। | १,०००/- रुपए चुकाने का दण्ड दिया गया है। |
| २. श्री के० मुत्तुमामी उदयर | एन० ५ स० २४/६४ तबाखू व्यापारी, राघुवेन्द्रपुरम मेलम जिला | केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक श्रधिनियम के १९४४ का धारा ९(१) (ख) तथा ९(१) (ख ख) पद्धिए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के १९४४ की श्रधिनियम १५१-ग और २२३-क | केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक श्रधिनियम के १९४४ का धारा ९(१) (ख) तथा ९(१) (ख ख) पद्धिए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के १९४४ की श्रधिनियम १५१-ग और २२३-क | दण्डित और ५००/- रु० प्रत्येक महीने पर (कुल १०००/-रु०) चुकाने का जुर्माना, अनुपस्थिति में २ महीने का कठोर कारावास प्रत्येक सहवर्षी पर आदेश दिया गया है। |

II—विभागीय व्यायनिर्णय

—शून्य—

श्री० आर० रेड्डी,
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नागपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

म० 13/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, नागपुर के कार्यालय में कार्यरत कार्यालय अधीक्षक, श्री ए० म० बी० वनकर की प्रशासनिक अधिकारी/महायक प्रमुख लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षक इ०, श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने श्री व्ही० ए० भोजराज जिनका प्रमुख लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नति होने पर तबादला हो गया है, को कार्यभार मुक्त कर महायक प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, नागपुर के कार्यालय का दिनांक 24 सितम्बर, 1980 के अपराह्न में कार्यभार म्रहण किया।

म० 14/80—वैसे ही, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, नागपुर ने हार्दिगा से कार्यरत कार्यालय अधीक्षक, श्री बी० टी० लोड़ी पी० जी राम त्रिपाठी प्रधिकारी/महायक प्रमुख लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षक इ०, श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने श्री व्ही० के० त्रिपाठी, जिनका प्रमुख लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नति फलस्वरूप तबादला हो गया है, को कार्यभार मुक्त कर प्रशासनिक अधिकारी (मुख्या०), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नागपुर के कार्यालय का दिनांक 30 सितम्बर, 1980 के पूर्वान्त में कार्यभार म्रहण किया।

के० अंकररामन
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली-१, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

म० 30/80—निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के मद्दाम स्थित दक्षिण ३-३१६ GT/90

प्रादेशिक यूनिट में कार्यरत श्री ए० नटराजन ने वार्धक्य के कारण भेवा निवत्त होने पर दिनांक 30-९-८० के (अपराह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार त्वाग दिया।

के० जे० रामन्,
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-११००२२, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

म० ए०-३२०१४/१/८०-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त महायक निदेशक/महायक इंजीनियर (इंजीनियर) के ग्रेड में पूर्णतया अस्थायी तथा नदर्या आधार पर म० ६५०-३०-७४०-३५-८१० द० र००-३५-८८०-४०-१०००-द० र००-४०-१२०० के वेतनमान में छ० महीने की अवधि के लिए अधिकारी पदोन्नति के स्थायी आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, उनके नामों के मामने वी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं :—

| क्रम | अधिकारी का नाम तथा म० | पदनाम | अतिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार म्रहण करने की तारीख |
|------|--------------------------|-------|--|
|------|--------------------------|-------|--|

| (१) | (२) | (३) |
|-------------------------------------|-----|--------------------|
| सर्वश्री | | |
| १. ए० के० ए० गोविल अभिकल्प महायक | | १९-९-८० (पर्वाह्न) |

| (1) | (2) | (3) |
|--------------------------------------|--|-----|
| मर्वश्री | | |
| 2. एम० एस० मोटवानी, अभिकल्प सहायक | 6-9-80 (पूर्वाह्न) | |
| 3. आर० के० ठाकुर, अभिकल्प सहायक | 5-9-80 (पूर्वाह्न) | |
| 4. रविन्द्र कुमार, अभिकल्प सहायक | 5-9-80 (पूर्वाह्न) | |
| 5. आर्द्ध० एस० गुप्ता, पर्यवेक्षक | 30-9-80 (पूर्वाह्न) | |
| 6. एच० एन० याश्व, पर्यवेक्षक | 7-10-80 (पूर्वाह्न) | |
| 7. पी० राम ब्राह्मण, पर्यवेक्षक | 6-10-80 (पूर्वाह्न) | |
| 8. एस० आर० मैनी, पर्यवेक्षक | 25-9-80 (पूर्वाह्न) | |
| 9. के० डी० मिहं, पर्यवेक्षक | 23-9-80 (अपराह्न) | |
| 10. एच० जैड० कुरेशी, पर्यवेक्षक | 3-10-80 (पूर्वाह्न) | |
| | के० एल० भंडला अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग | |

निर्माण महानिदेशालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

सं० 1/112/69-ई० सी०-९—राष्ट्रपति जी ने श्री ओ० पा० गुप्त, वास्तुविद्, के० लो० नि० वि० का दिनांक 18-6-1980 का सेवा-निवृत्ति सम्बन्धी नोटिस स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री ओ० पा० गप्त दिनांक 15 अक्टूबर, 1980 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

के० ए० अनंतनारायणन
प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रायर का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अंग्रेजी में रचना

प्रांतिक विधि के विषय में

एण्डिनम, दिनांक 29 मिन्हवर 1980

सं० 401/लिक्वी०/560—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरणमें एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जेयिन मेंरचन्डस एसोसिएशन का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ए० अहमद कुर्बू
कम्पनी प्रोमिकूटर एन्ड ऐस० आफिस असिस्टेंट
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीम, केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसस आस्बेर होटल्स एण्ड रेस्टोरेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
जयपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

सं० 1-सांख्यिकी/1493/9375—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसस आल्बेर होटल्स एण्ड रेस्टोरेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जी० सी० गुप्ता
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हावड़ा आश्रम और स्टील वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० एल०/10949-ग्च०/डी०/1952—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 26-11-79 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च-न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जे-महान्नप्राप्ति अन्तर्गत कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० एल०/24489-ग्च०/डी०/1966—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 18-3-80 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च-न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भारत वाणिज्य विस्तार प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० 16506/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर भारत वाणिज्य विस्तार प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ए० बी० विश्वास
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वीअर एण्ड समाईल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालधर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3636—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 580 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वीअर एण्ड समाईल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पराडाईज़ इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालधर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2759/7794—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पेराडाईज़ इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिमगिरी फाईनेंस एन्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालधर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3146/7800—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिमगिरी फाईनेंस एन्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हेयर को इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालधर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

स० जी०/स्टेट/560/3257/7815—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हेयर को इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुरिन्द्र चिट फण्ड एण्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालधर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2854/7811—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सुरिन्द्र चिट फण्ड एण्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० एन० मौलिक
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रशान्त आइरन एण्ड स्टील प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० ए० 480/2510(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रशान्त आइरन एण्ड स्टील प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एम० सी०
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 स्ट्रा पेपर मिल्स आफ इंडिया लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० 1222/टी० ए०-१ (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर स्ट्रा पेपर मिल्स आफ इंडियालिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल

कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा,
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० एस० राजू
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

सं० एफ० 48-ए० डी०/(ए० टी०)/80-- श्री नारायण दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, जिन्हे आयकर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार वे पद पर दिनांक 17-१-1980 में 16-10-1980 तक स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई थी, देखिए, इस कार्यालय के दिनांक 11 अक्टूबर 1980 की अधिमूचना सं० एफ० 48-ए० डी०/(ए० टी०)/80, को अब आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार वे पद पर और तीन महीने की अवधि अधिनियमांक 10-10-1980 में 16-1-1981 तक या नव तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति सघ लोक मेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

2. उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, श्रृंखला नारंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त मेवा एं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में पारगणित की जाएगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्साहित किए जाने की पाप्तता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० सुला
प्रध्यक्ष

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 33) की धारा 269 (1) (4) के अंतर्गत अक्त सम्पत्ति को अधिकार में रहने के बारे में अधिसूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
लखनऊ-1, दिनांक 30 अगस्त 1979

सं० ना० प्राई० प्रा० 13-जे०/प्रज०—एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इलाहाबाद में स्थित चौक में संपत्ति सं० 16 (पुरानी संख्या 30) पर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) की उपधारा (2) में नियमित प्रावधानों के अनुसार, श्री बी० मजूमदार, अधिकारी इज़ज़ियर इलाहाबाद सेन्ट्रल डिवीजन, 76 लूकर्गंज इलाहाबाद और श्री टी० के० चट्टर्जी सहायक निदेशक (निरीक्षण) कार्यालय आयकर आयुक्त द्वारा इस हेतु विधिवत् प्राधिकार से दिनांक 27 अगस्त, 1979 को कठजा कर लिया गया है अधिनियम की धारा 269 (1) की उपधारा (4) के अनुसार उक्त संपत्ति उपरोक्त तारीख से ही पूर्णतया, सभी ऋण भारों से मुक्त, केन्द्रीय परकार के अधिकार में है।

सं० जी० प्राई० प्रा० सं० 20-पी०/अर्जन—एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इलाहाबाद के गांधीनगर नुट्टीगंज में संपत्ति सं० 230 पर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) की उपधारा (2) में नियमित प्रावधानों के अनुसार, श्री बी० मजूमदार अधिकारी इज़ज़ियर, इलाहाबाद सेन्ट्रल डिवीजन 76 लूकर्गंज इलाहाबाद द्वारा इस हेतु विधिवत् प्राधिकार से दिनांक 23 अगस्त 1979 का कठजा कर लिया गया है। अधिनियम की धारा 269 (1) की उपधारा (4) के अनुसार उक्त संपत्ति उपरोक्त तारीख से ही पूर्णतया, सभी ऋण भारों से मुक्त, केन्द्रीय सरकार के अधिकार में है।

अमर मिह विशेन
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
(अर्जन रेंज), लखनऊ

प्रष्टप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 13 अक्टूबर, 1980

निवेश सं० सी० आर. 62/26660—यतः मुझे आर० तोतादी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ग्राम 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि शावर यंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ने अधिक है।

और जिसकी सं० 12/1, पुराना, 16 (नया) है, तथा जो सैट सं० 2, रेस्कोर्स रोड, बंगलौर में स्थित है (और इसह उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित हो गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिक्ती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन अन्तरण विविध में वाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) घरेण से हृदौ सी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रतीक्षा देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में भविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या हिसी ब्रन या अन्य अधिनियमों को, जिहे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाजे में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री यू० एन० रामदास बलाल सं० 12/1, रेस कोर्स रोड बंगलौर-9
(अन्तरक)
2. श्री नारायण टी० शेट्टी सं० 12/1, (पुराना), 16 (नया) 2 मंजिल, रेस्कोर्स रोड बंगलौर-9।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के वंशधार में कोई भी व्यक्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी पर में किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में छिपावद्वय किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधीक्षोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही मर्य होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 172/80-81 दिनांक 17-4-1980)
घर मंपति जिसका सं० है कारपोरेशन पुराना सं० 12/1 और नया सं० 16,

जगह सं० 2 (संपत्ति सं० 3 का एक विभाग) रेस कोर्स रोड बंगलौर-9
जिसका घकबंदी है,
उ० में—प्राईवेट संपत्ति
द० में—प्राईवेट संपत्ति
प० में—कामन प्यासेज
प० में—प्राईवेट संपत्ति

आर० तोतादी,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलौर

दिनांक : 13-10-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० श्री० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(11) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कायोलय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बंबई

बंबई, दिनांक 25 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० आर-III/ए० पी०-350/80-81—अतः
मुझे ए० एच० तेजाले,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन यथा प्राप्ति प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि शाखर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 50-55 है तथा जो महुरल्हीलेज
में स्थित है (और इससे उपावख अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 21 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के वन्देश्वर प्रतिफल से भवित्व है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के अंतर्मध्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में लिपित नहीं
हिया गया।

(क) अन्तरा ने हुई निम्नी आदि का बाजार उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

1. मिनेक्ला डिलर्स प्रा० लि०
(अन्तरक)

2. लोक सेवा उद्योग प्रीमीसेस को० आ० सो० बल०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए जारीकरियाँ हरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ने हित-
बद्ध इसी अन्दर वर्कित द्वारा, अधोदस्ताकारी के
पास निखित में फ़िर जा सकेंगे।

एष्टोकरण:—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वहाँ अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रटक्ट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रतिनियम को द्वारा 269-ग के अनुसरण
में ने उक्त प्रतिनियम की शारीर 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 996/74 बंबई¹
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 21-2-1980 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, बंबई

दिनांक 25-8-1980
मोहरः

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बंबई

बंबई, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ए० आर-२/२९३४-७/फरवरी-८०—आतः मुझे,
ए० ए८० तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिनकी सं० फ्लाट नं० 45 टी० पी० ए८० है तथा
जो जुहु में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 4 फरवरी, 1980

कर्ते पूर्वक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक भंगिनि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पर्दिक ब्राह्म गंडिगज, श्री चार्ल्स अलवर्ट रांडिगज
(अन्तरक)
2. मरीन एण्ड प्रिमायसीम को आप सो लिमिटेड
(प्रत्सरिती)
3. सोसायटी के सदस्य

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृद-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोंहस्ताधरी के
पास लिखित रूप से किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 921/75 बंबई उप-
रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 4-2-1980 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

ए० ए८० तेजाले,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II बंबई

दिनांक : 8-9-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

1. तुगभद्रा सुगर वर्क्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
(अन्तरिनी)

भारत सरकार

फार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-। बंबई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ग० आरा०।/४३७३-१४/करवरी, 1980—अतः
मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 19/69, 128, 18/69
कुलाबा है तथा जो ल्हिक्टोरिया बंदर रोड में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
14 फरवरी, 1980 विलेख नं० 1785/79 बम्बई
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4—316GI/80.

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1785/79/बम्बई उप
रजिस्ट्रार अधिकारी दिनांक 14-2-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा,
सक्षम प्रधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-। बम्बई

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रकृत पाई० दी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०-II/एस० आर०-1/2/80-
अन० मु०, बलजीत भट्टियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

ओर जिसकी संख्या 2662, बारादरी शेर अफगान, है तथा जो
बिल्ली मारान, दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपावद अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिर्धित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में हमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिनाने में मुश्किल
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
अधीन निम्ननिर्धित अधिकारी, अर्थात् :—

1 श्रीमती पिल्ला देवी पन्नी आफ लग्नीमारायण और
दगरे डल्लू० जेड-113, गांव पांगवान, दिल्ली।
(प्रन्तरक)

2 श्री मंजूर अलाई और श्रीमती हबीब हजूर 2446
वारादरी शेर अफगान, बिल्ली मारान, दिल्ली।
(प्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रजन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी ग्राहण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि द्वारा सम्पत्ति पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधोइन्स्ट्रक्टरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 2662, बारादरी, शेर अफगान बिल्ली मारान,
दिल्ली।

श्रीमती बलजीत भट्टियानी,
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एन्च ब्लाक, विकास भवन, आई पी स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

निर्देश में आई ० ग० मी०/एक्य०/II-/एम० आर०-1/2-80/

238—अन्तः मंजूष, बलजीत भट्टियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंद्या 59 रोड नं० 41 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में ग्रीष्म पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 फरवरी 1980 को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तीर्थराम सचदेव सन आफ दिवानचन्द (2) शाम दास (3) सुभाष चन्द्र (4) गुलशन कुमार सन्‌म आफ तीर्थ राम सचदेव 59-रोड नं० 41 पंजाबी बाग, दिल्ली। (अन्तरक)

2. कुमारी चांद रानी सोनी पत्नी, केदारनाथ, आर 836/62, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिह्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूदूर्वी

एक मकान नं० 59, रोड नं० 41, पंजाबी बाग में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1100 वर्गगज है निम्न प्रकार में घिरा हुआ है:—

उत्तर —गली

दक्षिण —रास्ता नं० 41

पूर्व —प्लाट नं० 57

पश्चिम —प्लाट नं० 59

श्रीमती बलजीत भट्टियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
[अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002]

दिनांक: 10-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप धाई० टी० एन०एस०

अस्पृशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एच छलाक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०-II/एस० आर-I/2-80/
6225—अतः मुझे, बलजीत भट्टियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 9694-9695 है तथा जो गली नीम
वाली, नबाबगंज वाडे नं० 12 नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भंगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रदूषित करने वाला दूसरा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नन्दलाल सन आफ त्रिलोक चन्द्र और दूसरे 9694,

गली नीम वाली, नबाबगंज दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राकेश कुमार और दूसरे 6177 कूमा शिव मंदिर
गली बलाशका खारी बावरी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्राप्रटी का हिस्सा नं० 9694 और 9695 जो कि
गली नीमवाली नबाबगंज, वार्ड नं० 12 में स्थित है जिसका
क्षेत्रफल 61 वर्गगज।

श्रीमती बलजीत भट्टियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II एन्स ब्लाक, विकास भवन,

आई० पी० स्ट्रीट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर-1/2-80/

6190—अत मुझे, बलजीत भट्टाचारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 58 है तथा जो कर्ता ईश्वर भवन, खारी बाबली, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय को बाबत उत्तर अन्तिरित के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धर्म, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री शाम सुन्दर मितल सन आफ गोविन्द राम 939, गनी नाना मैना, विहारन्ड नावलटी मिनेमा दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री राम अवतार सन आफ स्पष्ट चन्द्र और दूसरे गव सोना डिस्ट्रिक्ट गुडगांव, हरियाणा।
(अन्तरिती)

को यह गूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की लापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य अविक्षित द्वारा, भघोड़स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोप्रेटी नं० 58 क्षत्रफल 13 वर्ग गज जो कि स्थित है कर्ता ईश्वर भवग खारी बाबली दिल्ली।

श्रीमनो बनजीत भट्टाचारी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

दिग्गज : 11-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II एच ब्लाक विकास भवन आई० पी० स्टेट
दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एम० आर II/28/
3132—अन: मुझे, बलजीत भट्टाचारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

ओर जिसकी मं० है तथा जो 25/23 निवार
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपाचार अनुसूची
में और पूर्ण रूप गे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ओर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ओर अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीत:—

1. श्री डॉ एम० पी० नारग सने आफ देस राज नारंग
एड हिंज बाइक श्रीमती विनोद कुमारी नारंग आई-
24 कीर्ती नगर, नई दिल्ली ।

2. श्रीमती गीता रानो चौपडा विठ्ठा आफ राम प्रकाश
चौपडा आफ बी० एफ० 36 टैगोर गार्डन नई
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
दिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहृस्नाकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पृथ्वी होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मकान जिसका भेत्रफल 200 वर्गमील, जो कि
प्लाट नं० 25/23 निवार नगर पर बना है ।

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक: 9-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एग०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II एन० द्वाक विकास भवन

आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1980।

निर्देश म० आई० ए० सी०/एन०-II/एस० आर-1/2-80/
6234—अन्तः मूल्य, बनजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी म० 49 है तथा जो रामा रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया नजफगढ़ दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाचार अनुमति में और पूर्ण स्पष्ट रूप से वर्णित है)। जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित शे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटविषयों, अर्यातः—

1 श्री मर्नांग कुमार ओमवाल मन आफ शीतल प्रमाद ओमवाल मकान न० 2/5 स्पष्ट नगर दिल्ली-7
(अन्तरक)

2. मैमर्स इन्डियन सलम वॉल मर्केन्ट 1009 पान मण्डी सदर बाजार दिल्ली।
(ग्रन्तरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणाधीनी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमति

एक मकान का हिस्सा जिसका न० 49 जोकि रामा रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया, नजफगढ़ रोड पर स्थित है निम्नलिखित प्रकार से चिरा हुआ है।

उत्तर —प्लाट न० 48

दक्षिण —रेलवे लाइन

पूर्व —खाली जगह

पश्चिम —रास्ता

श्रीमती बनजीत भटियानी,
मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 10-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एन० ब्लाक विकास भवन आई पी० स्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

नई दिल्ली

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०-II/गम० आर-II/2-80/
3143—अतः मुझे, बनजीत भट्टाचारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके प्रभावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

ओर जिसकी मंख्या है जो सी० एन० एन०-6, ब्लाक-
एन० हरीनगर गांव विहार दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वापन, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए,
योर/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधान (1)
के अधीन, निम्ननिबित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री रजिन्द्र मिह मन ग्राफ जोगिन्द्र मिह मेन रोड, राम
गढ़ विहार।

(अन्तरक)

2 श्री सर्वप मिह मन ग्राफ शान मिह ई० 4-5, रघुबीर
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संहारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा जिसका नं० सी० एन०-6, जो कि
एन० ब्लाक हरी नगर में स्थित है निम्न प्रकार से घिरा
हुआ है।

उत्तर —प्लाट नं० सी० एन०-7

दक्षिण —प्लाट नं० सी० एन०-4

पूर्व —रास्ता 40' चौड़ी

पश्चिम —गली 15' चौड़ी

श्रीमती बनजीत भट्टाचारी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज - दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 9-10-1980

मोहर:

प्रृष्ठ पाई ० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एच० ड्वाक, विकास भवन आईपी० स्टट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०-II/एम० आराII/2-80/
3147—अतः मुझे, बलजीत भट्टाचारी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अंदोन नक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका आव॑ वाजार मूल्य 25,000/-
ह० ए अधिक है

और जिसकी संख्या 17-बीगास गांव होलम्बी कलान दिल्ली, स्ट्रीट में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तररण नियित में वास्तविक रूप से कांचत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के भवान कर दें के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधिक सुविधा के लिए; और/या

(ब्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम द्वारा 269-व के अनुसरण में, भौत अधिनियम की धारा 269-व, की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अवृत्तिः—

5-316GI/80

1. श्री टेकू एलाइस टेकचन्द सन आफ चद्र होलम्बी कलान, दिल्ली स्टेट दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राम किशन, मन आफ वीप चन्द गांव शाहपुर गढ़ी, दिल्ली-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंदर के निए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंदर के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पॉइंकरेंसः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खती बाड़ी जमीन जो कि गांव होलम्बी कलान दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से हैः :

| रेकट नं० | किता नं० | एरिया |
|----------|----------|-------|
| 31 | 17 | 2-10 |
| 31 | 18/2 | 2-8 |
| 31 | 22/2 | 2-8 |
| 31 | 23 | 4-16 |
| 31 | 24 | 4-18 |

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II एवं व्लाक, विकास भवन प्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक, 9 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर-II/2-80-

3115—अतः मुझे, बलजीत भटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो डी-13/35, रजौरी गार्डन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980 की पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीब ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिवद में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा कर्म आय पा किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुमेल बाला पत्नी आफ केवल कुण्ड आहुजा डी-7/52, रजौरी गार्डन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रशोक कुमार एण्ड विनोद कुमार सन्स आफ मुल्तान सिंह गुप्ता डी-34, रजौरी गार्डन नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन ही अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वारा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० डी-13/35 रजौरी गार्डन।

श्रीमती बलजीत भटियानी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 9-10-1980।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजब।।, एच० ब्लाक विकास भवन आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एस०/II/एस० आर-III/2-80

3142—अस्तः मुझे, बलजीत भट्टियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 1/2 शयर आफ सी०
एल-6, ब्लाक एल०, हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावन अनुमूली में और पूर्ण रूप से बणित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तवीक रूप से कीर्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्रवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक्तः—

1. श्री भीम सैन चौपड़ा सन आफ राम चन्द चौपड़ा एवं
राजेन्द्र सिंह सन आफ जोगिन्द्र सिंह मेन रोड, रामगढ़
कैन्ट, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सरूप सिंह सन आफ शान सिंह ई-5, रघुबीर
नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इक्षत
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

1/2 हिस्सा, प्लाट नं० सी० एल-6, जो कि ब्लाक एल०
हरी नगर में स्थित है। जो कि निम्न प्रकार से छिरा हुआ
है।

उत्तर —प्लाट नं० सी० एल०-7

दक्षिण —प्लाट नं० सी० एल०-4

पूर्व —रास्ता 40' चौड़ा

पश्चिम —गली 15' चौड़ी

श्रीमती बलजीत भट्टियानी
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एच० ब्लाक विकास भवन आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1980

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०-II/एम० आर-1/2-80/

6192—अतः मुझे, बलजीत भट्टाचारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लाट न० 8, ब्लाक-
ए-1 माडल टाऊन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड
अनुमूली में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी
1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शकुन्तला नैयर पत्नी, मनोहर लाल नैयर
केआर/आफ मधुबन अरपना द्रस्ट, कनाल जनरल एटोरनी
(अन्तरक)
2. श्री रूप अन्द जैन सन आफ चुम्ही नाल जैन और दूसरे
7/17, दरियागंज, असारी रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनूतूची

एक मंजिल मकान जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज
है जिसका नं० 8, ब्लाक नं० ए-1, जो कि माडल टाऊन
में स्थित है। जो कि निम्न लिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

पूर्व —रास्ता

पश्चिम —बिल्डिंग प्लाट नं० ए० 8 पर

उत्तर —बिल्डिंग प्लाट नं० ए० 1/9

दक्षिण —बिल्डिंग प्लाट नं० ए० 1/7

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-10-1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ट/एस आर-III/2-80/
979—अतः मुझे बलजीत भट्टाचारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 1-ए०-4/67 है तथा जो ध्यानन्द कालोनी
लाजपत नगर में स्थित है (और उससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी,
1980।

को पूर्वोक्त ममति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवित्र में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब्र) ऐसी हिस्तों पार या हिस्तों पर या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

1. श्री योगराज धींगरा पुत्र टेकचन्द निवासी 1-ए०-4/67
लाजपतनगर नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री चेला राम सिंधी पुत्र लीला राम सिंधी निवासी
1-ए०-4/67 लाजपत नगर नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त ममति के अर्जन के ममतन्त्र में कोई भी आक्षेप :—

(ए) इस सूचना के राजनय में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरम्यान्वयी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा ;

(ब्य) इस सूचना ने राजनय में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ममति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास
निवित्र में हिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 1-ए०-4/67 लाजपत नगर नई दिल्ली जो
लीस होलु राइट्स क्षेत्रफल 100 वर्ग गज के अन्दर बना है।
निम्न प्रकार से है :—

उत्तर—मकान नं० ए-68

दक्षिण—मकान नं० ए-66

पूर्व—सड़क

पश्चिम—गली

बलजीत भट्टाचारी,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

दिनांक : 16-10-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टैट

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर-II/2-80/
3126—अतः मुझे, अलजीत भट्टाचारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्राप्ति है

और जिसकी सं० कोटी नं० 5, रोड नं० 46 ए है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 फरवरी, 1980

को एवंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई हिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी रुने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ललित कुमार सन आफ आरा० के० नन्दा ज०-१०/४९ रजौरी गाँव, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री दर्शन सिंह सन् आफ एस० मोहिन्द्र सिंह एफ-१४३, मान सरोवर गाँव, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधिकाव में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटी नं० 5, रोड नं० 46-ए पर पंजाबी बाग में स्थित है जो निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर —सर्विस गली

दक्षिण —रोड नं० 46-० ३

पूर्व —प्लाट नं० ३

पश्चिम —प्लाट नं० ७

श्रीमती अलजीत भट्टाचारी
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 21-10-1980

मोहर:

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II/एस० ब्लाक विकास भवन, आईपी० स्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/- /एस० आर-I/2-80/
6231—अक्तूबर मुझे, बलजीत भट्टियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी संख्या 1309 और 1310 वार्ड नं० 8 है तथा
है तथा जो गली तान सुखराम कुण्डेवाल अजमेरी गेट दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार पूर्ण, उसके दृष्ट्यामान प्रतिफल से ऐसे
दृष्ट्यामान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरेती (अन्तरितों) के भीष
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कठित
किया गया है।

(5) प्रभारग में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(6) ऐसी जिसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रोजेक्टर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
ग्रिफ्टा के लिए;

असः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी,
अधीत :—

1. श्रीमती सरला देवी पत्नी लट अमर नाथ 1308,
गली तान सुखराम, कुण्डेवालान, अजमेरी गेट दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री कालू मल गोयल, पुनर्मोती राम 2774,
गली आय समाज, बाजार सीता राम दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तासंबंधी अन्तियों पर सूचना को
रामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से
किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी
अन्य अवधियां द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में निए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 1309 और 1310, वार्ड नं० 8, गली
तानसुखराम, कुण्डेवालान, अजमेरी गेट, दिल्ली ।

श्रीमती बलजीत भट्टियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-10-1980
मोहर :

प्रूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एच० ब्लाक विकास भवन

आई० पी० स्टेट, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/2-80/
3136—अतः मुझ, बलजीत भट्टियानी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है
और जिसकी संख्या 4/बी०/2 है, तथा जो तिलक नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिमत प्रधिक है और
प्रत्यरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रस्तरक के लिए, तथा पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित
उत्तर से उत्तररूप लिखित में वास्तविक रूप से छोटा
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायितमें
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
प्रत-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाये प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए की उपचारा-
(1) के अधीन निम्नलिखित वर्कितियों प्रधीत:—

1. श्री टोडर मल सन आफ शंकर दास 4/बी०/2, तिलक
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दर्शन शर्मा पत्नी श्री विद्या सागर, एफ-
35, वेस्ट पटेल नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोष्टस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी नं० 4/बी०/2, तिलक नगर, क्षेत्रफल 200 वर्ग
गज निम्नलिखित प्रकार से धिरा हुआ है।

उत्तर : गली

दक्षिण : रास्ता

पूर्व : जी० बी० पी०

पश्चिम : जी० बी० पी०

श्रीमती बलजीत भट्टियानी,
सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप माई० ठी० एन०एस०-----

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक विकास भवन

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर-II/2-80/

3177—ग्रातः मुझे, बलजीत भट्टियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या लाट नं० 39, रोड नं० 54 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 26 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त विवास के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरण की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरणों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए क्या पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यद्यपि, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-ब के प्रस्तरण में, प्रधीन प्रधिनियम की बारा 269-ब की उपलब्धता (1) के

6-316GI/80

1. श्रीमती पुष्पा धवन पत्नी लेफिट० कर्नल पी० के० धवन श्रीर लेफिट० कर्नल पी० के० धवन फ्लैट नं० 170 सर्विस एनकलेव स्टेट-II, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री किरोरी राम मन् आफ लिक्वी राम डी-10/49, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कामनाहियां चाहता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रदूषिति या संस्थानव्यवस्था व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रदूषिति, जो भी प्रदूषित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्व किसी भाग व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में लिए जा सकें।

उपलब्धकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही बर्द्धे होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लाट नं० 39 जो कि रोड नं० 59, पंजाबी बाग में स्थित है निम्न लिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड नं० 54

पूर्व : लाट नं० 37

पश्चिम : दूसरी भूमि

श्रीमती बलजीत भट्टियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-10-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन
आई० पी० स्टेट दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एम० आर-I/2-80/
6203—अतः मुझे, बलजीत भट्टियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के प्रधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 153/2 है तथा जो कमला नगर दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 13 फरवरी, 1980 को

पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और घन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहेत्र से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन पा अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात्

1. श्रीमती हरीन्द्र ग्रेवाल स्लाईम हरीन्द्र कीर पत्नी श्री
ए० एस० ग्रेवाल 110, सेक्टर 9-बी०, नंडीगढ़।

2. श्री मदन गोपाल, सन आफ चमन लाल जुनेजा, 163,
गुजरावालान टाउन दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
उपर्याहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इसी सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त अवक्षियों में
से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-न में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रोप्रटी नं० 153-डी०/2, कमला नगर जिसका मुनि
मिपल नं० 6670/2 है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है
उत्तर : 60 फुट चौड़ा रास्ता
दक्षिण : 15 फुट चौड़ा रास्ता
पूर्व : प्रोप्रटी प्लाट नं० 154
पश्चिम : 15 फुट चौड़ा रास्ता

श्रीमती बलजीत भट्टियानी
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-11-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II/एच० ब्लाक विकास भवन

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर-1/2-80/

6201—अतः मुझे, बलजीत भट्टाचारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 153-डी/2 है तथा जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की आय 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ग्रन्थितयों, अर्थात् :—

1. श्री सतीन्द्र गिल एलाईस सतीन्द्र कौर पली जी० एस० गिल, 110-सेन्टर 9-बी अण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्री मदन गोपाल सन् आयकर समन लाल जुनेजा, 163 गुजराताला टाक्कन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदृश्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गठबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक महान नं० 153-डी/2, कमला नगर में मुनिसिपल नं० 6670/2, निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर : 60 फुट चौड़ा रास्ता

दक्षिण : 15 फुट चौड़ा रास्ता

पूर्व : प्राप्ती प्लाट नं० 154

पश्चिम : 15 फुट चौड़ा रास्ता

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली-110002

दिनांक : 21-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II-, एच० ब्लॉक, विकास भवन

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर-II/2-80/

3145—अतः मुझे, बलजीत भट्टाचारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 16 बीगाज और 16 बिसवास गांव होस्टल दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, प्रर्त्ति:—

1. श्री ओंकार प्रसाद सन् आफ कच्चे गांव हास्टाल (अन्तरक)

2. श्री मंगतु राम सन् आफ राम रीख, गांव बड़ेला दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वा किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि 16 बिगाज और 16 बिसवास, खसरा नं० 18/4/2, 6, 7 और 8 गांव हास्टसाल, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 21-10-1980

मोहर:

प्रलृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

आई० पी० स्टेट, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एच० आर-/II/2-80/

3227—अतः मुझे, बलजीत भटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी संख्या कुछ भूमि 20 बीघा है तथा जो गांव
जेतीकरा दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वा इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हटा किसी बात की वायत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दैने की अन्तरक की वायत में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आवा या किसी भव या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी क्षमता:—

1. श्री ओम प्रकाश, सन् आफ जीआ राम, हसतसाल,
दिल्ली।
 2. श्री रणधीर सिंह, सन् आफ शाम सिंह और श्री
चन्द्र सिंह, गांव दौलतपुर, दिल्ली।
- (प्रतिरक्षित)

को मह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतदीकुपि भूमि, जिसका क्षेत्रफल 20 बीघा, 27 बीघा
में और 13 बिसवास, गांव जेतीकरा में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भटियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-10-1980

मोदूर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एच० एच०---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-घ(1) के पश्चात सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II एच० ब्लाक विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/-II/ए० सी० क्य०-II/एस०
आर-II/2-80/3183—अतः मुझे, बलजीत भटियानी,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संभ्या कृषि भूमि 29 बिगाज है तथा जो गांव
मसुदाबाद में स्थित है (और उससे उपावद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में
वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है।—

(र) अन्तरण में दृई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व मेंकर्ती
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी छन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, प्रकृति :—

1. श्री रोशन लाल सन आफ विश्वन दास नजफगढ़,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रघुबीर सिंह सन आफ विश्वन दास नजफगढ़,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जाए तरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अवित्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि
बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृशन शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 24 बिगाज, स्थित है मसुदाबाद गांव में।

श्रीमती बलजीत भटियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-10-1980

मोहर :

प्रष्टप प्राई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के मध्येन सूचना

भारत मरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (नि री४ ण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० झी० पी० एन०---2221--यन: मुझे प्रा००
गिरधर,

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के मध्येन सकाम ग्राहिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव काहलवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राहिकारी के कायलिय करतारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भन्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के पन्द्रह संरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. निर्मल सिंह पुत्र धना सिंह गाव काहलवा ।
(ग्रन्तरक)
2. श्री मान सिंह पुत्र भर्हिया सिंह गाव बिन्दीपुर ।
(अन्तरिती)
3. जैमाकि ऊपर न० 2 में है।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायलियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 99 दिनांक फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्राहिकारी करतारपुर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकरी
सहायक आयकर आयद्वन् (दिर्दृक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रधान मार्दों दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निम्नें सं० ए० पी० 2222—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर वाईपास रोड़ नजदीक चगीटी, जालन्धर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्वमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने
का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्वमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्वमान प्रतिफल का पचाह प्रतिशत
आधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यरक्षों) और प्रत्यरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रत्यरण के सिए तरफ पावा या प्रतिकृति, निम्नलिखित
चौंथय से उक्त प्रत्यरण प्रतिकृति में वास्तविक कर से कठिन नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपकारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैष्ट ।—

1. श्री जसवंत राय पुत्र श्री संत राम ई० डी० 248 धन
मोहल्ला, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री परमिन्द्र सिंह, गगन इन्द्र सिंह सुपुत्र दविन्द्र मोहन
वीर सिंह मार्क्फत मैमर्ज दुआवा कोच बिल्डर्स जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

सम्बोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों पर्यं होगा, जो उस प्रव्यावर में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7582 दिनांक
1 फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 2223—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव तलवंडी माध्यो में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980
को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए आ छिपाने में
सूचिता के लिए.

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का अर्थात् :—

7-316GI/80

1. श्री मेहर सिंह, महिन्द्र सिंह, प्रीतम सिंह सुपुत्र सुन्दर |
सिंह गांव तलवंडी माध्यो तहसील, नकोदर।
(प्रत्यक्ष)

2. श्री गुरदेव सिंह, गुरमेल सिंह बलकार सिंह हरबंस
सिंह सुपुत्र नरंजत सिंह गांव डाकघासा तलवंडी
माध्यो, नकोदर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2731 दिनांक
फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर।

दिनांक : 14-10-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० डी० पी० नं० 2224—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इए से अधिक है।

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती शेख नजदीक मारगो कैप, जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी,
1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भक्षण के लिए
तथा पाया गया प्रतिलिपि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पस्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अयोग्यतार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा
(1) के अयोग्यतिविधियों अवीत्:—

1. श्री चानन राम पुत्र रूलीया राम वासी मारगो कैप,
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री रामलुबाया पुत्र राम लाल, 425, आर्द्दण नगर,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
उचित सम्बन्धित व्यक्तियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योत्तस्तात्त्वी के पास
लिखित में किए जाएँगे।

सम्प्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8141 दिनांक
फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-ष (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक १४ अक्टूबर, १९८०

निदश सं० ए० पी० नं० २२२५—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहै), की धारा २६९-ष
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती नौ जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीरं पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन, दिनांक फरवरी, १९८०

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
धारित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा "प्रकट" नहीं किया
या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा :—

१. श्रीमती बजोर कौर सुपुत्री अरवेल सिंह मिलाप और
जालन्धर।

(अन्तरक)

२. श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी जसबीर सिंह सुर्देशन कौर
पत्नी लखबीर सिंह, ८२ न्यू जवाहर नगर जालन्धर।
(अन्तरिती)

३. जैसा कि ऊपर नं० २ में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४. जो व्यक्ति सम्पत्ति में लूपि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

लघटीकरण :—इनमें त्रुत गम्भीर प्रश्न यह है, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-२० के परिभासित है,
वही प्रथम होगा जो उस प्रधायार में दिया गया है।

अनुमूलन

सम्पादित तथा दस्ती जैलर ६ फिरव नं० ७६४०। इसका
फरवरी, १९८० का रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालन्धर में निखा
है।

आर० गिरधर,
संभास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : १४-१०-१९८०

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्दर

जालन्दर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निदश सं० ए० पी० नं० 2226—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती नी, जालन्दर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्दर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन्य वार्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावान्वार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा और सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्त:—

1. श्रीमती वजीर कौर सपुत्री अखेल सिंह मिलाप घोक,
जालन्दर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी राजिन्द्र सिंह और सुदर्शन
कौर पत्नी लखवीर सिंह 82-न्यू जवाहर नगर,
जालन्दर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबूझ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो नक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि लिखेव नं० 7661 विनांक
फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्दर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्दर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रधान प्राई. टी. एन. एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० डी० पी० न० 2227—यह मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गली न० 15-बी भड़ी अबोहर में स्थित है (और इससे
उपावन्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी
1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे उक्त दर्शन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्तर्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगसार्थ अन्तरिती क्षेत्र प्रकट नहीं किया या
पा या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए,

उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्रीमती प्रकाशवती पत्नी पूर्वी राज बाई गली नं०
14-15, मण्डी अबोहर।

(अन्तरक)

2 श्रीमती नरजन कौर पत्नी नरिन्द्र सिंह पुत्र प्रताप
सिंह वासी जडिवाला तहसील फाजिलका।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विनेख न० 2830 दिनांक
फरवरी, 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

प्रस्तुप आई० टी० एन० सूल० एस०—

प्रायत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार:

कार्यालय सक्षात्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश मा० पा० फी० 2228—यह मुझे आर० गिरधर, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रतीक्षा विधि वारी को यह विश्वास फरने का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सा० जैसा कि अनुसूची ना० 2 में लिखा है तथा जो देवाल होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाष्ठद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि ग्रामपूर्वका समाज का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरर० (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुइ किसी आवश्यकी वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे छवने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आवश्यकी वायत या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रता: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री राम लाल पुत्र बुध राज सब्जी मण्डी जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री अजीत सिंह, बिक्रीका पुत्र हजारा सिंह 262 लाजपत नगर जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सूची ना० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसाहू है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के सिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त अधिनियम के अधीन हेसम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तममध्ये अधिकतरीपर सूचना। की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकतर द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकतर द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संदर्भोन्नामः—इस प्रयुक्त सब्दों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम के अधार्य 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द होगा, जो उस अधार्य में दिया गया है।

अनुसूची

अधिनियम नया व्यक्ति विनाम ना० 4240 दिनांक फरवरी 1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980
मोहर :

प्रह्ल प्राई० टी० एन० इ८०-----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
१४९०-८ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रमुखता (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० ए० पी०-२२२—यतः मुझे आर० गिरधर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसेभसमें इसके पश्चात 'उच्च प्रधिनियम' कहा था है), छोटारा १४९०-८ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोला जाना ३०,०००/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची नं० २ में लिखा है। जथा जो देवाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में मैं और सूर्य-रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अधीन, होशियारपुर, मेराजिस्ट्रीफरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रमत्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अस्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है:—

(क) अस्तरण सहूई किसी धारा की बाबत उच्च अधिनियम के प्रधीन कर देने के नन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोगनाव अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वापां किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उच्च प्रधिनियम की बारा २८९-८ के अनुसरण में, मैं उच्च प्रधिनियम की बारा २८९-८ की उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमृत लाल पुत्र बुधराज सज्जी मण्डी जालन्धर।
(अस्तरक)
2. श्री अजीत सिंह शिकम पुत्र हजारा सिंह २६२ लाजपत राय नगर जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सूची नं० २ में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. 'जो' अधिकारी की सम्पत्ति में इसी दखला है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में फिरबद्ध है)

को—यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्द्ध के पंद्रह में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के दावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी प्रधिकारी बाद में समाप्त होती हो, के मीनर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनाके दावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितवहनकिसी अन्य अधिकारी होशियारपुर, प्रधोड़नाथरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हालांकारण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधारा 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस प्रधारा में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 4274 दिनांक फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

प्रार० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रसूप शाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना
भाष्ट सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० ए० सी० नं० 2230—यतः मुझ, आरा० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची नं० 2 में लिखा है तथा जो देवाल में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय होणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिशत के बिंदु पर अनुरित को गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से ऐसे दृश्यमान प्रतिशत का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रतिशत (प्रतिशतों) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिये तथा पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिशत के लिये वास्तविक कप से कमित नहीं किया गया है।—

(क) अनुरित से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरके शाविष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनुरित प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले प्रतिशती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपादान (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात् 1—

1. श्री हरिकृष्ण पुत्र बोध राज सव्जी मण्डी, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री अर्जीत सिंह किंशका पुत्र हजारा मिह 262 लाजपतराय नगर, जालन्धर। (अन्तरित)
3. जैसा ऊपर सूची नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखना है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वारेंप ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा प्रधोद्दत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उप्र अड्डाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अविक्षित जैसा विलेख नं० 4731 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी में लिखा है।

आरा० गिरधर,
मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी दी० एस० एस०

आयकर प्रबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2231—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर प्रबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रबिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी द्वा०, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मगाना तहसील फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरा से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अविनियम, के प्रश्नीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे धनने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी आय या फिसी धन या प्रत्यं प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अविनियम या धन-कर प्रबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रबिनियम की धारा 269-ए की उपाधा (1) के अधिन, निम्नलिखित अविनियमों, अर्थात् ।—

8—316GJi80

1. श्री बान्ना भिह पुत्र राम मिह गाव मगाना, फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री दर्शन राम पुत्र कर्म चन्द गाव मगाना, फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरात्मी अविनियमों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविनियमों में से किसी अविनियम द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी प्रत्यं अविनियम द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रबिनियम के प्रद्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही पर्यं होगा, जो उस प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अविनियम जैसा कि विलेख नं० 2270 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2232—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
नजदीक तककी मोहल्ला फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्व जिसी आर को बाबत, उक्त अधि-
नियम के ग्राहीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी श्राव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रेत नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1)
के मध्यीन, व्यक्तियों, निम्नलिखित अर्थात्:—

1. श्री राम प्रकाश पुन्न कृष्ण दियाल महली गेट, फगवाड़ा
द्वारा विनोद कुमार।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार योगेश चन्द्र शराब ठेकेदार माडल
टाइन, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा सूची नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना, की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2264 दिनांक
फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में
लिखा है।

आर० गिरधर,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
दिनांक: 14-10-1980
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2233—यतः, मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो संत नगर पुराना फाजिलका में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक थरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन मा अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधितर्थी, प्रमाणितः—

1. श्री मुंशी राम पुत्र गंगा राम वासी निहाल खेड़ा तहसील फाजिलका।

(अन्तरक)

2. श्री लेखराज पुत्र जैलाल वासी जोहड़ी मंदिर रोड़, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समर्पित है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जिसका कि विलेख नं० 2854 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निवास सं० ए० पी० नं० 2234—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाँचवां प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

यह: यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रस्तुत निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्ति:—

1. श्रीमती परमेश्वरी सपुत्री जैराम दास वासी अबोहर (अन्तरक)

2. श्री भगनलाल प्रल बजरंग वास वासी गली नं० 4, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आम्रप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संचति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा विलेख नं० 2778 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अबोहर में लिखा है।

श्रार० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रहृष्ट ग्राही टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2235—यत् मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फलदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त प्रन्तरण निवित्र में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई हिसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तीयों अर्जात् :—

1. श्रीमती शांति देवी सपुत्री जैराम दास वासी अबोहर (अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार पुत्र बजरंग दास वासी गली नं० 4, अबोहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तीयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तीयों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अवित्त जैसा कि विलेख नं० 2859 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलालाबाद

जलालन्दर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश स० ए० पी० 2236—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो रेलवे रोड़, जलालाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलालाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा।

प्रेस: अंतं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अस्ति:—

1. श्री अवनाश चन्द्र पुन्न तारा चन्द्र वासी जलालाबाद।
(अन्तरक)

2. श्री सादा नन्द पुन्न शेर चन्द्र वासी दुकान नं० 1275
रेलवे रोड़, जलालाबाद।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कायंवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीराधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 150 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलालाबाद में लिखा है।

आर० गिरधर,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलालन्दर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2237—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुहूला ओरजय फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री साधु राम प्रेमजीत, इन्द्रजीत सुरजीत कुमार सपुत्र
किशोरी नाल वासी मुहूला मुदा फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. अन पुरना पत्नी सुशाश चन्द्र वासी मोहूला दादल
फगवाड़ा श्रवं मोहूला ओरजय फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
आनंदा है कि वह सम्पत्ति भे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयी हाईदराबाद है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2387 दिनांक
फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फगवाड़ा में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980

मोहूला :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ग० पी० 2238—यसः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो अवाद पुरा पिछले पासे सन्तुपुरा गुद्धारा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूसर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1 श्री रमेश्वर मिह पुत्र गा० फैटन कर्म मिह वामी-4 मान-ठाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री मुम राज पुत्र हरी राम वासी जगतपुर जटा तहसील फगवाडा जिला कपूरथला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में है तो रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

.अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8195 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी०० एन० एम०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2239—यतः मुझे, आर० गिरधर, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इसमें उपाष्ठ ग्रन्तुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में की गया है:—

(क) अन्तरण से दृढ़ किसी ग्राम की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्:—

9-316G I/80

1. श्रीमती ग्रेम रानी मुतमनी श्री अमृत लाल वासी फिरोजपुर शहर।
(अन्तरक)

2. श्री मेवा राम पुत्र मूल चन्द और श्रीमती सुद्रशना कुमारी सपुत्री मेवा राम वासी फिरोजपुर शहर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपरनं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मापदंश तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5492 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

आर० गिरधर,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश स० ए० पी० 2241—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए० के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आग्नीह था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए० के, अनुसरण में भी, उक्त अधिनियम का धारा 269-ए० की उपधारा (1) के अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विश्वन हास रीटारड असौ० छी० उ० पुत्र गौरी शंकर चौक पाड़ीया बटाला।

(अन्तरक)

2. श्री शरण कुमार मार्फत आर० एल० सेठ एण्ड कंपनी, बाजार शेखा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां गरिता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7603 दिनांक फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2242—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से
अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुमूली में लिखा है तथा जो
माउल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; तथा

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विश्वन दास रिटायंड एस० डी० ए० पुत्र गौरी शंकर
चौक पाडीया बटाला।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान चन्द मार्फत आर० एल० सेठ, बाजार
शेषा जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब्रह्म है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही
मर्यादा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1326 दिनांक
फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

आर० गिरधर,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रध्युम प्राई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० डी० पी० नं० 2244—यतः मझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षम्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री तरसेम लाल पुत्र शारू राम गांव उदेसिया, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रपात सिंह पुत्र गुरमुख सिंह, गांव जलालपुर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 8143 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी.-एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निदश स० ऐ० पी० नं० 2243—यत मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिमकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुभूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल रों अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नांकित है—
उक्त सूचना में वास्तविक
रूप से कीदृष्ट नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में
कमी करने या उससे दूरने में सुविधा से लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर्या
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् ।—

1. श्री अनुप सोंडी पुत्र श्री शिवराज सोंडी जालन्धर
'बारा मुख्तयार थो भीम सैन जगौता।'

2. श्री कर्म चन्द्र पुत्र बतना राम, लखन कुमार, राम
प्रकाश दविन्द्र सपुत्र कर्म चन्द्र, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाद में एमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लांखत में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7688 दिनांक
फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

पूरुष आई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2240—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गडा रोड़, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्णांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
—/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

1. श्री ऊजागर सिंह पुत्र अमर सिंह वासी 945, गड़ा
रोड़ जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुखजीत कौर पत्नी हरजीत सिंह वासी-88-
ग्रीन पार्क, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हत्तेम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 7820 दिनांक
फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश मं० ए० पी० न० 2245—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव चौ० में दिथर है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लम्बी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यत्र विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतीत-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1 श्रीमनी सुरजीत कीर पत्नी श्री जगवंत मिह गांव
चौ० ।

(अन्तरक)

2. श्री वंत सिंह कुलवन्त सिंह मपुत जगगाज मिह गाव
चौ० ।

(अन्तरिती)

3. जैगा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 102 दिनांक
फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लम्बी में लिखा
है।

अनुसूची

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट टो० एन० एस०—
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व (1) के प्रधीन सूचना
 मारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर
 जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2246—यतः मुझे आर० गिरधर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 11) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' लिखा गया है), को धारा 269-व
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में
 अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
 आर० बी० बट्रीनाथ कालीनी जालन्धर में स्थित है (और
 इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक फरवरी
 1980 में।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित सी गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप संक्षिप्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 प्रधिनियम के प्रधीन करने के प्रत्यक्ष के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
 बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के
 प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः—

1. श्री प्रशान्तम लाल सबरवाल पुत्र ग्रामर नाथ गांधी
 रुड़का कला, जालन्धर।
2. मंजर एम० के० भाटिया पुत्र करम चद, डब्ल्य०
 ए० एस० 173 बस्ती नों जालन्धर।
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7924 में दिनांक
 फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
 लिखा है।

ग्राम० गिरधर,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980
 मोहर :

प्रेरुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2247—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
आर० बी० बद्रीनाथ कालोनी, जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
फरवरी, 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाश गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की नावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

10—316GI|80

1. श्री प्रशोदतम लाल सवरवाल पुत्र अमरनाथ गांव
रुडका कला (जालन्धर)
(अन्तरक)
2. मेजर एस० के० भाटिया पुत्र करम चन्द उल्लय०
ए० एस०, 173 बस्ती 9 जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके पारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7883 दिनांक
फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

श्राव० गिरधर,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आइँ. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निरेश मं० प० पी० न० 2248—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
ज्ञान नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पुणे रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उच्चारण प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तांतरितियों) के दीव एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
है में अन्तरित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) नामी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगिता अन्तरिती बाबा प्रकट कहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त आधारनियम, की धारा 269-ग के अन्यरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपाधान (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरदावर मिह पुत्र बनन सिह गांव जगपाल पुर
तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुरिन्द कौर पत्नी नरंजन सिह गांव समार
पुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी)
जानता है कि वह सम्पत्ति में हित बख है

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7779, फरवरी
1980 को रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश मं० ए० पी० न० 2249—उक्त मुद्रे आर० गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० जैमा कि अनुसूची में निखा है तथा जो आई० पास जालन्धर में स्थित है (आई० इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त ग्रन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के ग्रन्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा सिंह पुत्र जवाहर मिहलक्ष्मी पुरा जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती संध्या देवी पत्नी कृष्ण नाल 47 विजय नगर जालन्धर (2) रतन चन्द पुत्र मुन्दर नाल विजय नगर जालन्धर (3) सरोज रानी पत्नी हरीश कुमार मोहल्ला कोलिया जालन्धर।

3. जैमा ऊपर सूची न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्थित रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसाकि विलेख न० 7681 फरवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक 14-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2250—यत्. मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बाई पास जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के, लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तारा सिंह पुत्र जवाहर सिंह लक्ष्मी पुरा जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री करतार सिंह कलसी पुत्र तेजार्सिंह अमर बाग
जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर सूची नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिकार
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रन्धर में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूची के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूची के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 7656 फरवरी 1980
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 14-10-1980
मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० पृष्ठ०-----
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर
 जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं प० पी० न० 2251—यत्. मुझे आर०
गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख
के अधीन सभी प्राधिकारी का, यह विश्वाय करने का कारण
है कि स्थाष्टर मन्त्रिसि, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो सैटल टाऊन फगवाडा में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरी 1980 पूर्वोक्त राष्ट्रित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भासि का उचित बाजार मूल्य, उगके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे व्यवरण न हिए रप गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य पर उक्त अन्तरग विविध में व्यास्तविक स्पष्ट में नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही निसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अत., यव, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विभिन्न विभिन्न विधायिकाओं, प्रधार्षितः—

- 1 श्री तारासिंह पुत्र माया सिंह सैटर टाउन फगवाडा
(अन्तररक)
 - 2 श्री बलदेव सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी इन्द्रा नगर
फगवाडा
(अन्तरिती)
 - 3 जैमा ऊपर सूची न० 2 मे है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
मे सम्पत्ति है)
 - 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है । (वह व्यक्ति,
जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध
है) ।

को यह सूखना जारी करके पुर्योक्ति मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रत्रधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीत में 30 दिन की प्रत्रधि, जो भी अवधि बाद में अमाप्त होती हो, के सीधे पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(प्र) इस पूर्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपी तरंग - -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मम्पति तथा व्यक्ति जैसा विलेख 2335 फरवरी 80 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा, लिखा है।

ग्राम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रीजन रेज, जालन्धर

प्रसूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय मंत्रालय का आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

प्रिंटिंग सं. ८० प० न० २२५ २—यह मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्रमंत्रियों को यह विश्वास करने का कारण है फिस्तावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी म० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामा मंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवड़ी साबो में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं दिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसों आय या किसी घन या वर्ग आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री किशन लाल हस राज सपुत्र परम सरम पुत्र तोता राम वासी राम मंडी

(अन्तरक)

- (2) 1 अर्जन दास चरणजी लाल
- 2 फला ट्रेडिंग कम्पनी
- 3 मदन लाल मनोहर लाल
- 4 बालक राम लक्ष्मण दास
- 5 भगवान सिंह सतोख सिंह
- 6 चानन राम देव राज
- 7 काणी राम किशोर चंद
- 8 हरदेव सिंह कृष्ण कुमार
- 9 बाबू राम प्रेम चन्द
- 10 धर्मपाल मदनलाल
- 11 मतपाल पवन कुमार
- 12 गगा राम गंधा राम
- 13 काहनामल जोत राम
- 14 केवल कृष्ण पवन कुमार
- 15 बृज लाल केवल कृष्ण
- 16 रिखीराम वेद प्रकाश
- 17 बनारसी दास रत्न चन्द
- 18 ठाकुर मल हम राज
- 19 किशोर चन्द प्रोम प्रकाश
- 20 नारायण दास गोपन लाल
- 21 बाबू राम विजय कुमार
- 22 लाल चन्द अमर नाथ
- 23 तारा चन्द जुगल किशोर
- 24 कृष्ण गोपाल पवन कुमार
- 25 राम रत्न दास बशोशर दास
- 26 राज कुमार नद लाल
27. दर्शन सिंह दीदार सिंह
- 28 अर्जन सिंह तीर्थ सिंह
- 29 बलवत सिंह अर्जीन सिंह
- 30 हस राज तरसेम चंद
- 31 शिव दयाल राम नारायण
- 32 रिखी राम जगमोहन लाल
- 33 त्रिलोक चंद मगत राय
- 34 गुरमुख मिह हर्गवस मिह
- 35 हरनाम मिह हर्गदवारी लाल
- 36 बलबीर सिंह जसबीर सिंह
37. गोकल चंद पृथी चंद
- 38 राजा राम सोम प्रकाश

39. कुन्दन लाल सरथन कुमार
40. खेम सिंह हीरा सिंह
41. बिश्नोमल कांशीराम
42. टहिल सिंह किशन सिंह
43. हरि सिंह रणजीत सिंह
44. तिलक राम जी दास
45. हरी राम बृंज लाल
46. अमरनाथ वेद प्रकाश
47. परसगाम किशोर चंद
48. बीरबलदास गजकुमार
49. मजू राम अशोक कुमार
50. मुख्यार सिंह राम सच्चप
51. जगत प्रकाश कालड़ा एण्ड थो०
52. गणेश मल आनामल
53. मनजीत सिंह एवं को०
54. तेलू राम शाम लाल
55. तुलसी राम इन्द्र मल
56. बिश्नोमल ओम प्रकाश
57. दिल्ला राम लक्ष्मण दास
58. रोशन लाल जगदीश राम
59. राजा राम ओम प्रकाश
60. मोलक राम जनक राज
61. कौर चंद देस राज
62. नहता राम अशोक कुमार
63. मनोहर लाल अमृत लाल
64. सीता राम तेज इन्द्र पाल
65. खेतू राम कृष्ण चंद
66. बृजलाल वेद प्रकाश
67. मुंशी राम नरंजन दास
68. राम जी दास देवेन्द्र कुमार

(अन्तर्गत)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदातियाँ करता हूँ।

इस सूचना के प्रत्येक के मंत्रालय में कोई भी वाप्रे। . . .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साठ में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखमंत्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2941 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी तलवंडी माबो में लिखा है।

श्रावण गिरधर,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 14-10-1980
मोहर:

प्रधान प्राईंट टी० एन० एम०--

(1) श्री मोहन लाल पुत्र परम राम वासी रामा मण्डी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जानलधर

जानलधर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश म ० ए० फी० न० 2253—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है।

और जिसकी म ० जैमा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो
रामा मण्डी में स्थित है (और इसमें उपावड़ प्रनुसूची में
ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय तलवड़ी साबो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रति-
फल निम्ननिम्न उद्देश्य से उक्त अन्तरक निविन में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बचन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) 1. अर्जन शाम चरणजी लाल
- 2. फत्ता ट्रेडिंग कंपनी
- 3. मदन लाल मनोहर लाल
- 4. बालक राम लक्ष्मण दास
- 5. भगवान मिह मंतोद्ध मिह
- 6. चानन राम देव राज
- 7. काशी राम किशोर चंद
- 8. हरदेव सिह कृष्ण कुमार
- 9. बाबू राम प्रेम चंद
- 10. धर्मपाल मदनलाल
- 11. मतपाल पवन कुमार
- 12. गंगा राम राधा राम
- 13. काहनामल जीत राम
- 14. केवल कृष्ण पवन कुमार
- 15. वृज लाल केवल कृष्ण
- 16. रिखी राम वेद प्रकाश
- 17. बनारसी दास रतन चंद
- 18. ठाकुर मल हंस राज
- 19. किशोर चंद ओम प्रकाश
- 20. नारायण दास रोशन लाल
- 21. बाबूराम विजय कुमार
- 22. लालचंद अमर नाथ
- 23. तारा चन्द जुगल किशोर
- 24. कृष्ण गोपाल पवन कुमार
- 25. राम रतनदास बशेशर दास
- 26. राज कुमार नंदलाल
- 27. दर्शन सिह दीदार सिह
- 28. अर्जन मिह तीर्थ सिह
- 29. बलवंत सिह अर्जीन मिह
- 30. हसराज तरसेम चंद
- 31. शिव दयाल राम नारायण
- 32. रिखी राम जगमोहन लाल
- 33. त्रिलोक चंद मंगत राय
- 34. गुरमुख मिह हरबस मिह
- 35. हरनाम सिह हरदत्तारी लाल
- 36. बलबीर सिह जसबीर सिह
- 37. गोकल चंद पृथी चंद
- 38. राजा राम सोम प्रकाश
- 39. कुन्दन लाल सरबन कुमार

40. खेम सिंह हीरासिंह
41. विश्वनामल कांशीराम
42. नेहिल सिंह किशन सिंह
43. हरि सिंह रणजीत सिंह
44. तिलक राम रामजी दास
45. हरी राम बृज लाल
46. अमरनाथ वेद प्रकाश
47. परम राम किशोर चंद
48. बीरबल दास राज कुमार
49. मंगू राम अशोक कुमार
50. मुख्तयार सिंह राम सरूप
51. जगत प्रकाश कालड़ा पण्डि को०
52. गणेशा मल भानुमल
53. मनजीत सिंह एवं को०
54. तेलू राम शामलाल
55. तुलसीराम इन्द्रमल
56. विश्वनामल ओम प्रकाश
57. दिल्ला राम लक्ष्मण दास
58. रोशन लाल जगधीश राय
59. राजा राम ओम प्रकाश
60. भोलक राम जनक राज
61. कौर चंद देस राज
62. नरुता राम अशोक कुमार
63. मनोहर लाल अमृत लाल
64. सीता राम तेज इन्द्रपाल
65. खेतू राम कृष्ण चंद
66. बृज लाल वेद प्रकाश
67. मुंशीराम नरंजन दास
68. रामजी वास द्वेन्द्र कुमार ।

(अन्तरिती)

- (3) 1. मगत राय 2. अशोक कुमार 3. पवन कुमार
4. कमल कांत सुपुत्र तरलोक चन्द्र वासी रामन
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) 1. श्री मंगत राय 2. अशोक कुमार 3. पवन
कुमार 4 कमलकांत सुपुत्र तरलोक चन्द्र वासी रामन
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए
फार्मवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2936 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तबदीली साबो में लिखा है ।

ग्राह० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 14-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एम० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2254—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
रामा मणी में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय
तलवंडी साबो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोच्च सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोच्च सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए उप पाया
माया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक्त के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः मग, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रह्यतः :—

(1) श्री साधुराम पुत्र परस राम वासी रामा मणी

(अन्तकर)

- (2) 1. अर्जन दास चरणजी लाल
2. कत्ता ट्रेडिंग कंपनी
3. मदन लाल भनोहर लाल
4. बालक राम लक्ष्मण दास
5. भगवान सिंह संतोष सिंह
6. चानन राम देव राज
7. काशी राम किशोर चंद
8. हरदेव सिंह कृष्ण कुमार
9. बाबू राम प्रेम चंद
10. धर्मपाल मदनलाल
11. सतपाल पवन कुमार
12. गंगा राम राधा राम
13. काहनामल जीत राम
14. केवल कृष्ण पवन कुमार
15. बूज लाल केवल कृष्ण
16. रिखीराम वेद प्रकाश
17. बनारसी दास रतन चंद
18. ठाकुर मल हंसराज
19. किशोर चंद ओम प्रकाश
20. नारायण दास रोशनलाल
21. बाबू राम विजय कुमार
22. लालचंद अमर नाथ
23. ताराचंद जुगल किशोर
24. कृष्ण गोपाल पवन कुमार
25. राम रतन दास बशेशरदास
26. राज कुमार नंदलाल
27. दर्शन सिंह दीदार सिंह
28. अर्जन सिंह तीर्थ मिह
29. बलवंत सिंह अर्जीत सिंह
30. हंसराज तरसेम चंद
31. शिव दयाल राम नारायण
32. रिखी राम जगमोहन लाल
33. त्रिलोक चंद मंगत राय
34. गुरमुख सिंह हरबंस सिंह
35. हरनाम सिंह हरदयारी लाल
36. बलबीर सिंह जसबीर सिंह
37. गोकल चंद पूर्थी चंद
38. राजा राम सोम प्रकाश
39. कुन्दन लाल सरबन कुमार

40. खेम सिंह हीरा सिंह
41. विश्वनामल कांशी राम
42. तेहल सिंह किशन सिंह
43. हरि सिंह रणजीत सिंह
44. तिलक राम रामजी दास
45. हरी राम बृज लाल
46. अमरनाथ वेद प्रकाश
47. परस राम किशोर चंद
48. बीरबल धास राजकुमार
49. मंगू राम अशोक कुमार
50. मुखतयार सिंह राम सरूप
51. जगत प्रकाश कालड़ा एण्ड को०
52. गणेशा भल भानामल
53. मंजीत सिंह एवं को०
54. तेलूराम शामलाल
55. तुलसीराम इन्द्रमल
56. विश्वनामल ओम प्रकाश
57. दिल्ला राम लक्ष्मण दास
58. रोशन लाल जगदीश राय
59. राजा राम ओम प्रकाश
60. मोलक राम जनक राज
61. कौर चंद देसराज
62. नश्ता राम अशोक कुमार
63. मनोहर लाल अमृत लाल
64. सीता राम तेज इन्द्रपाल
65. खेतू राम कृष्ण चंद
66. बृजलाल वेद प्रकाश
67. मुशी राम नरंजन दास
68. रामजी धास देवेन्द्र कुमार

(अन्तरिती)

अनुसूची

- (3) 1. मंगत राम 2. अशोक कुमार 3. पवन कुमार
 4. कमल कांत सुपुत्र तरलोक चन्द धासी रामन
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

- (4) 1. मंगत राम 2. अशोक कुमार 3. पवन कुमार
 4. कमल कांत सुपुत्र तरलोक चन्द, धासी रामन

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की

तापील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त प्रावृत्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2940 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी सामो में लिखा है।

आर० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्थर

दिनांक: 14-10-1980

मोहर:

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2255—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सजाम प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो कोतवाली बाजार में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिक्रिया अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में उभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसा किसी आय या किसी छन या अन्य भास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं अन्तरितो द्वाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुचरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों अर्द्धतः—

1. श्रीमती संतोष रानी पत्नी हरी नारायण शीश महल बाजार होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी पत्नी बसन्त साल अग्रवाल पुन शाम साल अग्रवाल मोहल्ला जगतपुरा होशियारपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में दितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4389 दिनांक फरवरी 1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 17-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

निर्देश स० ए० पी० 2256—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो
सैदा गेट जालन्धर में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980।

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन—

1. सवरना रानी पुन्नी मुन्नी राम पत्नी मंगल दास मकान
नं० 46 तालाब बहरियां जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र पुन्न सरदारी लाल ए० क्य० 123 पक्का
बाग जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा की ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूल्यना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्याकृत द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगे। जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8391 मार्च
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 17-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस. —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 घ. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कम्पालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 2257—यतः मुझे आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो निजात्मनगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाव में सुविधा का लिए; और/वा

1. श्री सोम नाथ चौपड़ा निजात्मन नगर जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री धर्मवीर, इन्द्रजीत सिंह सपुत्र तरलोक नाथ डब्ल्यू० पी० 221 बाजार शेखा जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8026 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8026 दिनांक फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-10-1980

मोहर :

जतः धन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

निर्देश म० प० पो० न० 2258—यह मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका म० जैसा का अनुसूचा में लिखा है तथा जो बाजार मात्र बूल कोट कपूरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी वाय औ वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में; कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी/किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवैति :—

1. श्री वकाल चन्द्र पुत्र बाबू राम रेलवे रोड कोट कपूरा।
(अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार मुरिन्द कुमार पुत्र मुलब्र राज बाजार मोने, बूल कोट कपूरा।
(अन्तरिती)

3. जैमी को ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति ने रुचि द्वारा है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

अनुसूची :—इसमें प्रशुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3607 फरवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोट कपूरा में है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
दिनांक : 17-10-1980
मोहर .

प्राप्त पाई० टी० एम० एस०————
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा
269 वा० (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2259—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आधा 269-वा०
के प्रधोन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
उपर से अधिक है

ओर जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो
रामन मण्डी में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के
कार्यालय तलवंडी सावों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
एवह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तर्कर्ता)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया अंतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से तुर्हि किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधोन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की आधा 269-वा० के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की आधा 269-वा० की उपाया (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अस्तरि ।—

(1) श्रो मोहन लाल साधू राम सुप्रत श्री परम राम रमन
मण्डी
(अन्तरक)

- (2) 1. अर्जन दाम चरनजीत लाल
- 2. कत्ता ट्रेडिंग कंपनी
- 3. मदन लाल मनोहर लाल
- 4. आलक राम लक्ष्मण दाम
- 5. भगवान मिह संतोख मिह
- 6. चनान राम देव राज
- 7. कांशी राम किशोर चद
- 8. हरदेव सिह कृष्ण कुमार
- 9. आवूराम प्रेमचंद
- 10. धर्मपाल मदनलाल
- 11. मतपाल पवन कुमार
- 12. गंगा राम राधाराम
- 13. काहनामल जोतराम
- 14. केवल कृष्ण पवन कुमार
- 15. बूजलाल केवल कृष्ण
- 16. रिखाराम वेदप्रकाश
- 17. बनारसो दास रत्नचंद
- 18. ठाकुरमल हंसराज
- 19. किशोरचंद ओम प्रकाश
- 20. नारायणदास रोशनलाल
- 21. बावूराम विजय कुमार
- 22. लाल चंद अमर नाथ
- 23. तारा चंद जुगल किशोर
- 24. कृष्ण गोपाल पवन कुमार
- 25. रामरतन दास विशेश दास
- 26. राजकुमार नंदलाल
- 27. दर्शन सिह दीदार मिह
- 28. अर्जन मिह तीर्थी मिह
- 29. बलवंत मिह अजीत मिह
- 30. हंसराज तरसेम चद
- 31. शिवदयाल राम नारायण
- 32. रिखो राम जगमोहन लाल
- 33. क्रिलोक चंद मंगत राय
- 34. गुरुमुख सिह हरबंस मिह
- 35. हरलाल सिह हरिद्वार लाल
- 36. बलबोर सिह ज्ञसबोर मिह
- 37. गोकल चंद पूर्णी चंद
- 38. राजा राम ओम प्रकाश
- 39. कुंदन लाल सरवन कुमार
- 40. खेम सिह हीरा सिह

41. विश्वनामल कांशी राम
42. टहिल मिहि किशन मिहि
43. हरा मिहि रणजीत सिंह
44. तिलकराज रामजी दास
45. हरीराम बृजलाल
46. अमरनाथ वेद प्रकाश
47. परसराम किशोरचंद
48. बोरबल दास राजकपूर
49. मंगू राम अशोक कुमार
50. मुद्रितियार मिहि राम सरूप
51. जगत प्रकाश कालड़ा एण्ड को०
52. गणेश मल माना मल
53. मंजोत मिहि एवं कंपनी
54. तेलुराम शाम लाल
55. तुलसीराम इन्द्रमल
56. विश्वन मल ओम प्रकाश
57. दोला राम लक्ष्मण दास
58. रोशनलाल जगदीश चंद्र
59. राजाराम ओम प्रकाश
60. मुलख राज जनक राज
61. कौर छंद देश राज
62. नस्ता राम अणोक कुमार
63. मनोहर लाल अमृत लाल
64. सोता राम तेज इन्द्रपाल
65. खेतू राम कृष्ण छंद
66. बृजलाल वेद प्रकाश
67. मुण्डो राम निरंजन दास
68. रामजोदास देवेन्द्र कुमार वासी रामा मण्डी ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताधरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायेकाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्दस्ताधरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमा विलेख नं० 2935 दिनांक फरवरी 1980 को रचिस्ट्रेकर्ता अधिकारी तलवंडी साबों में लिखा है।

आर० गिरधर,
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालनधर

दिनांक: 17-10-1980

मोहर:

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निवेदण मं० ए० पो० 2260—यत्. मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो
भटिणा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनसूची में और
पूर्ण रूप वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
भटिणा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक फरवरी 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरिरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

1. श्रो कपूर मिह पुत्र बोर सिंह, पोछे अवकार सिनेमा,
भटिणा।

(अन्तरक)

2 श्रोमतो मंजोत कौर पत्नी पाला सिंह पुत्र भगत सिंह, शिखिन्द्र
सिंह पुत्र पाला सिंह पुत्र भगत सिंह मकान नं० जी० 25
स्टेट गवर्नरमेंट मकान सिविल चैंट भटिणा, पाला
सिंह पुत्र भगत सिंह; तहसीलदार बुडलाडा तहसील
भागसा जिला भटिणा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्तीकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जैसे उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4669 दिनांक
फरवरी 1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा में लिखा है।

आर० गिरधर,

सम्म० प्राधिकारी,

सहाचक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 23-10-1980

हेर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, भोपाल

निवेश सं० आई० ए० सी०/ग्रंथन/भोपाल/80-81/1752—
अतः मुझे, विजय माथुर,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इलेट पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जो कि देवास पलोर ग्राम्यकरण और डि०
ग्राम्यलड के के फैक्ट्री और नन्द बनस्पति के नाम से जानी जाती है।
तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 20-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षितः—

1. मै० नन्दलाल भन्डारी एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड
कम्पनी 50, बजाज खाना, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. मै० एस० एस० लिमिटेड,
618, मार्शल हाउस, 25, स्ट्रेन्ड रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूलन की
नामीन में 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य स्पष्टित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों शैरें पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जोकि देवास पलोर ग्राम्यकरण और डि०-ग्राम्यलड के के
फैक्ट्री और नन्द बनस्पति और बनी हुई है। खसरानं० 162, 1/।.
163/2, 277/2, 278/2, 281, 289, 290, 297/1, 298/1
और 299 नाप 12.99 एकड़ मौजा गांव शंकरगढ़ तहसील
देवास जिसकी पूरी इमारत शेड, सुपर स्ट्रक्चर मणीनरी प्लान्ट
फरनीचर एन्ड फिटिंग इत्यादि।

विजय माथुर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
ग्रंथन रेंज, भोपाल
तारीख: 22-10-1980
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० १ए०मी०/एक्य०/८०-८१/१७५१—ग्रतः मुझे
विजय माथुर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्रम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13 है तथा जो गुलमोहर कालोनी,
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
26-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० वैभव सहकारी गृह निर्माण मंस्था भर्या०
2 उदयपुरा, इन्दौर ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती कुमुम पत्नि श्री रामलाल
14 छोटा सराफ़, इन्दौर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन में के सम्बन्ध कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में विलबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

के० नं० 1350/1, प्लाट नं० 13 जो गुलमोहर कालोनी,
खजराना, इन्दौर में स्थित है ।

विजय माथुर
सक्रम प्राविकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज, भोपाल

तारीख : 9-10-1980
मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए० सी०क्य०/80-81/1753—

अतः मुझे, विजय माथुर

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बड़वाह इंदौर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-2-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपरि, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री शंकरसिंह सुपुत्र श्री चुन्नी लाललाल राजपूत
निवासी खाती बाल, तहसील बड़वाह।

(अन्तरक)

2. (1) श्री बाबूलाल उर्फ धन्नलाल सुपुत्र श्री पूनमचन्द्र सोनी, बड़वाह।

(2) श्री छोटेलाल सुपुत्र श्री देशाजी जाट, बड़वाह।

(3) श्री गुलाब सिंह सुपुत्र शंकरसिंह राजपूत, बड़वाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 117, सं० नं० 21/32, रकबा 3.93—1.598 हैक्टर, जो बड़वाह में स्थित है।

विजय माथुर
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-10-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्रो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० प्राईंटी ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1743—
अतः मुझे विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-प के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो खजराना में स्थित है (और
इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-2-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिफल अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्त्र में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; योरुंगा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया जाया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरम
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपकारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अधीतः—

1. मैं० वेश्वर सहकारी गृह नियमित संस्था मर्यादित 2,
ऊधापुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शोभना देवी पर्ली श्री सुनील कुमार
5/12, शास्त्री मार्किट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 21, जोकि गुलमोहर खजराना इन्दौर में
स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 6-10-80
मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर, 1980

निदश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1744—

अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, जो खजराना में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 26 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपौतुः—

1. मै० वैभव सहकारी गृह निर्माण संस्था, मर्यादित 2, ऊवापुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश पिता नाथुलाल, जी जैन, 6, बाम्ब बाजार, इन्दौर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इकलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

प्लाट नं० 6, जोकि गुलमोहर खजराना इन्दौर में स्थित है।

तारीख 6-10-1980
मोहर:

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/80-81/1745—
अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो खजराना में
स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-2-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं० वैभव सहकारी गृह नियम संस्था मर्यादित
2. ऊद्धापुरा, इन्दौर।
(अन्तरक)

2. श्रीमति किरन पत्नी श्री दीरेन्द्र सिंह
208, जवाहर मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी अविकार द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 44, जो कि गुलमोहर, खजराना इन्दौर में
स्थित है।

विजय माथुर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 6-10-1980
मोहर:

प्रश्न आई० टी० एन० एम०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नायक, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निम्नें सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1734—
अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रयोग मन्त्रम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर ममति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- सप्ते से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो मिलीनन्द, किंवदं कालोनी,
इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-2-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास नहीं है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे
दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; वार/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, दू०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

313-1531/ 80

1. (1) श्रीमती रसीदा बेगम बेवा एहसान उल्लाह
(2) बली उल्लाह
(3) करीम उल्लाह
(4) इनाम उल्लाह
(5) श्रीमती जकीया पिता एहसान उल्लाह
9 भद्र बाजार, इन्दौर।

(अन्तरक)

1. मुशीला देवी पतित्त शिव नारायण द्वारा श्री गणेशराम
16 किंवदं कम्पाउन्ड, इन्दौर।
- (2) सुन्दर लाल पिता मगन लाल जी-88, नीलकंठ
कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

- (3) (1) श्री विचित्र मिह (2) अजीत सिंह (3)
तारा सिंह (4) जोरो, सिंह (5) रामचन्द्र
(6) संतोष सिंह (7) नंद सिंह
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे,

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट जोकि 17 किंवदं कम्पाउन्ड इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 6-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1708—

अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहपुरा, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-2-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यवायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवस्थितियों, अर्थात्—

1. डा० तारानी प्रशान्त शर्मा पिता स्वर्गीय श्री जी० एल शर्मा, सिविल सर्जन, छिद्रवाड़ा, (म० प्र०) (अन्तरक)

2. आनन्दपुर ट्रस्ट श्री आनन्दपुर तहसील अशोक नगर जिला गुना द्वारा श्री महात्मा बिनार परम आनन्द (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 54 व उस पर निर्मित भवन का भाग स्थित ईन शाहपुरा भोपाल कुल 14404.6 वर्णफिर-1304.186 वर्गमीटर में से 2844.6 वर्गफीट जिस पर 'ई' शब्द लिखा है।

विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-10-1980
मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1709-

प्रतः मुझ विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहपुरा, भोपाल में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कल्याण कुमार शर्मा पिता स्वर्गीय श्री जी० एल० शर्मा
ग्राम इंडिया रेडियो, गोहाटी।

(अन्तरक)

2. ग्रानन्द पुर दृष्ट श्री ग्रानन्दपुर तहसील ग्रामोक नगर,
जिला गुनाहारा श्री महात्मा विजार परम ग्रानन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 54, व उस पर निर्मित भवन का भाग स्थित
ई-1, शाहपुरा, भोपाल कुल 14404. 6 वर्ग फिट- 1304. 186
वर्ग मीटर में से 2880 वर्ग फिट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, भोपाल

भोपाल दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81-1710—

अतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहपुरा, भोपाल में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-2-80
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

1. श्रीमती अलेना बाई पत्नी स्वर्गीय श्री जी० एल० शर्मा
निवासी छिदवाड़ा, द्वारा श्री तारानी प्रसन्ना शर्मा
सिविल सर्जन, छिदवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री आनन्दपुर द्रस्ट श्री आनन्दपुर तहसील अशोक नगर,
जिला गुना, द्वारा श्री महात्मा विचार परम आनन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
मात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्थानोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मनूसी

प्लाट नं० 54 व उस पर निर्मित भवन का भाग स्थित है—
शाहपुरा, भोपाल कुल 14404.6 वर्ग फिट- 1304.186 वर्ग-
मीटर में से 2900 वर्ग फिट जिस पर 'डी' शब्द लिखा है।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 6-10-80

मोहर:

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/8०-८१/१७०६—
अतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहपुरा, भोपाल में स्थित है
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-२-८०
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एम् दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधास्तः:—

1. श्री अशोक कुमार शर्मा पिता स्वर्गीय श्री डा० जी० एल०
शर्मा, होल्कर साइट कालेज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

2. आनन्दपुर ट्रस्ट, श्री आनन्दपुर तहसील अशोक नगर,
जिला गुना, द्वारा श्री महात्मा बिचार परम आनन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के बजेन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रदर्शन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में निर्भावित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

प्लाट नं० 54 व उस पर निर्मित भवन का भाग स्थित
ई-1, शाहपुरा भोपाल कुल 14404.6 वर्ग फिट अर्थात्
1304.186 वर्ग मीटर में से 2880 वर्ग फिट। जिस पर 'ए'
शब्द लिखा है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 6-10-1980

मोहर:

प्रश्नपत्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अन्वेन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1707—

अतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहपुरा भोपाल में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 28-2-80
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई जिसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वचने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौमि उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुबोधकुमार शर्मा पिता स्वर्गीय श्री जी० एल०
शर्मा स्नातक महा विश्वालय, पंडारिया, बिलासपुर।
(अन्तरक)

2. आनन्दपुर द्रष्ट, श्री आनन्दपुर तहसील अशोक नगर,
जिला गुना, द्वारा श्री महात्मा बिचारपरम आनन्द।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों कृता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 54 व उस पर निर्मित भवन का भाग स्थित
शाहपुरा भोपाल कुल 14404.6 वर्गफीट अर्थात् 1304.186
वर्ग मीटर में से 2900 वर्ग फिट जिस पर 'सी' शब्द लिखा
है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-10-1980

मोहर :

प्रूष प्राई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1748-

अतः, मुझे, विजय माथुर,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो 1/5 मनोरमा गंज,
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्का हूँ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
मर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः ग्राम उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डा० बृन्दावन ओहरी, पिता श्री रघुनाथ दास ओहरी
1-ए/5, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश चन्द्र जलानी पिता स्वर्गीय श्री सुरेश चन्द्र
जलानी, द्वारा डा० बृन्दावन ओहरी, पिता श्री रघुनाथ
दास ओहरी 1-ए/5, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

3. इन्डियन फार्मासिप्युटिकल्स
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्यदी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/5, का भाग जोकि मनोरमा गंज, इन्दौर में
स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1477

अतः, मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग तथा जो 1/5 भाग मनोरमा गंज
इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 2-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. डा० बुन्दाबन ओहरी पिता श्री रघुनाथ दास ओहरी,
1-ग/5, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री संजय कुमार तोतला पिता श्री भुजली धर तोतला,
1/5, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

3. इन्डियन फारमस्ट्रिकल्स

मकान नं० 1/5, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोहसाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया दिया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/5 का भाग जो कि मनोरमा गंज इन्दौर
में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 6-10-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निर्देशसं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1749—

अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी सं० मकान एक घ्लाट है तथा जो 3/1, मनोरमा
गंज, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के
अधीन दिनांक 25-2-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिग्रंथ से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमें
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14-316GI/80

1. श्रीमती कमल कुमारी पति स्वर्गीय श्री राजेन्द्र सिंह जी
3/1, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० खंडेलवाल द्रस्टी, मै० मांगी लाल केमिली
द्रस्ट 502, एम० जी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेत के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजेत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3/1 जो कि मनोरमा गंज इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 6-10-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के पर्याम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निदश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1727—

अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भकान है तथा जो अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय भोपाल अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-2-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तथा पाया गय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के पर्याम कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकार्य अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकार्यों, जर्ज़ि:—

1. श्री गणेशदाम पिता श्री राम धन
103, मालवीया नगर, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. श्री ओमप्रकाश तिवारी, पिता रामेश्वर दयाल तिवारी
192, ई-3, अरेरा कालोनी, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें किए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बर्ग में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अप्रिक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अधिक में समाप्त होते हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट फिल्म अथवा अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण —इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जोकि प्लाट नं० 192 ई-3, सेक्टर अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है ।

विजय माथुर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 6-10-80

मोहर :

प्रहृष्ट प्राईंट फ़ी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1750—
अतः मुझे विजय माथुर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० दूसरा व तीसरा मंजला है तथा जो लाडकाना
नगर, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्वरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्वरण में तुझे किसी आय की वावत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-वा० के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री झंगल दास सुपुत्र बोदाराम जी,
55, लाडकाना नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री कन्हैयालाल सुपुत्र बोदाराम जी
55, लाडकाना नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यद्यु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उभा स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोदृश्याकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाडकाना नगर इन्दौर में स्थित प्लाट नं० 55 पर बने
मकान का दूसरा एवं तिसरा मंजिला।

विजय माथुर
सभम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1754—

अतः मुझे विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बड़वाहा में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से अण्ठित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़वाहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-2-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे छचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी जिसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

कृषि भूमि रकमा 2.70 (हेक्टर 1.092) खसरा नं० 117, एस० नं० 21/5 बड़वाहा में स्थित।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अथवा :—

1. श्री शंकर सिंह सुपुत्र चुन्नीलाल राजपूत
R/o खमकी बास्तु ल० बड़वाहा
(अन्तरक)
2. (1) बाबूलाल उर्फ धन्नालाल सुपुत्र पूरनचंद सोनी
(2) छोटेलाल सुपुत्र के साजी जाट
(3) गुलाब सिंह सुपुत्र शंकर सिंह राजपूत
निवासी बड़वाहा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

तारीख : 13-10-1980

मोहर :

प्र० प्र० आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०सी०क्य०/बी०पी०एल०/
80-80/1755—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्षिप्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 7 खसरा नं० 7, सारंगपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय सारंगपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशानुर्भूति संरक्षित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिए तथा गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिशत विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री विनायक राव सुपुत्र बलवन्त राव कुटुम्बले, सारंगपुर।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश नाबालिग सुपुत्र स्व० श्री जगन्नाथ श्री चुन्नीलाल माली कुम्हार हांडी, सारंगपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति पर हिन्दू-बदू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधण :—इनमें प्रमुख जब्दों और पदों जा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 7—2. 456 हेक्टेयर जोकि सारंगपुर आगरा-चाम्बे रोड पर स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट काई० फी० पूँ० एस०-----
आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भास्त संखार

कार्यालय सहायक आयकर श्रावक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०सी०क्य०/बी० पी० एस०/
80-81/1756—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सारंगपुर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सारंगपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अत्तरक (अन्तरक) और मन्त्रिती (अन्तरिती) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिकल लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अत्तरक के धारित्व
में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन्द या अन्य आक्षितयों
को, जिन्हें भारतीय द्वायप्ड्ड अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि बमरा नं० 8, 2. 472 हेक्टर जोकि सारंगपुर,
आगरा बास्के रोड पर स्थित है,

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर श्रावक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

1. श्री विनायक राव सुपुत्र बलवत्त राव
कुटुम्बले, सारंगपुर।

(अन्तरक)

2. श्री उमराव उर्फ उमराव सिंह सुपुत्र चुन्नीलाल माली
कुम्हार हाड़ी, सारंगपुर, जिला शाहपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आसी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी घलेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
कारीगरी से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद से
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्तावरो के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

दिनांक : 13-10-1980

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन केन्द्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ग० 'सी०/ग०सी०क्य०/बी०पी०एल०/
80-81/1757—अतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्रता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने
का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो खसरा नं० 11,
सारंगपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सारंगपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
6 के अधीन दिनांक 2-2-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री विनायक राव सुपुत्र बलवन्त राव
कुदिमिले, सारंगपुर।

(अन्तरक)

2. श्री शिवनारायण सुपुत्र श्री चुन्नीलल माली
कुम्हार हाड़ी, सारंगपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धीय अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-
वित्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृत व्यक्ति के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्तवित हैं,
वही अर्थ हीना जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 11, 2.468 हे क्टेयर जोकि
सारंगपुर, आगरा-बाम्बे रोड पर स्थित है।

विजय माथुर
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

निर्देश सं० प्राई० ए०सी०/ए० सी०क्य०/वी०पी०एल०/
80-81/1758—अतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है); की धारा 269-प
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ए० बी० रोड, देवास में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-2-80
को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम;
के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के वायित्व में कमी करने
या उनमें ज्ञाने में सविष्ठा के निप; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पाया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविष्ठा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरन में,
मैं, रा० । अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् ।—

1. श्रीमती शांतिवाई पति श्री शंकर राव लाट नेकर,
29, कर्मचारी कालोनी, देवास ।

(अन्तरक)

2. श्री कन्हैयालाल भार्गव,
सोल प्रोप्राइटर : मैसर्स श्रेम प्रापर्टीज,
5/2, ग्रोल्ड पलासिया, हंदौरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवात्रियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वादश में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत अवित्यों में से किसी
अवित्य का द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित अवित्य
किए जा सकेंगे ।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 685, 686/1, जोकि आगरा-बोम्बे
रोड, देवास पर स्थित है ।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-10-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०सी०क्य०/भोपाल/80-81/
1759—श्रतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हक्माखेड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-2-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, म्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—
15—316GI/80

1. (1) श्री कन्हैयालाल
 - (2) श्री भागीरथ
 - (3) श्री जयराम
 - (4) श्री जगन्नाथ सुपुत्र नगाजी जाति खाती निवासी ग्राम विजलपुर, इन्दौर।
- (अन्तरक)

2. श्री नवआनन्द गृह निर्माण सहकारी संस्था,
9, शिव विलास पैलेस, इन्दौर
द्वारा श्री शंकर लाल रामगोपाल विल्सोर अध्यक्ष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध रिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 एकड़ कृषि भूमि जो ग्राम हुक्माखेड़ी, (खसरा नं० नग 2) में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-10-80

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी • एन • एस •

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० प्राईंटी ए० सी०/एक्यू०/भोपाल/80-81/1760-
अतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 25 पी है, तथा जो गांव किट्यानी
मंदसौर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंदसौर
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-2-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त के मान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहूंष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) पर्णरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य वास्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन्द-का०
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, उपाने में सुविधा के लिए;

जतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री अलफ खां पुल मदारी खां, जाति मुसलमान,
निवासी नयापुरा मंदसौर।

(अन्तरक)

2. विजय हाउसिंग को-आपरेटिव सोसायटी मर्यादित
मंदसौर द्वारा अध्यक्ष श्री केशरी मल जी मेहता एवं
उपाध्यक्ष श्री बालाराम जी हलेव निवासी मंदसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रत्येक तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि काद
में समाप्त होती हो, के मानर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में रकागत का पारीज से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विवर किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताभरो के पास लिखित में
किए जा मरेंगे।

उपर्योग :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिचालित
हैं, वही पर्ण होता जो उस भाषण में किया
गया है।

अनुसूची

भूमि नम्बर 25 पी, रकबा 2 है० 639 आरी में से
रकबा 490 आरी लगानी 37 पैसे, ग्राम किट्यानी, मन्दसौर।

विजय माथुर
सन्म प्राप्तिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीखा: 13-10-1980
मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/भोपाल/80-81/1761—
श्रतः, मुझे, विजय माथुर
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि नं० 25 है तथा जो गांव किट्यानी,
मन्दसौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मन्दसौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख 13-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

नोट: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, दूसरे अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सैयद अहमद खां पुत्र, अलाउद्दीन, मुसलमान,
मन्दसौर (नया पुरा)।
- (2) श्री अब्दुल हुसैन पुत्र फजल हुसैन जी बोहरा
नया पुरा, निवासी मन्दसौर।

(अन्तरक)

2. विजय हाउसिंग को-आपरेटिव सोसायटी मर्यादित
मन्दसौर द्वारा अध्यक्ष श्री केशरीमल जी मेहता एवं
उपाध्यक्ष श्री बालाराव जी हुसेब, निवासी
मन्दसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कायवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्तमूल्य

भूमि नम्बर, 25-गी०, रक्खा 1 हॉ० 620 ग्रामों में से
रक्खा 490 ग्रामों वाले ग्राम किट्यानी, परगना मन्दसौर।

विजय माथुर
मन्दसौर प्राधिकारी
मन्दसौर ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-10-80
मोहर .

प्रकल्प आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निर्देशमं० आई० ए० सी०/एक्य०/भोपाल/80-81/1762—
अत. मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधोन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि नि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 232 है तथा जो मुख्यतयार गंज में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सतना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधोन दिनांक 26-3-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृढ़ किसी बाय की आवत उक्त
अधिनियम के प्रधोन कर इने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी छन या घाय आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या द्वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रधोननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः ध्वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा (1) के
प्रधोन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. श्री मोहनलाल गयादीन कुशवाहा
सतना ब्रिज के नीचे, मुख्यतयार गंज,
सतना।

(अन्तरक)

2. श्री लिखुवन सिंह रामपती सिंह,
साकिन विजयीपुर, तह० केशकत, जिला जौनपुर।
(अन्तरिती)

3. श्री ब्रिजलाल बाजपई,
जगत कोचिंग बिल्डिंग, मुख्यतयार गंज,
ब्रिज के नीचे, सतना।
(वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के मिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्पोहस्तवाकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गढ़वाली और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधानाय 20-क में
परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 232, जो सतना ब्रिज के नीचे मुख्यतयार
गंज वार्ड नं० 2 में स्थित है।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 13-10-1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/भोपाल/80-81/1763-अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० मकान नं० 725 है, तथा जो राजेन्द्रप्रसाद कालोनी, में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-2-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई लिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसो लिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों से, जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अधीक्षितः—

1. श्रीमती यशोधरा देवी पत्नि श्री राम गोपाल निवासी बक्षी की गोठ, जनकगढ़, लखनऊ, ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राम गोपाल
(2) श्री राम नारायण
(3) श्री बन्सीलाल पुत्र श्री नेतराम शर्मा निवासी ग्राम छपरा, परगना गोहद, जिला भिर्ड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविक्षिय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 725, बांड नं० 21 में स्थित कालोनी राजेन्द्र प्रसाद कालोनी, ग्वालियर।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-10-1980

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा,
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश मं० प्राई० ए० मी /ए४००/भोपाल/ 80-81/1764-
अतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ
के अधीन प्रत्येक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/747 है तथा जो पंडीतराई शान्तिनगर बांड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 2-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भर्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तर पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित चौप्य से उक्त अन्तरण,
निम्नलिखित में वास्तविक कर से बहित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने वे सुविधा के लिए;
धौर्य/या

(ख) ए.ग्रा. किसी धारा या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय
रखा या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यथा, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसर
में, मैं, सहा अधिनियम की घारा 269-घ को उत्तरादा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्ति :—

1. श्री आर० एन० पाठक, सुपुत्र श्री एस० बी० पाठक
मकान नं० 3/747, शान्ति नगर, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एस० साहूकार, सुपुत्र श्री तुलसीराम साहूकार
प्रिसिपल, जी० एच० एस० स्कूल, बलखेड़ा, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के
लिए कार्यवाहियां मुरु करली हैं।

उक्त सम्पत्ति के अधन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रबंध होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3/747, खसरा नं० 162 जो पंडीत तराई,
शान्तिनगर, बांड में प्लाट एरिया 522.8 स्क्वायर मीटर पर
स्थित है।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 13-10-1980

मोहर:

प्रश्न पाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

आदेश सं० राज सहा० आ० अर्जन/—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर संपत्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है जो व्यावर में स्थित है (और इसे
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय व्यावर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-2-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश से उक्त घटनाएँ लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी प्राय जी वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना
चाहिए या, किसाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवधारित:—

सर्व श्री :

1. भंवरलाल, मोहनलाल, सीताराम पुत्रान श्री भीकाजी
एवं जमना देवी पत्नि श्री भीकाजी, मोती पुरा बाड़ीया,
अजमेर रोड, व्यावर।

(अन्तरक)

2. नरेन्द्र कुमार, दिनेश कुमार, राम विलास एवं
सोभाग सिंह निवासी मालियों का मौहल्ला, सूरजपोल,
व्यावर

(अन्तरिती)

को यदि मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कामवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी अवित्यों पर
मूचना को तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी पन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

नयानगर, व्यावर में स्थित 4 बीघा 8 बिस्वा कृषि भूमि जो
उप पंजियक, व्यावर द्वारा ऋम संख्या 342 दिनांक 14-2-80
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 15-10-80
मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

प्रादेश संख्या राज०/सह० आ० अर्जन/—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो व्यावर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय व्यावर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रमुखरूप
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याप्तः—

1. श्री गोविन्दराम मंगलदाम महाराज निवासी
व्यावर।
(अन्तरक)

2. श्री भंवरलाल पुत्र धीसूलाल अग्रवाल, नयानगर,
व्यावर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीबन्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

ग्राम नरसिंहपुरा, व्यावर में स्थित 16 बीघा 2 बिस्ता
कृषि भूमि जो उप पंजियक, व्यावर द्वारा क्रम संख्या 255,
दिनांक 2-2-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 15-10-1980
मोहर :

प्रस्तुप आइ० टो० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-ग (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक १५ अक्टूबर, १९८०

आदेश सं० राज०/सहा० आर्जन/—यसः मुझे,

एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शहरी भूमि है तथा जो अलवर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अलवर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन दिनांक २८-२-१९८०

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

१. श्री नन्द सिंह पुत्र श्री बाल सिंह, लादिया, मोहल्ला, अलवर।

(अन्तरक)

२. सवश्री : ब्रह्मानन्द, माल सिंह, भोती लाल, जुगगल किशोर, इन्द्रा कालोनी, अलवर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ दृष्टगत जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

२२६६ वर्ग गज शहरी भूमि, जुवाली भवन के पास, रेलवे ऋमिंग, अलवर जो उप पंजियक, अलवर द्वारा क्रम संख्या ८५/४, दिनांक २८ फरवरी, १९८० पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणि त है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

{ अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : १५-१०-१९८०

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

आदेश सं० राज०/सह० आ० अर्जन/—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर गंपति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फैक्टरी है तथा जो नीम का थाना में स्थित है,
(और इसमें उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नीम का थाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-2-80
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ऊपरा ग्रीष्मावर से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरिरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
क्षी अरने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ग) हूँ इन किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
ने, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
उत्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पायोजनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया गया
या इन मिला जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा
ने दिए;

उन अव, उक्त अधिनियम, की धारा 691-ग के अनुसरण
में, दूँ युना अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
ये दूँ युना अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

1. मोदी मिनरल ग्राइन्डिंग मिल्स (प्राइवेट) लिमिटेड,
नीम का थाना, जिला सीकर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दास एण्ड कम्पनी
नीम का थाना, जिला सीकर।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मोदी मिनरल ग्राइन्डिंग मिल्स (प्राइवेट) लिमिटेड के
नाम से जानी जाने वाली फैक्टरी बिल्डिंग जो नीम का थाना
जिला सीकर में स्थित है और उपपंजियक, नीम का थाना जिला
सीकर इवारा पंजिवद्व विश्वास पत्र संख्या 323, दिनांक 22-2-80
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-10-80
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

आदेश सं० राज०/सहा०आ० ग्रजन—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी म० शहरी भूमि है तथा जो अलवर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 27-2-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद 'उक्त अधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्द सिंह पुत्र श्री बाल सिंह, लोदिया, जोहला,

अलवर।

(अन्तरक)

2. सर्वेश्वी : ग्रहानन्द, मन सिंह, मोर्ता नान, जुगल किशोर, इन्द्रा कालोनी, अलवर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यावहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर इस स्थावर सम्पत्ति ने हितभूत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जवाली भवन के पास, रेलवे कार्यालय, जाली ने दिनांक 6444 वर्ग गज शहरी भूमि जो उत्तर पंजियान, अलवर २०८८ क्रम संख्या ८०/४, दिनांक 27-2-80 पर पंजियद्वय दिक्षिय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० दीप्ति

सदाच ग्रोधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-10-80

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० आर-151/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्वाच 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष(1) के अधीन मम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 399 है, तथा जो सिविल लाइन्स, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 21-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पान्द्रहरु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर या या अनिक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से रुचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन भर देने के अन्तरक के वायित्र में कहो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी निम्नी आय या निम्नी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष को उपचारा (1) के अधीनन्नलिखित अधिकारी, अर्दतः:—

1. (1) श्री अरविन्द कुमार गुप्ता व
(2) श्री विपिन कुमार गुप्ता पुत्रगण श्री प्रमोद कुमार गुप्ता।
(अन्तरक)

2. श्री राम चन्द्र सहगल पुत्र स्व० श्याम बिहारी सहगल (अन्तरिती)
3. उपरोक्त क्रेता
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितयों में से किसी अविक्षित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृतवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता भूमि तिकोनिया प्लाट नं० 399 में से एक किता आराजी भूमि का प्लाट लाइन्स, शान्ति नगर, मुरादाबाद एवं वह तभाम सम्पत्ति, जो फार्म 37-जी, संख्या 130/80 और सेल डीड में वर्णित है, जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 21-2-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 21-10-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निंदण सं० के-94/अर्जन—ग्रत. मुझे, अमर सिंह ब्रिसेन अग्रकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-58/9-ए, है तथा जो मो० कब्र आशिक-मासूक मोजा रामापुर बाराणसी, मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देवे के बन्दरवाह के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः, यथ, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1 श्रीमती किरन आगा,

(अन्तरक)

सर्व श्री :

2 कृष्ण प्रताप सिंह, राना प्रताप मिह, राना प्रताप सिंह, मुरेन्द्र प्रताप सिंह, गौतम, परिवार इस्ट, द्वारा संजय बहादुर सिंह नीरज कुमार सिंह ।

(अन्तरिती)

3 दौलिप मुखर्जी,

पो० गिलदयाल तेजबहादुर ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन त निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क मे वथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अनुसूची

एक किना मकानमय जमीन नं० डी-58/9-ए, पैमाइशी 3107.25 वर्ग मीटर जो मोहल्ला कब्रआशिक माशूक सिंगरा मोजा रामापुर परगना देहात अमानत बाराणसी मे स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण मेलडीड एवं फार्म 37-जो संख्या 1325/80 मे वर्णित है, जोकि सब रजिस्ट्रार कार्यालय बाराणसी के यहां दिनांक 20-2-1980 को दर्ज है ।

अमर सिंह ब्रिसेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 23-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निदेश सं० एल० सी० 421/80-81/—206 यतः मुझे,
बी० आर० नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विप्रवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार तथा जो इसिंगपुरम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टप्पडि में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
12-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विप्रवास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० चिन्नुवम्मा, पी० कल्यामियम्मा, और पी०
गोपालकृष्णन

(अन्तरक)

2. श्रीमती मालति अम्मा

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रबन्ध में ऊर्ध्व भी आवेदन:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में त्रासांत की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
ले जानी ते से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किए
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उक्त प्रधायाय में दिया गया है।

13 5/8 cents of land with a building as per schedule
attached to Doc. No. 113/80 dated 12-2-80.

बी० आर० नायर

सक्ष प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-9-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम, कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 4 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० एल० मी० 424/80-81—यतः मुझे वी०
वी० मोहन लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अरनाटुकग
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
7-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरिक की गई है प्रौर पूजे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथारूपीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
पर्याप्त है और प्रन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के द्वारा ऐसे प्रस्तारण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तारण जिखित में वास्तविक रूप से रुक्षित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई इसी आय की बावन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उत्तर्वे वर्ते में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी जिसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाया आदित्य, छिपाने में सुविधा के लिए;

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० वी० फान्सीस,

(अन्तरक)

2. श्री के० पी० डबीज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख : 4-10-1980
मोहर :

प्रस्तुति दोषों पर—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम
कोचीन-15, दिनांक 4 अक्टूबर, 1980

निदेश सं. एन. सी. 424/80-81—यतः मुझे वी. बी. मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो अरनाटुकरा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उस हृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

6.8 cents of land with building in Sy. No. 143/1, 2 and 1027 of Aranathukara Village.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्व अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वी. बी. मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एन. पी. डीस
(अन्तरक)
2. श्रीमती टी. के. सिसिली
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अचेहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राचीन वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

दिनांक: 4-10-1980
मोहर:

प्रकाश प्राई० टो० एव० एस०--

1. श्री एम० पी० मेनोन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एल० राधालक्ष्मी

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निदेश सं० एल० सी० 426/80-81—यतः मुझे वी०
मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी नो, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 12-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के तृप्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशाल (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्तः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियों द्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वादेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित से लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्बों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, कहीं पर्याय होता जो उस अध्याय में दिक्ता
गया है।

अनुसूची

4.945 cents of land with building in Sy. No. 523 & 2237 of
Karithala Desam, Ernakulam Village.

वी० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 4-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एनो एसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निरेश सं० एल० सी० 427/80-81—यतः मुझे, बी०
मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो ट्रिल्यूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चेलाकरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरन (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्मनिक्रिया उद्देश्य पर उक्ता अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यकता अन्तरितम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. श्री लूयीस

(मन्तरक)

2. श्री के० सी० ईप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताश्रमी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19.1 cents of land with building in Sy. No. 406/1 of Ollen Village.

बी० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 4-10-1980

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
New Delhi-110011, the 9th October 1980

No. A-19014/11/80-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Sharadamba Rao, formerly Reader in the National Council of Educational Research and Training, New Delhi, as Deputy Secretary in the Office of the Union Public Service Commission, on deputation, for a period of two years with effect from the forenoon of 26th September 1980, or until further orders, whichever is earlier, under proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.

for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 30th September 1980

No. 32013/3/80-Admn.I(i).—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad-hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

| S. No. | Name | Period |
|-------------------------------------|---|--------|
| S/Shri | | |
| 1. D. P. Roy Section Officer | From 10-5-80 to 30-6-80 and from 2-7-80 to 1-10-80 | |
| 2. T. M. Kokel Private Secretary | From 27-3-80 to 26-6-80 and from 28-6-80 to 31-7-80 | |
| 3. M. S. Chhabra Section Officer | From 2-7-80 to 31-7-80 | |

No. A. 32013/3/80-Admn. I (ii)—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on adhoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until futher orders, whichever is earlier:

| S. No. | Name | Period |
|---|-------------------------|--------|
| S/Shri | | |
| 1. M. P. Jain Private Secretary | From 28-5-80 to 31-7-80 | |
| 2. A. Gopalakrishnan Private Secretary (Officiating as Desk Officer) | From 28-5-80 to 31-7-80 | |
| 3. G.P. Saxena Section Officer [Officiating as Section Officer (Special)] | From 28-5-80 to 25-7-80 | |
| 4. J.S. Sawhney Section Officer [Officiating as Section (Officer (Special))] | From 28-5-80 to 7-7-80 | |
| 5. R.N. Sharma Section Officer | From 1-6-80 to 3-7-80 | |

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110022, the 13th October 1980

No. P.VII-2/79-Estt.—S/Shri Gian Chand Sharma and V. S. Yadav, office Superintendents of the CRPF are promoted

to the grade of Section Officers on regular basis in the Directorate General, CRPF w.e.f. 8th July 1980 (FN) and 8th September 1980 (FN) respectively.

The 15th October 1980

No. O.II-1482/80-ESTT.—The President is pleased to appoint the following as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from dates noted against each subject to their being medically fit :—

1. Dr. (Mrs.) Such Gupta 30-8-1980 (FN).
2. Dr. Sree Kanta Swamy 8-9-80 (FN).

A. K. SURI
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 10th October 1980

No. E-16014(6)/1/79-PERS.—On transfer on deputation Shri H. S. Randhawa assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda w.e.f. the forenoon of the 11th July 1980.

No. E-38013(3)/8/80-PERS.—On transfer from Jaduguda Shri O. P. Sharma assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, NFL Panipat w.e.f. the forenoon of 20th September 1980 vice Shri S. C. Laul who on transfer to New Delhi relinquished charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Cochin Shri K. L. Luke relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, VPT Visag w.e.f. the afternoon of 22nd July 1980.

2. This issues in supersession of Notification issued vide even number dated 7th September 1980.

The 14th October 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Panipat Shri S. C. Laul, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, (Intelligence), CISF HQrs, New Delhi w.e.f. the forenoon of 1st October 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer to Talcher Shri M. A. Jabbar relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, HEC Ranchi w.e.f. the afternoon of 11th September 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Ranchi Shri M. A. Jabbar assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, FCI Talcher w.e.f. the forenoon of 22nd September 1980 vice Shri T. K. Banerjee, Asstt. Comdt who on transfer to Vishakhapatnam relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Panna Shri P. P. Sahajpal assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, A.S.P. Durgapur w.e.f. the forenoon of 23rd September 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PFRS.—On transfer from Durgapur Shri S. N. Singh assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, UCIL Jaduguda w.e.f. the forenoon of 8th September 1980 vice Shri O. P. Sharma, Asstt. Comdt. who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(2)/1/80-Pers.—On transfer from Rourkela Shri V. Krishnappa assumed the charge of the post of CISF Unit, VPT Visakhapatnam w.e.f. the forenoon of 19th September 1980.

Cd/
Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 15th October 1980

No. 7/10/79 Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 14th December 1979, and on the

recommendation of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the under-mentioned officers to the post of Assistant Director (Data Processing) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, in substantive capacity, with effect from the 3rd December 1977 :—

S. No. and Name of the Officer

1. Shri S. N. Chaturvedi.
2. Shri Himakar.
3. Shri H. R. Ghulyani.

No. 11/37/80 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Gill, Investigator, in the Office of the Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the afternoon of the 25th September 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Gill will be at Chandigarh.

3. The abovementioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Gill any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The abovementioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 8th November 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 increased by five points to reach 402 (Four hundred and two) during the month of September, 1980. Converted to base2: 1949=100 the index for the month of September, 1980 works out to 489 (Four hundred and eighty-nine).

A. S. BHARDWAJ, Jr. Dir.
Labour Bureau,

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 17th October 1980

No. 1378/A.—In continuation of Notification No. 1280/A, dated 4th October 1980, the *ad hoc* appointments of S/Shri A. S. Palkar and G. Narayansamy as Dy. Control Officer, India Security Press, Nasik Road will be treated as regular with effect from 9th October 1980.

No. 1379/A.—The undersigned hereby appoints Shri G. T. Chaure, Inspector Control (Class-III non-Gazetted), India Security Press, Nasik Road, to officiate as Dy. Control Officer (Class II Gazetted) in India Security Press, in the revised scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on regular basis against the shadow post of Control Officer, I.S.P. newly created vide GIMS letter No. F.5(29)/80-Cy(I), dated 31st July 1980, with effect from the forenoon of 9th October 1980.

P. S. SHIVARAM
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 12th October 1980

No. BNP/C/43/80.—Shri K. M. Saksena, Junior Accounts-Officer of the Office of the Chief Controller of Accounts, C.B.E.C., New Delhi, is appointed on deputation as Administrative Officer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 28th September 1980 (FN) to 22nd September 1981.

M. V. CHAR
Dy. General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

MAHARASHTRA-I

Bombay-20, the 3rd October 1980

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C1(1)/10.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri S. N. Petty, Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 30th May 1980 FN, until further orders.

The notification issued under this office No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C1(1)/3, dated 27th June 1980 may be treated as cancelled.

S. R. MUKHERJEE
Sr. Dy. Accountant General/M

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 21st October 1980

No. 3095/A.Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defenco Services, is pleased to appoint Shri C N Jayaraman, Substantive member of Sub-ordinate Accounts Service, to officiate as Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Patna, with effect from 22nd September 1980 (FN), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK
Joint Director of Audit, DS

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 30th September 1980

No. 65/G/80.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. GM(SG)/Level-I/DDGOF-Level-I with effect from the date shown against them, until further orders:—

- | | |
|--|--|
| (1) Shri C.S. Gourishankaran, Offg. GM (SG) / Level-II. | 30th August, 1980 |
| (2) Shri G N. Ramaseshan, Offg. GM (SG) / Level-II. | 30th August, 1980 |
| (3) Shri J. C. Marwah, Offg. GM (SG) / Level-II. | 30th August, 1980 (Under 'Next Below Rule') |
| (4) Shri R K. Chellam, Offg. DDGOF/Level-II. | 30th August, 1980 |
| (5) Shri V.V. Karmarkar, Offg. DDGOF/Level-II. | 30th August, 1980 |
| (6) Shri K. Narayan, Offg. GM (SG)/Level-II | 30th August, 1980 |

No. 66/G/80.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. Dy. Manager/DADGOF with effect from the date shown against them, until further order:—

| | |
|--|------------------|
| (1) Shri P. M. Sen, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980 |
| (2) Shri B. L. Sharma, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980 |
| (3) Shri Sukumar Ghosh, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980 |
| (4) Shri S. K. Banerjee, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980 |
| (5) Shri V. S. Chandramouli, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980 |
| (6) Shri R. Vasudevan, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980 |
| (7) Shri P. N. Subramaniam, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980 |
| (8) Shri A.R. Das, Offg. TSO. | 14th Aug., 1980 |
| (9) Shri T. A. V. R. Nambissan, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980 |
| (10) Shri R. N. Upadhyay, Offg. T.S.O. | 14th Aug., 1980 |
| (11) Shri S. K. Pal, Offg. A.M. | 14th Aug., 1980. |

No. 67/G/80.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Asstt. Manager/TSO with effect from the date shown against them, until further orders:—

| | |
|---|----------------|
| (1) Shri B. S. Gosavi, Pt. Foreman | 1st May, 1980 |
| (2) Shri C. L. Dhar, Pt. Foreman | 1st May, 1980 |
| (3) Shri. A. K. Samaddar, Pt. Foreman | 1st May, 1980 |
| (4) Shri S. N. Roy, Pt. Foreman | 1st May, 1980 |
| (5) Shri K. Ghosh, Pt. Foreman | 1st May, 1980. |
| (6) Shri S. S. Murthy, Pt. Foreman | 1st May, 1980 |
| (7) Shri T. C. Sengupta, Pt. Foreman | 1st May, 1980 |
| (8) Shri B. Vaidyanathan, Pt. Foreman | 1st May, 1980 |
| (9) Shri E. S. Nilakantan, Offg. Foreman | 1st May, 1980 |
| (10) Shri O. D. Mishra, Offg. Foreman | 1st May, 1980 |
| (11) Shri A. V. Vishwanathan, Offg. Foreman | 1st May 1980 |
| (12) Shri N. C. Sarkar, Offg. Foreman | 21st May, 1980 |
| (13) Shri N. C. Ghosh, Offg. Foreman | 2nd May, 1980 |

CORRIGENDUM

No. 68/G/80.—Entries at Serial No. 3 of this office Gazette Notification No. 3/G/80, dated 7-2-80 both in English and Hindi-Version published under No. 381/A/G, dated 7/11-2-80 may please be substituted as under:—

Shri S. R. Agarwal, AM (Prob) 23rd October 1979 (under "Next Below Rule").

The 14th October 1980

No. 69/80/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Asstt. Manager (Prob) with effect from the dates shown against them:—

1. Shri K. SETHURAM 21-12-79.
2. Shri P. S. AMBIKAPATHY 23-6-80.
3. Shri Mahesh CHANDRA 7-8-80.
4. Shri D. K. SRIVASTAVA 5-12-79.
5. Shri T. V. RAO 19-6-80.
6. Shri Apurba GUHA 9-6-80.

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 9th October 1980

PROMOTION

No. 24/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Dilip Kumar Mitra, Permanent Assistant, as Assistant Staff Officer, on *ad-hoc* basis, against an overall vacancy of T.S.O. from 20th August 1980 until further orders.

Shri Mitra assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 17th September 1980 (F.N.).

The 14th October 1980

CORRIGENDUM

No. 23/80/A/E-1(NG).—This office Gazette Notification No. 9/80/A/E-1(NG)/80, dated 16th May 1980 regarding ex-post-facto approval to the appointment of Superintendents as Assistant Staff Officers (Group 'B') Gazetted on *ad hoc* basis is amended as under:—

Against Sl. No. 64 Shri Nirmal Chandra Das under column 'From'

For : 15-12-69

Read : 17-12-69.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 10th October 1980

No. 18(1)/77/CLB.II.—In exercise of the Powers conferred on me by clause 11 of the Textile (Production by Powerlooms) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)67-CLB.II/B, dated the 13th January 1972, namely:—

In the Table appended to the said Notification, against S. No. 22(ii) the existing entries under columns 2, 3 and 4 shall be substituted by the following, namely:—

"22(ii) Director, Sericulture and Weaving Assam Shillong, 6, 6B, 6C, 7A, 8, 8A (outside Co-operative sector)".

No. CLBI/1/6-G/80.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLBI/1/6-G/71, dated the 13th January 1972, viz.

In the Table appended to the said Notifications, against S. No. 22, for the existing entries under columns 2, 3 and 4, the following shall be substituted, namely:—

"22(ii) Director, Sericulture Ass. m 12(6), 12(6A),
and Weaving, Shillong 12(7A), 12(7AA),
12C and 12E for
outside Co-operative
sector).

(iii) Secretary, Sericulture Assam 12(7A) & 12 (7AA),
and Weaving, Department

M. MADURAI NAYAGAM
Additional Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 14th October 1980

No. A-1/42 (42) —The President is pleased to appoint the following officers of the Directorate General of Supplies & Disposals substantively in the permanent post with effect from the dates mentioned against each —

| S. No. | Name of the officer | Officiating post held at present. | Post in which confirmed | Date of confirmation as Director | Remarks |
|-------------------------|--|--|---|---|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| S/Shri | | | | | |
| 1. B. L. Sharma . . . | Director (Grade I of the Indian Supply Service, Class I) (Group 'A'), DGS&D, New Delhi. | Director (Grade I of Indian Supply Service Class I) (Group 'A') | 15-3-78 | vice Shri S. C. Agrawal, permanent Director confirmed as DDG w.e.f. 1-12-75 | |
| 2. K K Nag . . . | Director (Grade I of the Indian Supply Service Class I) (Group 'A') DS&D, Calcutta | Do. | 15-3-78 | vice Shri P. K. Chatterjee, Permanent Director retired from Govt. service on 31-12-76 (AN). | |
| 3. A. S. N. Murty . . . | Director (Grade I of Indian Supply Service, Class I) (Group 'A') DGS&D, New Delhi | Do. | 15-3-78 | vice Shri P. C. Mathur, Permanent Director retired from Govt. service on 28-2-78. | |
| 4. M. Singh . . . | Director (Retired) (Grade I of Indian Supply Service, Class I) (Group 'A') DGS & D, New Delhi. | Do. | 1-10-78 (retired from service on 31-1-80) | vice Shri B. R. R. Iyengar, Permanent Director confirmed as DDG. | |
| 5 V. Nagaraja . . . | Director (Grade I of the Indian Supply Service, Class I) (Group 'A') DGS&D, New Delhi | Director (Grade I of the Indian Supply Service, Class I) (Group 'A') | 1-11-78 | vice Shri P. P. Kapoor Permanent Director, retired from Govt. service on 31-9-78. | |
| 6. R. N. D s . . . | Director (Grade I of the Indian Supply Service, Class I) (Group 'A') DGS&D, New Delhi. | Do. | 27-3-80 | vice Shri J. C. Bhandari, Permanent Director confirmed as DDG. | |

The 15th October 1980

No. A-1/1(1163).—On the recommendation of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri G. S. Chaturvedi, as Deputy Director (Sales Tax) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi w.e.f the afternoon of 1st October 1980

The appointment of Shri Chaturvedi is temporary and he will be on probation for a period of two years w.e.f 1st October 1980 (AN)

K. KISHORE
By Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 15th October 1980

No. 8148B/A-19012(3-DSR)/80-19B—Shri D. S. Rao, Senior Technical Assistant (Chem), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th July 1980, until further orders.

The 16th October 1980

No. 6341N/A-19012(3-YSS)/80-19B—Shri Y. S. Sastry, Senior Technical Assistant (Chem), G.S.I. is appointed on promotion as Assistant Chemist in the G.S.I. on pay accord-

ing to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14th July 1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th October 1980

No. A19011(39)/79-Estt A—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri G. S. Kumar, Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 19th September 1980, until further orders.

No. A.19012(131)/80-Estt A—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. J. Tahalramani, officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing) of Indian Bureau of Mines is promoted as Assistant Research Officer (Ore Dressing) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th August 1980

No. A.19012(132)/80 Estt.A—Shri P. D. Gangane, Officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing) of Indian Bureau of Mines is promoted as Assistant Research Officer (Ore Dressing) on ad hoc basis for a period of three months with effect from the forenoon of 30th August 1980

S. V. ALI
Head of Office

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 13th October 1980

No. 4(38)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. Manaobi Singh as Programme Executive, All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from 23rd August 1980 and until further orders.

No. 4(80)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rati Ranjan Mishra as Programme Executive, All India Radio, Jeypore, in a temporary capacity with effect from 28th August 1980 and until further orders.

No. 4(89)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Sailothanga Sailo as Programme Executive, All India Radio, Aizawl in a temporary capacity with effect from 29th August 1980 and until further orders.

No. 4(95)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Praduman Singh as Programme Executive, All India Radio, Jammu in a temporary capacity with effect from 10th September 1980 and until further orders.

No. 4(81)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. S. Sawai as Programme Executive, All India Radio, Aurangabad in a temporary capacity with effect from 28th August 1980 and until further orders.

The 16th October 1980

No. 4(19)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Pramila Rao as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from 28th August 1980 and until further orders.

No. 4(20)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Shashank Singh Adarsh as Programme Executive, All India Radio, Jagdalpur in a temporary capacity with effect from 27th September 1980 and until further orders.

No. 4(25)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. V. Kapil as Programme Executive, All India Radio, Chandigarh in a temporary capacity with effect from 17-9-80 and until further orders.

No. 4(36)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Prem Chand Pahawa as Programme Executive, All India Radio, Simla in a temporary capacity with effect from 8-9-80 and until further orders.

No. 4(56)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. S. Chauhan as Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 8-9-80 and until further orders.

No. 4(57)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri U. P. Parmar as Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 30-8-80 and until further orders.

No. 4(79)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. S. Shivananda as Programme Executive, All India Radio, Mangalore in a temporary capacity with effect from 27-8-80 and until further orders.

No. 4(80)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. C. Ingale as Programme Executive, All India Radio, Jalgaon in a temporary capacity with effect from 1-9-80 and until further orders.

The 21st October 1980

No. 4(32)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri L. D. Mandloi as Programme Executive, All India Radio, Raipur in a temporary capacity with effect from 30-8-80 and until further orders.

No. 4(60)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. Mehanathan as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 11-9-80 and until further orders.

No. 4(85)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri H. T. Kakwani as Programme

Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 27-9-80 and until further orders.

H. C. JAYAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 14th October 1980

No. 3/39/64-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. R. Paul, Head Clerk, Doordarshan Kendra, Calcutta to officiate on *ad hoc* basis as Administrative Officer, All India Radio, Kurseong with effect from 29-9-80 (FN).

S. V. SESADRI,
Deputy Director of Administration
for Director General

(Civil Construction Wing)

New Delhi, the 16th October 1980

No. A. 12011/2/80-CWI—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following persons on promotion as Asstt. Engineers/Asstt. Surveyor of Works (Civil/Elect.) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- at places and with effect from the dates shown against each:—

| Sl. No. | Name & Designation | Place of posting | Date from which appointed |
|-------------------------------|--------------------------|------------------|---------------------------|
| S/Shri | | | |
| 1. K. Velukutty, AE(C) | Jalgaon (Bombay Dvn) | 31-7-80 (FN) | |
| 2. V. Ramachandran, AE (C) | Gauhati (Gauhati Dvn) | 13-9-80 (AN) | |
| 3. D. P. Mandal, AE (C) | Almorah (Luk. Dvn) | 29-8-80 (FN) | |
| 4. A. K. Chakraborty, ASW (C) | Calcutta (Circle Office) | 30-7-80 (FN) | |
| 5. A. K. Khan, AE(C) | Siliguri (Cal . Dvn) | 30-7-80 (FN) | |
| 6. A. P. Diwakaran, AE(C) | Srinagar (Delhi Dvn) | 23-8-80 (AN) | |
| 7. K. P. Sankaran AE(C) | Aizawl (Gauhati Dvn) | 15-9-80 (FN) | |
| 8. S. N. Bhattacharya, AE (E) | Bombay Sub Dvn | 3-9-80 (AN) | |
| 9. S. N. Mandal, AE(E) | Calcutta Sub Dvn | 30-7-80 (FN) | |
| 10. A. J. S. Uppal, AE(E) | Gauhati Sub Dvn | 14-8-80 (AN) | |

Their appointment is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No.2A-3204/1/80 CWI dt. 25-8-1980 already issued to them.

S. RAMASWAMY
Engineer Officer to Addl. CE (C)
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 15th October 1980

No. A-12020/3/79-SII.—The following officers of the office of the Controller General of Accounts, Ministry of Finance, Department of Expenditure, New Delhi, are appointed on deputation basis as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-1200 in the office indicated against them with effect from the dates mentioned against each for a period of two years:—

| Sl. No. | Name | Date of joining | Office |
|---------|---------------|-----------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Shri Ram Babu | 14-7-80 (FN) | Office of the Controller of Sales, Doordarshan, New Delhi. |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----------------------|-------------|--|---|
| 2. Shri A. L. Syngol | 1-8-80 (FN) | Office of the Station Engineer, Central Purchase & Stores, Doordarshan, New Delhi. | |

The pay and allowance of the above officers will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance (Dept. of Expenditure) O.M. No. 10(24) E-3/600 dated 4th May, 1961 as amended from time to time.

C. L. ARYA
Dy. Director of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 14th October 1980

No. A. 38012/2/80-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri S. K. Ghosh as Assistant Production Manager (Printed Publicity) in a temporary capacity on *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of 8th October, 1980, until further orders.

J. R. LIKHI,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th October 1980

No. A.12025/2/80(AI IHPH)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Arunabha Majumdar to the post of Assistant Professor of Sanitary Engineering (Design) at the All-India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of the 19th September, 1980, on temporary basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director of Administration (O&M)

New Delhi, the 16th October 1980

No. A.32015/1/80-SL.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Ram Parshad Soni in the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Karnal on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 15th September 1980, and until further orders.

The 21st October 1980

No. A.32013/1/79-SI.—The President is pleased to appoint Shri Sohan Lall in the post of Depot Manager, Government Medical Store Depot, Karnal in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 5th September, 1980 and until further orders.

SHIV DAYAL
Deputy Director of Administration (Stores)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 14th October 1980

No. A. 19027/2/80-A-III.—Shri D. P. Bandooni, Hindi Translator, is appointed to officiate as Hindi Officer in this Directorate at Faridabad with effect from 26-9-1980 (forenoon) on purely short-term & *ad hoc* basis upto 28-2-1981

or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 4th October 1980

No. PPED/4(787)/79-Adm.—Consequent of his resignation having been accepted by the Director, Power Projects Engineering Division, Shri N. P. Pillai, a Quasi Permanent Scientific Assistant 'B' and Officiating Scientific Officer Engineer Grade 'SB' relinquished charge of his post in the Power Projects Engineering Division on the afternoon of September 26, 1980.

S. G. NAIR
Chief Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 14th October 1980

No. NAPP/Adm/1(177)/80-S/14066.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri L. C. Chaudhary a permanent Draftsman 'B' in Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 5, 1980 until further orders.

A. D. BHATIA
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400-001, the 25th September 1980

No. DPS/2/1(5)/77-Adm./16516.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri S. R. Vaidya, Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810—EB—35-880-40-1000—EB—40-1200/- on an *ad hoc* basis in the same Directorate with effect from April 21, 1980 (FN) to June 7, 1980 (AN) vice Shri M. K. John Asstt. Stores Officer granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN
Assistant Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 16th August 1980

ORDER

Ref. No. NFC/PA. V/2606/0302/1674.—1. WHEREAS Shri Yousef Ali Khan, while functioning as Scientific Assistant 'A', MFP, did not report for duty on expiry of leave sanctioned to him from 2-4-80 to 28-4-80 with permission to suffix 29-4-80, 30-4-80 and 1-5-80, but instead sent a letter dt. 30-4-80 requesting for extension of leave by about 15 days;

2. AND WHEREAS a telegram was sent by NFC Administration to Shri Yousef Ali Khan on 17-5-80 asking him to report for duty immediately and the post copy of the telegram bearing Ref. PA. IV/Y-9/EES/1248 dt. 17-5-80 sent by registered post (acknowledgement due) to H. No. 19-3-616, Gazi Banda, Hyderabad-500253, was returned undelivered by postal authorities with remarks "party out of station".

3. AND WHEREAS Shri Yousef Ali Khan sent one more letter dt. 13-5-80 from Vijayawada asking for extension of leave by one more month;

4. AND WHEREAS one more telegram was sent by NFC Administration to Shri Yousuf Ali Khan on 22-5-80 informing him that extension was not granted and asking him to report for duty immediately;

5. AND WHEREAS the post copy of the said telegram dt. 22-5-80 bearing Ref. PA. IV/Y-9/EES/1297 dt. 22-5-80 sent by registered post (acknowledgement due) to H. No. 42-2-14, Ajit Singh Nagar, Block No. 39, Vijayawada-15, was returned undelivered by postal authorities with remarks "no such addressee in block No. 39; hence returned to the sender";

6. AND WHEREAS Shri Yousuf Ali Khan did not report to duty in spite of above written instructions from Administration;

7. AND WHEREAS the Disciplinary Authority proposed to hold an inquiry against Shri Yousuf Ali Khan under rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 and a charge-sheet vide Memorandum No. NFC/PA. V/2606/0302/1487 dt. 24-7-80 was sent by registered post with acknowledgement due to H. No. 19-3-616, Gazi Banda, Hyderabad-500253 and H. No. 42-2-14, Ajit Singh Nagar, Block No. 39, Vijayawada-15;

8. AND WHEREAS the copies of the said memorandum No. NFC/PA. V/2606/0302/1487 dt. 24-7-80 addressed to H. No. 19-3-616, Gazibanda, Hyderabad-500253, and H. No. 42-2-14, Ajit Singh Nagar, Block No. 39, Vijayawada-15 (A.P.) were returned undelivered by postal authorities with the remarks "party out of India" and "the addressee not known" respectively;

9. AND WHEREAS the said Shri Yousuf Ali Khan continued to remain absent and failed to inform the Nuclear Fuel Complex of his whereabouts;

10. AND WHEREAS the said Shri Yousuf Ali Khan had been guilty of voluntary abandoning service;

11. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping Nuclear Fuel Complex informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965;

12. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under DAE Order No. 22(1)/68-Adm-II dated 7-7-79 and/or under Rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Yousuf Ali Khan, Scientific Assistant 'A', Maint. (F), from services with immediate effect.

Sd./- N. KONDAL RAO
Chief Executive

1. Shri Yousuf Ali Khan
H. No. 19-3-616,
Gazi Banda,
Hyderabad-500253.
2. Shri Yousuf Ali Khan
H. No. 42-2-14,
Ajit Singh Nagar,
Block No. 39,
Vijayawada-15, A.P.

Hyderabad, the 27th August 1980

No. NFC/PAR/0704/5720.—In continuation of this Office Notification No. NFC/PAR/0704/5335 dated August 2, 1980, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri P. Raja Gopalan, an industrial temporary Selection Grade Clerk to officiate as Asstt. Personnel Officer, on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex from 11-8-1980, until further orders.

P. S. R. MURTY
Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 7th October 1980

No. MAPP/31(1266)/75-IE.—WHEREAS an Enquiry under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification 18—316GT/80

Control & Appeal) Rules, 1965 is ordered against Shri K. V. Mani, a temporary Tradesman (A) in the Madras Atomic Power Project;

AND WHEREAS the undersigned has been appointed as the Inquiring Authority by the Chief Project Engineer, Madras Atomic Power Project in exercise of the powers conferred on him by Sub Rule 2 of the said Central Civil Services (Classification Control & Appeal) Rules;

AND WHEREAS regular hearings of the enquiry were held on August 11, 1980, September 8, 1980 and September 29, 1980 during which hearings, the delinquent official failed to appear before the Inquiring Authority despite due services of the notices by Registered Post:

AND NOW THEREFORE the undersigned hereby notify that the said Shri K. V. Mani should appear before the undersigned on any working day within 21 days from the date of publication of this notification in the official Gazette of India.

K. JAMBULINGAM
Inquiring Authority

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 13th October 1980

No. AMD-8/1/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, permanent Assistant and officiating Hindi Translator in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division with effect from 29-9-1980 to 1-1-1980, vice Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th August 1980

No. A. 32013/9/78-EC—In continuation of this Department notification No. A. 32013/9/78 EC, dated 30-4-79, the President is pleased to continue the adhoc appointment of the undermentioned two Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer at the station and for the period of six months beyond the dates mentioned against each or till the regular appointments are made to the grade whichever isearlier:—

| S. Name No. | Station of posting | Period of continued adhoc appoint- ment |
|------------------------------|---|--|
| 1. Shri K. Chandra Chudan | Director, Radio Constr. & Dev. Units, N. Delhi. | Beyond 28-9-79 |
| 2. Shri N. R. N. Iyengar | Do. | Beyond 28-9-79 |

Serial number 3 & 4 of this Department Notification No. A. 32013/9/78-EC, dated 8-1-80 are hereby cancelled.

No. A. 32013/2/80-EC.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on an ad hoc basis with effect from the date indicated against each and upto 30-9-80 and to post them to the station indicated against each:—

| S. No. | Name | Present station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|-----------|------------------|----------------------------|---|-------------------------------|
| 1. | Shri K. B. Nanda | A.C.S., Srinagar | A.C.S., Srinagar | 2-8-80 (FN) |
| 2. | Shri J. L. Suri | A.C.S., New Delhi | A.C.S., New Delhi | 25-7-80 (FN) |
| 3. | Shri L. R. Goyal | A.C.S., Palam | Dir. Radio, Constr. & Dev. Units, N. Delhi. | 30-7-80 (FN) |

No. A.38013/1/80-EC.—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 31-7-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation:

S. No., Name, Designation and Station
S/Shri

1. G. L. Relwani, Asstt. Tech. Officer, Aero. Comm. Stn.,
Bombay.

2. G. L. Patel, Asstt. Tech. Officer, Aero. Comm. Stn.,
Bombay.

3. N. S. S. Money, Asstt. Comm. Officer Aero. Comm. Stn., Bombay

The 14th October 1980

No. A. 32013/2/80-EC.—The President is pleased to appoint the following four Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on an ad hoc basis with effect from the date indicated against each and upto 30-9-80 and to post them to the station indicated against each:—

| S. No. | Name | Present Station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|-----------|--------------------|----------------------------|-------------------------|-------------------------------|
| 1. | Sh. R. G. Rao | A.C.S., Madras | ACS, Trivandrum | 30-8-80 (FN) |
| 2. | Sh. P. A. Shastri, | A.C.S., Calcutta | ACS, Calcutta | 30-7-80 (FN) |
| 3. | Sh. H. S. Grewal | RC&DU, New Delhi | RC&DU, New Delhi | 2-8-80 (FN) |
| 4. | Sh. R. V. Rao | ACS, Aurangabad | RC&DU, New Delhi. | 28-8-80 (FN) |

No. A. 32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on an adhoc basis with effect from the date indicated against each and to post them at the station indicated against each:—

| S. No. | Name | Present station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|-----------|-----------------|----------------------------|-------------------------|-------------------------------|
| S/Shri | | | | |
| 1. | M. R. Sharma | A.C.S., New Delhi | A.C.S., New Delhi | 1-8-80 |
| 2. | F. R. Ferrao | A.C.S., Nagpur | A.C.S., Nagpur | 31-7-80 |
| 3. | D. K. Chawdhury | A.C.S., Agartala | A.C.S., Calcutta | 16-8-80 |
| 4. | S. K. Das | A.C.S., Calcutta | A.C.S., Port Blair | 8-9-80 |
| 5. | P. R. Ganguly | A.C.S., Ranchi | A.C.S., Bhubaneshwar | 25-8-80 |
| 6. | S. K. Roy | A.C.S., Calcutta | A.C.S., Calcutta | 30-7-80 |

No. A.32013/3/80-EC.—The President is pleased to appoint the following four Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis with effect from the date indicated against each and upto 30-9-80 and to post them to the station indicated against each:—

| S. No. | Name | Present station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|-----------|----------------------|----------------------------|-------------------------------|-------------------------------|
| 1. | Shri B. N. Sil | DGCA (HQ) New Delhi | Regional Office, New Delhi | 31-7-80 (FN) |
| 2. | Shri S. R. Sethi | A.C.S., Ahmedabad. | A.C.S. Nagpur | 30-8-80 (FN) |
| 3. | Shri M. P. K. Pillai | A.C.S., Visakhapatnam | A.C.S., Bangalore | 22-8-80 (FN) |
| 4. | Shri V. N. Iyet | A.C.S., Bhubaneshwar | A.C.S., Madras | 5-8-80 (FN) |

No. A.38013/1/80-EC.—Shri O. P. Bahl, Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of office on 31-8-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

R. N. DAS
Asstt. Dir. Administration

New Delhi, the 4th October 1980

No. A-32013/12/78-EA.—The President has been pleased to appoint the following Assistant Aerodrome Officers to the grade of Aerodrome Officer with effect from 25-9-1980 and until further orders :—

| Sl. No. | Name | Station |
|------------|----------------------------|---------------------|
| 1. | Shri Kaviraj Singh | A.S.O. (ATC) Hdqrs. |
| 2. | Shri J. S. R. K. Sharma | Madras |
| 3. | Shri Amir Chand | Gwalior |
| 4. | Shri H. D. Lal | Bhopal |
| 5. | Shri G. Bansal | Rajkot |
| 6. | Shri M. S. Gossain | Palam |
| 7. | Shri C. N. S. Moorthy | Madras |
| 8. | Shri A. N. Mathur | Kumbhirgram |
| 9. | Shri P. K. Khanna | Dum Dum |
| 10. | Shri P. B. Dewswani | A.O. (P) Hdqrs. |
| 11. | Shri K. P. S. Nair | Madras |
| 12. | Shri A. K. Jha | North Lakhimpur |
| 13. | Shri S. J. Singh | Palam |
| 14. | Shri S. K. Vohra | Santacruz |
| 15. | Shri Vinod Kumar Yadav | Santacruz |
| 16. | Shri Daljit Sindh Chatrath | Palam |
| 17. | Shri D. D. Vuthoo | Srinagar |
| 18. | Shri K. K. Malhotra | Dum Dum |
| 19. | Shri G. S. Kalsi | Leh |
| 20. | Shri A. T. Richard | Madras |
| 21. | Shri Rajinder Pal Singh | Bombay Airport |
| 22. | Shri Arul Annand | Tirupathi |
| 23. | Shri C. M. Kothiath | Bombay |
| 24. | Shri P. N. Bhaskar | Bhavnagar |
| 25. | Shri H. C. Malik | Amritsar |
| 26. | Shri H. R. Joshi | Bombay |
| 27. | Shri S. C. Huria | Begumpet |
| 28. | Shri B. N. Singh | Dum Dum |
| 29. | Shri R. K. Raman | Begumpet |
| 30. | Shri Raj Kumar | Gauhati |
| 31. | Shri N. Jaisimha | Santacruz |
| 32. | Shri P. S. Narayanan | Madras |
| 33. | Shri Surinder Singh | Santacruz |

C. K. VATSA
Asstt. Director of Admn.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOM

Madras-600034, the 15th October 1980

No. IV/16/58/78 CX Adj.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232A of the Central Excise (7th Amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are as follows for quarter ending 30-6-1980.

| Sl. No. | Name of the persons | Address | The provisions of the Act contravened | The amount of penalty imposed |
|------------|------------------------------------|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | M/s. Guindy Machine Tools Limited. | L. 4, No. 103/75 (T.1 68) Pallikaranai P.O. Madras-601302 | Section 9(1)(bb) of the Central Excises & Salt Act, 1944 and Rules 173 PP (1)(4) and 173PP | Sentenced to pay a fine of Rs. 1,500/- |

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th October 1980

No. 1/288/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Sutapes Das, Superintendent, Calcutta Branch as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 15-7-80 to 23-8-80, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

The 10th October 1980

No. 1/56/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Perunal, Superintendent, Madras Branch Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 16-6-80 to 21-7-80, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

H. L. MALHOTRA
Dy. Dir. (Admn.)
for Director General

Bombay, the 13th October 1980

No. 1/298/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Shaik Abdul Rahim, Temp. Tech. Asstt. Bombay Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 29th July, 1980 and until further orders, on regular basis.

No. 1/393/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Satyendra Kumar (I) as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 10th September, 1980 and until further orders, on a regular basis.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehradun, the 15th October 1980

No. 16/247/76-Fsts-I.—The notification issued under even number dated 18-9-80 replacing services of Shri Siddique Ahmad at the disposal of Government of Gujarat is hereby cancelled as the reversion orders are to be issued by the Government of India.

R. N. MOHANTY,
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----|--|---|--|--|
| | Shri K. G. Subramiam Iyer, S/o Shri C. R. Krishna Iyer. | 1st street, Ravi Colony, St. Thomas Mount, Madras-16. | (1)(5) of the Central Excise Rules, 1944. | Sentenced to pay a fine of Rs. 1,000/- |
| 2. | Shri K. Muthusamy Udayar | L. 5 No. 24/64, Tobacco Merchant, Raghavendrapuram, Seshachavadi, Salem District. | Section 9 (1) (b) & 9(1) (bb) of Central Excises & Salt Act, 1944 readwith Rules 151-C and 223-A of Central Excise Rules, 1944. | Convicted and sentenced to pay a fine of Rs. 500/- each on two counts (Total Rs. 1,000/-) in default to undergo rigorous imprisonment for 2 months on each count. |

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATION

NIL.....

B. R. REDDY, Collector
Central Excise, Madras

Nagpur, the 15th October 1980

No. 13/80.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts etc. Group-B Shri M. B. Wankar lately posted as Office Superintendent, Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur has assumed charge of the Office of the Assistant Chief Accounts Officer, Central Excise, Nagpur in the afternoon of the 24th September, 1980, relieving Shri V. M. Bhojraj proceeded on transfer on promotion as Chief Accounts Officer.

No. 14/80.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts etc. Group-B Shri B. T. Kotpallivari lately posted as Office Superintendent, Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur has assumed charge of the Office of the Administrative Officer (Hqrs.) Central Excise, Nagpur in the forenoon of the 30th September, 1980, relieving Shri V. K. Tripathi proceeded on transfer on promotion as Chief Accounts Officer.

K. SANKARARAMAN,
CollectorDIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 16th October 1980

No. 30/80.—On his retirement on superannuation Shri A. Natarajan relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the South Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Madras on 30-9-1980 (Afternoon).

K. J. RAMAN,
Dir. of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 15th October 1980

No. A-32014/1/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engineering) on purely temporary and adhoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular

basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

| Sl. No. | Name of Officer with designation | Date of assumption of charge as EAD/AE |
|---------|--|--|
| 1. | S/Shri A. K. M. Govil, Design Assistant | 19-9-80 (forenoon) |
| 2. | M. S. Motwani, Design Assistant | 6-9-80 (forenoon) |
| 3. | R. K. Thakur, Design Assistant | 5-9-80 (forenoon) |
| 4. | Ravinder Kumar, Design Assistant | 5-9-80 (forenoon) |
| 5. | I. S. Gupta, Supervisor | 30-9-80 (forenoon) |
| 6. | H. N. Yadav, Supervisor | 7-10-80 (forenoon) |
| 7. | P. Rama Brahman, Supervisor | 6-10-80 (forenoon) |
| 8. | S. R. Saini, Supervisor | 25-9-80 (forenoon) |
| 9. | K. D. Singh, Supervisor | 23-9-80 (afternoon) |
| 10. | H. Z. Qurashi, Supervisor | 3-10-80 (forenoon) |

K. L. BHANDULA
Under Secy.
Central Water CommissionOFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 16th October 1980

No. 1/112/69-ECLX.—The president is pleased to accept the notice dated 18-6-1980 given by O. P. Gupta, Dy. Architect, CPWD, to retire from service. Accordingly Shri O. P. Gupta stands retired from service with effect from 15th October, 1980 (AN).

K. A. ANANTHANARAYANAN
Dy. Dir. Admn.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Grain Merchants Association*

Ernakulam, the 29th September 1980

No. 404/Liq/560/2473.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name Grain Merchants Association Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. AHAMED KUNJU,
Company Prosecutor and Ex-officio
Asstt Registrar of Companies, Kerala

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Amber Hotels and Restaurants Private Limited, Jaipur*

Jaipur, the 7th October 1980

No. Stat/1493/9375.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Amber Hotels and Restaurants Private Limited, Jaipur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

G. C. GUPTA,
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of Companies Act 1 of 1956 and in the matter of
Howrah Iron & Steel Works Pvt. Limited*

Calcutta, the 10th October 1980

No. L/10949-H/D/1952.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 26-11-79 and the Official Liquidator/court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

*In the matter of Companies Act 1 of 1956 and in the matter of
Johannes & Co. Pvt. Limited.*

Calcutta, the 10th October 1980

No. L/24489-H/D/1966.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 18-3-80 and the Official Liquidator/court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bharat Banjya Bistar Private Limited.*

Calcutta, the 10th October 1980

No. 16506/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bharat Banjya Bistar Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. B. BISWAS,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal, Calcutta.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Wear & Smile Private Limited*

Jullundur, the 13th October 1980

No. G/Stat/560/7813.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Wear & Smile Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Paradise Electronics Private Limited.*

Jullundur, the 13th October 1980

No. G/Stat/560/2759/7794.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Paradise Electronics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Himgiri Finance & Chit Fund Co. Private Limited*

Jullundur, the 13th October 1980

No. G/Stat/560/3146/7800.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hayerco Electronics Private Ltd., Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Hayerco Electronics Private Limited.*

Jullundur, the 13th October 1980

No. G/Stat/560/3257/7815.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Himgiri Finance & Chit Fund Co. Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Surinder Chit Fund & Finance Private Limited.*

Jullundur, the 13th October 1980

No. G/Stat/560/2854/7811.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Himgiri Finance & Chit Fund Co. Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

N. N. MAULIK,
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Prasanta Iron and Steel Private Limited.*

Orissa, the 13th October 1980

No. SO/480-2510(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Prasanta Iron and Steel Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. SEAL,
Registrar of Companies,
Orissa.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Straw Paper Mills of India Limited.*

Hyderabad, the 15th October 1980

No. 1222/T.A.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Straw Paper Mills of India Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. S. RAJU,
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 16th October 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for the period from 17-9-1980 to 16-10-1980 vide Notification No. F.48-Ad(AT)/80, dated 16th September, 1980, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of three months with effect from 17-10-1980 to 16-1-1981 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the UPSC, whichever is earlier.

2. The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,
President.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Notification regarding vesting of Immovable property under section 269 I(4) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

Lucknow, the 30th August, 1979

GIR No. 13-J/Acq.—It is hereby notified that the property bearing No. 16 (Old No. 30), Chowk, Allahabad, situated at Allahabad has been taken possession of in terms of the provisions contained in sub-section (2) of Section 269I of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on 27th August, 1979, by Shri B. Mazumdar, Executive Engineer, Allahabad Central Division, 76-Lukerganj, Allahabad, and Shri T. K. Chatterjee, A.D.I. Office of the Commissioner of Income-tax, Allahabad, duly authorised in this behalf. In terms of sub-section (4) of Section 269I of the Act, the said property vests absolutely in the Central Government free from all encumbrances with effect from the aforesaid date.

GIR No. 20-P/Acq.—It is hereby notified that the property bearing No. 230, Muthiganj, situated at Gandhi Nagar, Allahabad, has been taken possession of in terms of the provisions contained in sub-section (2) of Section 269-I of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on 23rd August, 1979, by Shri B. Majumdar, Executive Engineer, Allahabad Central Division, 76, Lukerganj, Allahabad, duly authorised in this behalf. In terms of sub-section (4) of Section 269I of the Act, the said property vests absolutely in the Central Government free from all encumbrances, with effect from the aforesaid date.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

FORM ITNS

(1) Shri C. L. Han, No. 52, 1st main Road, Malleswaram, Bangalore-55.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th October 1980

C.R. No. 62/26340/79-80/Acq/B.—Whereas I, R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 6 and 6/1, situated at 'B' street I Main Sheshadripuram, Bangalore-20, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar. Document No. 3695/79-80 on 6-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. S/Shri H. A. Gopinath,
2. H. A. Srinidhi, No. 48, 17th cross, Malleswaram, Bangalore.
3. H. D. Balaji
4. H. D. Narayananababu, No. 257, 17th cross, Upper Palace Orchards Bangalore-6.
(Transferee)

(3) S/Shri G. B. Navale Ground floor and H. N. Keshavamurthy First floor.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3695/79-80 dated 6-2-80)
All that house property bearing site No. 6 and 6/1, at 'B' street, I main, Sheshadripuram, Bangalore-20.
Total Extent 670.41 Sq. Mts.

Bounded by

East : Dr. Prahlad's property.
West : 'B' Street.
North : S. B. Lakshamamma's house.
South : Private property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-80
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th October 1980

C.R. No. 62/26660/80-81/ACQ/B.—Whereas I, R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Corporation No. 12/1 (old) 16 (New) situated at Site No. 2 (part of property bearing old No. 3) Race course Road, Bangalore city. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 172/80-81 on 17-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri U. N. Ramdas Balal No. 12/1 Race course Road Bangalore-9.
(Transfors)
- (2) Shri Narayana T. Shetty No. 12/1 (old) 16 (new), II floor Race course Road Bangalore-9.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 172/80-81 dated 17-4-80)
All that house property bearing corporation old No. 12/1 and new No. 16 site No. 2 (part of property bearing old No. 3) II floor.
Race course road
Bangalore-9.

Bounded by :

On North : Private property.
On South : Private property.
On East : Common passage.
On West : Private property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Lok Sewa Udyog Premises Co-op. Soc. Ltd.
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 25th August 1980

Ref. No. AR-III/AP.350/80-81.—Whereas I, A. H. TEJALE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 50-55 situated at Nahur Vil, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-2-1980 Document No. S-996/74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-996/74 and registered on 21-2-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 25-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
19—316GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Petrick Brax Rodrigues and Shri Charles Albert Rodrigues.
(Transferor)
- (2) Marine and Premises Co-op. Soc Ltd.
(Transferee)
- (3) Members of the Society.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 25th August 1980

Ref. No. AR-II/2934-7/Feb'80.—Whereas, I, A. N. TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 45, T.P.S. II situated at Jubu,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCH(DULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S 921/75 and registered with the Sub-Registrar at Bombay on 4-2-1980.

A. H. TEJALE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Tungabhadra Sugar Works Pvt. Ltd.
 (Transferor)
 (2) Transport Corporation of India Ltd.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1980

Ref. No. AR-I/4373-14/Feb'80.—Whereas I,

SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 19/69, 128, 18/69 of Colaba situated at Victoria Bunder Road (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14/2/1980 Document No. 1785/79/Bom, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 1785/79/Bom and as registered on 14-2-1980 with the Sub-Registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHAKAR VARMA
 Competent Authority
 Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-80
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/2-80/6191.—Whereas I, MRS. BALJEET MATTIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2662, Baradari Sher situated at Afgan Bellimaran Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at, Delhi on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pishtha Devi Wd/o Laxmi Narain for self and on behalf of her minor son Master C. C. Ashok
2. Vikarmaditya
3. Ishwar Chander
4. Shiv Narain
5. Smt. Rej Dulari
6. Km. Rajeshwari
7. Km. Vijay Laxmi all R/o Wz-173, Village Pathevan Delhi.

(Transferors)

- (2) Shri Manjoor Ilahi & Smt. Habib Hajar, 2446, Baradari, Sher Afgan Bellimaran Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2662, Baradari Sher Afgan, Bellimaran Delhi.

MRS. BALJEET MATTIYANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 14-10-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th October 1980

Ref No. IAC/Acq-II/SR-1/2-80/6238.—Whereas I, MRS. BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59, Road No. 41 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tirath Ram Sachdev s/o Diwan Chand Sachdev (2) Sham Dass (3) Subhash Chander (4) Gulshan Kumar sons of Tirath Ram Sachdev, 59, Road No. 11 Punjabi Bagh, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Chand Rani Soni w/o Kidar Nath Soni r/o 36/62 Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 59 on Road No. 41 Class A situated in Punjabi Bagh, Delhi measuring 1100 sq. yds. in the area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Lane
South : Road No. 41.
East : Plot No. 57
West : Remain land mg. 1157.70 sq. yds. of plot No. 59.

Date : 14-10-80
Seal :

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Form ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th October 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/2-80/6225.—Whereas I,
MRS. BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 9694-9695, situated at Gali Nee mWali, Nawab Ganj,
Ward No. 12, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Delhi on February 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Nand Lal s/o Trilok Chand r/o 9694, Gali
Neemwali, Nawab Ganj, Delhi.
2. Surinder Nath s/o Nand Lal, 81-Gujranwala
Town Part-2, G.T. Karnal Road, Delhi.
3. Jugal Kishore s/o Nand Lal, 170, Gujranwala
Town Part II, G.T. Karnal Road, Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Rakesh Kumar s/o Jagdish Pershad.
2. Naresh s/o Jagdish Pershad under the guardianship of his father Shri Jagdish Pershad, r/o
6177, Kucha Shiv Mandir, Gali Batacha, Khari
Bawri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of property No. 9694 and 9695 Gali Nawab Ganj,
Gali Neem Wali, Ward No. 12, Delhi Area 61 sq. yds.

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 14-10-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/2-80/6190.—Whereas, I, MRS. BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 58 situated at Katra Ishwar Bhawan, Khari Baoli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sham Sunder Mittal s/o Gobind Ram, 939 Gali Tota Maina, Behind Novelty Cinema, Delhi (Transferor)

(2) 1. Shri Ranavtar s/o Roop Chand, 140, near Jagashwar Mandir, Palwal, Faridabad.
2. Raghunath Prasad s/o Jagan Nath Goyal r/o 1859, Pahari Bhojla Jama Masjid, Delhi.
3. Anil Kumar Goyal s/o Shyam Lal Goyal 5504, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.
4. Hari Om S/o Shri Chander.
5. Jagdish Parshad s/o Pooran Chand r/o village Sohna, Distt. Gurgaon, Haryana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 58 Part, measuring 13 sq. yds. situated at Katra Ishwar Bhawan, Khari Baoli, Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.
Date : 14-10-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. S. P. Narang s/o Des Raj Narang,
and his wife Smt. Binod Kumari Narang,
r/o 124, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Gita Rani Chopra wd/o Ram Prakash Chopra
of B.F. 36, Tagore Garden, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRII/2-80/3132.—Whereas, I,
MRS. BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing No.

25/23, situated at Tilak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Built up house on plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. 25/23, Tilak Nagar, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Satish Kumar Oswal S/o Shetal Piasad Oswal,
R/o H No 2/5, Roop Nagar, Delhi-7
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Abdul Salam Wool Merchants,
1009, Pan Mandi Sadar Bazar, Delhi-6
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th October 1980

Ref No IAC/Acq-II/SR-I/2-80/6234.—Whereas, I, BALJEET MATIYAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 49 situated at Rama Road Industrial Area, Najafgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of property bearing No 49 measuring 1641 sq yds situated at Rama Road, Industrial Area, Najafgarh Road, Delhi bounded as under :—

| | |
|-------|--------------|
| North | Plot No 48 |
| East | Railway Line |
| West | Open Plot |
| South | Road |

MRS BALJEET MATIYAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
20—316GI/80

Date : 10-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
 H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
 NEW DELHI-110002**

New Delhi-110002, the 9th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRII/2-80/3143.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CL-6 Block-I, situated at Hari Nagar, Village Tihar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rujinder Singh S/o Joginder Singh, Main Road, Ram Garh, Bihar and Bhim Sen Chopra S/o Ram Chand Chopra, R/o Main Road, Ram Garh Cantt., Bihar, (Transferor)

(2) Shri Sarup Singh S/o Shan Singh, F-5, Raghbir Nagar, New Delhi and Gurvinder Singh S/o Sohan Singh, E-4, Raghbir Nagar, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land measuring 641.66 sq. yds. bearing plot No. CL-6 of Khasia Nos. 880 and 881, situating in Residential approved Colony, L-Block, Hari Nagar, New Delhi, area of village Tehar Delhi bounded as under :—

North : Plot No. CL-7
 South : Plot No. CL-4
 East : Road 40' wide
 West : Lane 15' wide

MRS. BALJEET MATIYANI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 9-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
New Delhi-110002, the 14th October 1980

New Delhi, the 14th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/2-80/3147.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agrl. land measuring 17 bighas
situated at village Holambi Kalan, Delhi State, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on February 1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Teku alias Tek Chand S/o Shri Chander
R/o Holambi Kalan, Delhi State, Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Ram Kishan S/o Deep Chand,
R/o Village Shahpur Garhi, Delhi-10.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.
(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bighas situated in the
area of village Holambi Kalan, Delhi State, Delhi bearing
Khasra Nos. as under :—

| Rect No. | Killa No. | Area |
|----------|-----------|------|
| 31 | 17 | 2-10 |
| 31 | 18/2 | 2-8 |
| 31 | 22/2 | 2-8 |
| 31 | 23 | 4-16 |
| 31 | 24 | 4-18 |

MRS. BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 14-10-80
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK VIKAS BHAVAN I P STATE
NEW DELHI 110002**

New Delhi-110002 the 9th October 1980

Ref No IAC/Acq-II/SR-II/2-80/3175—Whereas, I,
MRS BALJEET MATIYANI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
 the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs 25,000/- and bearing No
 J-13/35 situated at Rajouri Garden, New Delhi
 (and more fully described in the schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Delhi on February 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (1) Smt Sugget Bala Ahuja W/o Kewal Krishan Ahuja,
 R/o J-7/52, Rajouri Garden, New Delhi,
 (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar & Vinod Kumar
 Sons of Sultan Singh Gupta
 R/o D 34, Rajouri Garden, New Delhi
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No J-13/35, Rajouri Garden, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

MRS BALJEET MATIYANI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date 9/10/1980
 Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN J.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 9th October 1980

Re. No. IAC/Acq-II/SR-II/2-80/3142—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of CL-6, Block L, situated at Hari Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhim Sain Chopra S/o Ram Chand Chopra & Rajinder Singh S/o Joginder Singh, R/o Main Road, Ram Gath Cantt., Bihar. (Transferor)

(2) Shri Sarup Singh S/o Shan Singh, E-5, Rajinder Nagar, Delhi. Gurinder Singh S/o Sohan Singh, F-4, Raghib Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share of Plot No. CL-6 of Khasra No. 880 and 881 situated in Residential approved colony, L Block, Hari Nagar, New Delhi measuring 641.66 sq. yds. bounded as under :—

North : Plot No. CL-7

South : Plot No. CL-4

East : Road 40/ wide

West : Land 15/ wide

MRS. BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 9-10 1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/2-80/6192.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8, Block A-1, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shakuntala Nayyar W/o Manohar Lal Nayyar R/o Karnal, through Shri Harishwar Dayal S/o B. Dayal R/o Madhuban Arpana Trust, Karnal General Attorney.

(Transferor)

(2) Shri Roop Chand Jain S/o Late Chuni Lal Jain, Master Sunil Jain & Master Akhil Jain both minor Sons of Roop Chand under guardianship of their father Roop Chand Jain, 7/17, Daryaganj, Ansari Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A single storeyed building with land underneath measuring about 450 sq. yds. with one room in first floor bearing Plot No. 8 Block A-1, Model Town, Delhi bounded as under :—

East : Road
West : Building on Plot No. A-8
North : Building on Plot No. A-1/9
South : Building on Plot No. A-1/7

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.
Date : 13-10-80
Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Yog Raj Dhingra S/o Tek Chand
R/o 1st-A-IV/67, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 16th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/979.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1st-A-IV/67 situated at Daya Nand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing No. 1ST-A-IV/67, Lajpat Nagar, New Delhi with the leasehold rights of land measuring 100 sq. yds. bounded as under :—

North : House No. A-68
South : House No. A-66
East : Road
West : Lane

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Of Income Tax,
Acquisition Range II, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1980
Seal :

ITEMS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Lalit Kumar S/o R. K. Nanda I-10/49, Rajouri Garden New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Daishan Singh S/o S. Mohinder Singh R/o I-143, Mansarovar Garden New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 21st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRII 2-80/3126.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason or believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Koti No. 5 Road No. 46-A situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Delhi on 5-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Koti No. 5 on Road No. 46-A Class D, situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi with the land measuring 280 sq. yds. under the said Koti bounded as under:—

North : Service Lane.

South : Road No. 46-A.

East : Plot No. 3

West : Plot No. 7.

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 21-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Sarla Devi W/o Late Sh. Amar Nath 1308,
Gali Tansukh Rai Kundewalan Ajmere Gate Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kallu Mal Goel S/o Moti Ram R/o 2774,
Gali Arya Samaj Bazaar Sita Ram Delhi.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/2-80/6231.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1309 and 1310 Ward No. VIII situated at Gali Tansukh Rai Kundewalan Ajmere Gate Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 1309 and 1310 Ward No. VIII Gali Tansukh Rai Kundewalan Ajmere Gate Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—316GT/80

Date : 21-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Todar Mal S/o Shanker Dass R/o 4/B/2,
Tilak Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudharshan Sharma W/o Sh. Vidhya Sagar
Sharma R/o F-35, West Patel Nagar New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II,
 H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
 NEW DELHI

New Delhi, the 21st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRIII/2-80/3136.—Whereas I,

BALJEET MATIYANI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4/B/2, situated at Tilak Nagar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. 4-B/2 Tilak Nagar New Delhi measuring 200 sq. yds. bounded as under :—

North : Gali

South : Road

East : G.B.P.

West : G.B.P.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

MRS. BALJEET MATIYANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 21-10-1980

Seal :

FORM ITNS:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRII/2-80/3177.—Whereas, I, MRS. BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 39 Road No. 54 situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 26-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushpa Dhawan W/o Lt. Col. P. K. Dhawan & Lt. Col. P. K. Dhawan S/o Gobind Ram Dhawan R/o Flat No. 170, Service Enclave Estate II, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Kirori Ram S/o Likh Ram R/o J-10/49, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing Plot No. 39 on Road No. 54 Class D measuring 337.1 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State, Delhi alongwith boundary wall bounded as under :—

North : Service Lane.

South : Road No. 54.

East : Vacant Plot No. 37 & Vacant land.

West : Others land.

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 21-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Harinder Grewal alias Harinder Kaur
W/o Sh. A. S. Grewal, 110, Sector 9-B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Madan Gopal s/o Chaman Lal,
Juneja, Gujranwala Town Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st October 1980

Ref. No. IAC/SRI/2-80/6203.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 153-D/2, situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-2-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

THE SCHEDULE

Property No. 153-D/2 in Kamla Nagar Delhi (Northern City Extension Scheme No. 1) Municipal No. 6670/2 with land freehold underneath measuring 112-1/3 sq. yds. out of entire area 195.8 sq. yds. bounded as under :—

North—60 ft. wide Road
South—15 feet wide road
East—Property on Plot No. 154
West—15 ft. wide Road.

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-10-80
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Satinder Gill Alias Satinder Kaur
w/o Sh. J. S. Gill, 110 Sector 9-B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Madan Gopal s/o Chaman Lal,
Juneja, Gujrunwala Town Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/2-80/6201.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 153-D/2 situated at Kamla Nagar Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Delhi on 13-2-80,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said ins-
trument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor & Miani on garrage property No. 153-D/2,
Kamla Nagar Delhi (Northern City Extension Scheme No. 1)
Municipal No. 6670/2 with land free hold underneath measuring
112-1/3 sq. yds. out of entire area 195.8 sq. yds. bounded
as under :—

North—60 ft. wide Road
South—15 feet wide road
East—Property on Plot No. 154
West—15 ft. wide Road.

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 21-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Form ITNS-----

- (1) Shri Onkar Pershad S/o Kachetu
R/o Village Hastal Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Mangtu Ram S/o Ram Rikh
R/o Vill. Badhela Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/2-80/3145.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 16 bighas 16 biswas situated at Village Hastal Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 bighas 16 biswas, Khasra No. 18/4/2, 6, 7, 8, Village Hastal Delhi State Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 21-11-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Om Prakash S/o Jia Ram
R/o Hasatsal Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 16th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR II/2-80/3227.—Whereas I,

BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land 20 bighas situated at Village Zatikra Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Randhir Singh S/o Ram Singh and
Shri Chander Singh S/o Jiwana of village Daulatpur
Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 bighas out of 27 bighas 13 biswas in village Zatikra Delhi State Delhi.

MRS BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/2-80/3183.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land mg. 24 bighas situated at Village Masudabad Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Roshan Lal S/o Bishan Singh,
R/o Najafgarh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raghbir Singh S/o Bishan Singh,
R/o Najafgarh New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 bighas situated at village Masudabad Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 21-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Nirmal Singh S/o
Dhana Singh, Vill. Kahlwan.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Bhan Singh S/o Mahiya Singh
Vill. Bidhipur.

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

Ref. No. A.P. No. 2221.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Kahlwan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 99 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Kartarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

- (1) Shri Jaswant Rai S/o
Sh. Sant Ram, E.D. 248, Dhan Mohalla,
Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Parminder Singh,
Gagninder Singh SS/o Devinder Mohan Bir Singh
C/o M/s. Doaba Coach Builders, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7582 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2223—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Talwandi Madho (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohar Singh, Mohinder Singh, Pritam Singh SS/o Sunder Singh, Vill. Talwandi Madho, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Gurmel Singh, Balkar Singh, Harbans Singh SS/o Naranjan Singh, V. & P.O. Talwandi Madho, Tehsil Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2731 of Feb 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980
 Seal :

FORM ITN

(1) Shri Chanan Ram S/o Rulia Ram
Bhargo Camp, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Lubhiaya S/o Ram Lal,
425, Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2224.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ss per Schedule situated at Basti Sheikh near Bhargampur Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8141 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N&

(1) Shrimati Wasir Kaur D/o Arbel Singh,
Milap Chowk, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. 2225.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Basti Rau, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shrimati Surinder Kaur W/o Jasbir Singh,
Sudarshan Kaur W/o Lakhbir Singh
82, Now Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7680 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. 2226.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Nau, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jullundur on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Wasir Kaur D/o Arbel Singh,
Milap Chowk, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Mohinder Kaur W/o Rajinder Singh and
Sudershan Kaur W/o Sh. Lakhbir Singh,
82-New Jawahar Nagar,
Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7661 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur,

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2227.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali No. 15-B, Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Parkash Vati W/o Prithvi Raj
R/o Gali No. 14-15, Mandi Abohar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Narinjan Kaur w/o Narinder Singh,
S/o Partap Singh
R/o Vill. Jhindwala, Teh. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in Registration sale deed No. 2830 of Feb. 1980 of the Registration Authority Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P.No. 2228.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Deowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Feb., 1980
 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Lal S/o Bodh Raj, Sabzi Mandi, Jullundur.
 (Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh Jhikka S/o Hasara Singh 262-Lajpat Nagar, Jullundur.
 (Transferee)

* (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

* (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are declined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4240 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-10-1980.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amrit Lal S/o Bodh Raj
Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh Jhikka S/o Hasara Singh
262-Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 22nd September 1980

Ref. No. A.P. No. 2229.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Deowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4274 of Feb. 1980 of the Registering Authority Hoshiarpur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-10-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—316GI/80

FORM ITNS

(1) Shri Hari Kishan S/o Bodh Raj.
Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2230.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Deowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Ajit Singh Jhikka S/o Hasara Singh
262-Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4731 of March, 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Banta Singh S/o Ram Singh, Vill. Bhagnana
Teh. Phagwara
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Ram S/o Karam Chand
Vill. Bhagnana Teh. Phagwara
(Transferee)
- *(3) As per Sr. No 2 above
(Person in occupation of the property)

- *(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref No A. P No 2231—Whereas, I,
R GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act),
have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
As per Schedule situated at Vill. Bhagnana Teh. Phagwara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Phagwara on Feb. 1080
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 2270 of Feb 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2232.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Near Taki Mohalla, Phagwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Feb. 1980
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Parkash S/o Kishan Dyal, Mahli Gate, Phagwara through Vinod Kumar. (Transferor)
- (2) Parmodh Kumar Yogesh Chander Wine contractor, Model Town, Phagwara. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2264 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Munshi Ram S/o Ganga Ram
R/o Nihal Kehra Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Lekh Raj S/o Jai Lal
R/o Johri Mandir Road, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 14th October 1980Ref. No. A.P. No. 2233.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sant Nagar, Old Fazilka Rd.,
Abohar.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Abohar on Feb. 1980.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 2854 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 14-10-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Parmeshwari
D/o Sh. Jai Ram Dass R/o Abohar
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2234.—Whereas, I,
R GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Chagan Lal S/o Bajrang Dass
R/o Gali No. 4, Abohar
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2778 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Shanti Devi
D/o Jai Ram Dass
R/o Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar
S/o Bajrang Dass
R/o Gali No. 4, Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2859 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2236.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Railway Road, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Jallalabad on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Shri Avinash Chander
S/o Tara Chand
R/o Jallalabad.

(Transferor)

(2) Shri Sadanand, son of Sh. Sher Chand
R/o Shop No. 1275, Railway Road, Jallalabad.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 150 of Feb. 1980 of the Registering Authority
Jallalabad.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-10-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sadhu Ram, Premjit, Inderjit, Surjit Kumar,
SS/o Kishori Lal
R/o Mohalla Sudan, Phagwara.
(Transferor)

(2) Shrimati Anjurna
W/o Subhash Chander
R/o Mohalla Daddal, Phagwara Now at Mohalla
Ohrian, Phagwara.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 2387 of Feb. 1980 of the Registering Authority,
Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-10-1980,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
24—316GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. P. No. 2238.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Abadpura, back side Sant Pura Gurdwara Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Rameshwari Singh S/o Dr. Capt. Karam Singh R/o 4-Model Town, Jullundur.
(Transferors)
- (2) Bhoom Raj S/o Hari Ram R/o Jagat Pur Jatan Teh. Phagwara Distt. Kapurthala.
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8195 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shrimati Prem Rani, Adopted Daughter of
Sh. Amrit Lal, R/o Ferozepur City.
(Transferor)

(2) Sh. Sewa Ram S/o Mool Chand and
Smt. Sudershan Kumari D/o Sewa Ram
R/o Ferozepur City.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. P. No. 2239.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ferozepur City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5492 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-10-1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. P. No. 2241.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Bishan Dass Retd. S.D.O.
S/o Sh. Gauri Shankar, Chow Pandian,
Batala.
(Transferor)
- (2) Shri Sharan Kumar C/o R. L. Seth & Co.,
Bazar Sheikhan, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7603 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Bishan Dass Retd. S.D.O.
S/o. Sh. Gauni Shankar, Chowk Pandian, Batala.
(Transferor)

(2) Shri Gian Chand C/o R. L. Seth & Co.,
Bazai Sheikhan, Tullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 2242.—Whereas, I, R GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per Schedule situated at Model Town, Tullundur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Jullundur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale
deed No. 1326 of May, 1980 of the Registering Authority,
Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tarsem Lal S/o Baru Ram
Vill. Ud Esian Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Partap Singh S/o Gurmukh Singh
Vill. Jalal Pur Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. P. No. 2244.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8143 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. F. No. 2243.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Anup Sondhi S/o Shri Shivraj Sondhi, Jullundur Through G. A. Shri Bhim Sain Jagata. (Transferor)
- (2) Shri Karam Chand S/o Batna Ram S Sh. Sarwan Kumar, Ram Parkash, Devinder S/o Karam Chand, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 7688 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ujagar Singh S/o Amal Singh
R/o 945, Gaitha Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Suranjit Kaur W/o Harjit Singh
R/o 88-Green Park, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. P. No. 2240.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gaitha Road Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7820 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. P. No. 2245—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Channu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lambi on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25-316GI/80

(1) Smt. Surpti Kaur W/o
Shri Jaswant Singh, Vill. Channu.

(Transferor)

(2) Shri Bant Singh, Kulwant Singh
S/o Sh. Jagraj Singh Vill. Channu.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 102 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Lambi.

Competent Authority
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date 14-10-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Parshotam Lal Sabharwal
S/o Amar Nath Vill. Rurka Kalan, Jullundur
(Transferor)
- (2) Major S K Bhatia S/o
Karam Chand WX 173 Basti Nau, Jullundur
(Transferee)
- (3) As per Sr No 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur the 14th October 1980

Ref No A P No 2246—Whereas I R GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at R B Badri Dass Colony, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Feb 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale Jd No 7924 of Feb 1980 of the Registering Authority Jullundur

R GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range Jullundur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Date 14 10-1980
Seal

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. P. No. 2247.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at R. B. Badri Dass Colony, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Parshotam Lal Sabharwal
S/o Amar Nath, Vill. Rurka Kalan
(Jullundur)
(Transferor)
- (2) Major S. K. Bhatia S/o Karam Chand,
WX-173, Basti Nau, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7883 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurdawar Singh S/o Chanan Singh
Vill. Jagpal Pur Teh. Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A. P. No. 2248.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Gian Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Surinder Kaur W/o
Sh. Naranjan Singh Vill. Sansarpur
Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation the property)

(4) An other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7779 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-10-1980

Seal :

FORM ITNS---

(1) Shri Tara Singh S/o Jawahar Singh
Luxmi Pura, Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Sandhya Devi W/o Kishan Lal
47, Vijay Nagar, Jullundur.
2. Rattan Chand S/o Sunder Lal,
Vijay Nagar, Jullundur.
3. Saroj Rani W/o Harsh Kumar,
WA-226, Moh. Kohlian, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation the property)

- (4) An other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale
deed No. 7681 of Feb. 1980 of the Registering Authority,
Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2250.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at By Pass, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Tara Singh S/o Shri Jawahar Singh,
Lakshmi Pura, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Kartar Singh Kalsi S/o Shri Teja Singh,
Amar Garden, Jullundur.
(Person in occupation of the property).
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7656 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2251.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule
situated at Central Town, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Tara Singh S/o Shri Mayia Singh, Central Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh S/o Shri Lal Singh, R/o Indra Nagar, Phagwara.

(Transferor)

(3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2335 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2252.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule
situated at Raman Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Lal Hans Raj
SS/o Paras Ram S/o Shri Tota Ram
R/o Raman Mandi.

Name of the Transferees

S/Shri

1. Shri Arjan Dass Chhanji Lal
2. Fatta Trading Company

3. Madan Lal Manohar Lal
4. Balak Ram Lachman Dass
5. Bhagwan Singh Santo Singh
6. Shri Chanan Ram Dev Raj.
7. Shri Kanshi Ram Kishor Chand.
8. Hardev Singh Kishan Kumar.
9. Shri Babu Ram Prem Chand.
10. Shri Dharm Paul Madan Lal.
11. Shri Sat Paul Pawan Kumar.
12. Shri Ganga Ram Radha Ram.
13. Shri Kahana Mal Jot Ram.
14. Shri Kewal Krishan Pawan Kumar.
15. Shri Brij Lal Kewal Krishan.
16. Shri Rikhi Ram Ved Parkash.
17. Shri Banarsi Dass Rattan Chand.
18. Shri Thakur Mal Hans Raj.
19. Shri Kishore Chand Om Parkash.
20. Shri Narain Dass Roshan Lal.
21. Shri Babu Ram Vijay Kumar
22. Shri Lal Chand Amar Nath.
23. Shri Tara Chand Jugal Kishore.
24. Krishan Gopal Pawan Kumar
25. Shri Kam Rattan Dass Basheshar Dass.
26. Shri Raj Kumar Nand Lal.
27. Shri Darshan Singh Didar Singh.
28. Shri Arjan Singh Tirth Singh.
29. Shri Balwant Ajit Singh.
30. Shri Hans Raj Tersem Chand.
31. Shiv Dyal Ram Narain
32. Rikhi Ram Jaemohan Lal
33. Tirkal Chand Mangat Lal
34. Gurmukh Singh Harbans Singh
35. Harnam Singh Hardwari Lal
36. Balbir Singh Jasbir Singh
37. Gokal Chand Pirthi Chand
38. Raja Ram Som Parkash
39. Kundan Lal Sarwan Kumar
40. Khem Singh Hira Singh
41. Bishma Mal Kanshi Ram
42. Tehil Singh Kishan Singh
43. Hari Singh Ranjit Singh
44. Tilak Ram Ramii Dass
45. Hari Ram Brij Lal
46. Amar Nath Ved Parkash
47. Paras Ram Kishore Chand
48. Birbal Dass Rai Kumar
49. Mangoo Ram Ashok Kumar
50. Muhtiar Singh Ram Saroop
51. Jagat Parkash Kalra & Co
52. Ganesh Mal Bhana Mal
53. Manjot Singh & Co
54. Telu Ram Sham Lal
55. Tulsi Ram Inder Mall
56. Bishma Mal Om Parkash
57. Dilla Ram Bachman Dass
58. Rechan Lal Jagdish Rai
59. Ria Ram Om Parkash
60. Molak Ram Janak Rai
61. Kour Chaud Des Rei
62. Niruta Ram Ashok Kumar
63. Manohar Lal Amrit Lal
64. Situ Ram Tei Inder Paul
65. Khetu Ram Krishan Chand
66. Brij Lal Ved Parkash
67. Munshi Ram Narayan Dass
68. Ramii Dass Davinder Kumar

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(5) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2941 of Feb 1980 of the Registering Authority, Salwandi Sabo

R. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-10-1980

Seal :

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal S/o Paras Ram,
R/o Raman Mandi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2253.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Raman Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Talwandi Sabho Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Name of the Transferee.

S Shri

1. Shri Arjan Dass Chhanji Lal
2. Fatta Trading Company
3. Madan Lal Manohar Lal
4. Balak Ram Iachman Dass
5. Bhagwan Singh Santosh Singh
6. Chanana Ram Dev Raj
7. Kanshi Ram Kishor Chand
8. Hardev Singh Krishan Kumar
9. Babu Ram Prem Chand
10. Dharm Paul Madan Lal
11. Sat Paul Pawan Kumar
12. Ganga Ram Radha Ram
13. Kahana Mal Jot Ram
14. Kewal Krishan Pawan Kumar
15. Brij Lal Kewal Krishan
16. Rikhi Ram Ved Parkash
17. Banarsi Dass Rattan Chand
18. Thakur Mal Hans Raj
19. Kishore Chand Om Parkash.
20. Narain Dass Roshan Lal
21. Babu Ram Vijay Kumar
22. Lal Chand Amar Nath
23. Shri Lal Chand Amar Nath.
24. Shri Krishan Gopal Pawan Kumar.
25. Ram Rattan Dass Basheshar Dass
26. Shri Raj Kumar Nand Lal.
27. Shri Darshan Singh Didar Singh.
28. Arjan Singh Tirth Singh
29. Balwant Singh Ajit Singh
30. Shri Hans Raj Tersem Chand.
31. Shiv Dyal Ram Narain
32. Rikhi Ram Jagmohan Lal
33. Tirlok Chand Mangat Rai
34. Gurmuikh Singh Harbans Singh
35. Harmam Singh Hardwari Lal
36. Balbir Singh Jasbir Singh
37. Gokal Chand Pirthi Chand
38. Raja Ram Som Parkash
39. Kundan Lal Sarwan Kumar
40. Khem Singh Hira Singh
41. Bishna Mal Kanshi Ram
42. Tehal Singh Kishan Singh
43. Hari Singh Ranjit Singh
44. Tilak Ram Ramji Dass
45. Hari Ram Brij Lal
46. Amar Nath Ved Parkash
47. Paras Ram Kishore Chand
48. Birbal Dass Raj Kumar
49. Mangoo Ram Ashok Kumar
50. Mukhtiar Singh Ram Saroop
51. Jagat Parkash Kalra & Co.
52. Ganesha Mal Bhana Mal
53. Manjil Singh & Co.
54. Telu Ram Sham Lal
55. Tulsi Ram Inder Mall
56. Bishana Mal Om Parkash
57. Dilla Ram Iachman Dass
58. Roshan Lal Jagdish Rai
59. Raia Ram Om Parkash
60. Molak Ram Janak Rai
61. Kour Chand Des Rai
62. Naruta Ram Ashok Kumar
63. Manohar Lal Amrit Lal
64. Sita Ram Tei Inder Paul
65. Khetu Ram Krishan Chand
66. Brij Lal Ved Parkash
67. Munshi Ram Naranian Dass
68. Ramji Dass Davinder Kumar.

(Transferee)

(3) 1. Shri Mansat Rai
2. Shri Ashok Kumar
3. Shri Pawan Kumar
4. Shri Kamal Kant S/o Tarlok Chand.
R/o Raman.
(Person in occupation of the property).

(4) 1. Shri Mansat Rai
2. Shri Ashok Kumar

3. Shri Pawan Kumar
4. 4. Shri Kamal Kant S/o Tarlok Chand,
R/o Raman.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

THE SCHEDULE

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2936 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-10--1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th October 1980

Ref. No. A.P. No. 2254.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Raman Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Talwandi Sabo Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sadhu Ram S/o Shri Paras Ram,
R/o Raman Mandi.

(Transferor)

(2) Name of the transferee.

S/o Shri

1. Ajjan Dass Charanji Lal
2. Inder Trading Company
3. Madan Lal Manohar Lal
4. Balak Ram Lachman Dass
5. Bhagwan Singh Santokh Singh
6. Smti Chanan Ram Dev Raj
7. Shri Kanshi Ram Kishor Chand.
8. Hardev Singh Krishan Kumar
9. Babu Ram Prem Chand
10. Shri Dharm Paul Madan Lal.
11. Shri Sat Paul Pawan Kumar.
12. Shri Ganga Ram Radha Ram.
13. Shri Kahana Mal Jot Ram.
14. Shri Kewal Krishan Pawan Kumar.
15. Shri Brij Lal Kewal Krishan.
16. Shri Rukhi Ram Ved Parkash.
17. Shri Banarsi Dass Rattan Chand.
18. Shri Inakur Mal Hans Raj.
19. Shri Kishore Chand Om Parkash.
20. Shri Narain Dass Roshan Lal.
21. Shri Babu Ram Vijay Kumar
22. Shri Lal Chand Amar Nath.
23. Tura Chand Jugal Kishore
24. Shri Krishan Gopal Pawan Kumar.
25. Shri Ram Rattan Dass Basheshar Dass.
26. Shri Raj Kumar Nand Lal.
27. Darshan Singh Didar Singh
28. Shri Arjan Singh Tith Singh.
29. Shri Balwant Ajit Singh.
30. Shri Hans Raj Tarsem Chand.
31. Shiv Dyal Ram Narain
32. Rikhi Ram Jagmohan Lal
33. Tirlok Chand Mangat Rai
34. Gurmuhan Singh Harbans Singh
35. Harnam Singh Hardwari Lal
36. Balbir Singh Jasbir Singh
37. Gokal Chand Pirthi Chand
38. Raja Ram Som Parkash
39. Kundan Lal Sarwan Kumar
40. Khem Singh Hira Singh
41. Bishna Mal Kanshi Ram
42. Tehal Singh Krishan Singh
43. Hari Singh Ranjit Singh
44. Tilak Ram Ramji Dass
45. Hari Ram Brij Lal
46. Amar Nath Ved Parkash
47. Paras Ram Kishore Chand
48. Birbal Dass Raj Kumar
49. Mangoo Ram Ashok Kumar
50. Mukhtiar Singh Ram Saroop
51. Jagat Parkash Kalra & Co.
52. Ganesh Mal Bhana Mal
53. Manjit Singh & Co.
54. Telu Ram Sham Lal
55. Tulsi Ram Inder Mall
56. Bishana Mal Om Parkash
57. Dilla Ram Lachman Dass
58. Roshan Lal Jagdish Rai
59. Raja Ram Om Parkash
60. Molak Ram Janak Rai
61. Kour Chand Des Raj
62. Naruto Ram Ashok Kumar
63. Manohar Lal Amrit Lal
64. Sita Ram Tej Inder Paul
65. Khetta Ram Krishan Chand
66. Brij Lal Ved Parkash
67. Munshi Ram Naranjan Dass
68. Ramji Dass Davinder Kumar.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Mangat Rai
2. Shri Ashok Kumar
3. Shri Pawan Kumar
4. Shri Kamal Kant S/o Tarlok Chand, R/o Raman.

(Person in occupation the property).

- (4) 1. Shri Mangat Rai
2. Shri Ashok Kumar
3. Shri Pawan Kumar
4. Shri Kamal Kant S/o Tarlok Chand, R/o Raman.

(Person in occupation of the property).
ested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

THE SCHEDULE

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed 2940 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 14-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th October 1980

Ref No. A.P. No. 2255.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Kotwali Bazar, Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Santosh Rani W/o Shri Hari Narain, Shish Mahal Bazar, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shrimati Bimla Devi W/o Shri Basant Lal Aggarwal S/o Shri Sham Lal Aggarwal, Mohalla Jagatpura, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1389 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1980

Seal :

FORM ITNS — —

- (1) Shri Swarna Rani D/o Shri Munshi Ram
W/o Shri Mangal Dass House No 46-Lalib
Baliwala, Jullundur City
(Transferor)
- (2) Shri Ram Chind S/o Shri Sardar Lal
R/o EO-123, Pucca Bagh Jullundur
(Transferee)
- (3) As per Sl No 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th October 1980

Ref No A/P No 2256 — Whereas, T R GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No As per Schedule

situated at Inside Saidan Gate Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1980

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of my income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Deed No 8391 of March, 1980 of the Registering Authority Jullundur

R GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date 17-10-1980

Seal

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th October 1980

Ref No AP No 2257.—Whereas, I, R GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Nisatam Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Som Nath Chopra,
Nisatam Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Dharamvir, Shri Inderjit SS/o Shri Tarlok Nath,
W P 221, Bazar Sheikhan, Jullundur
(Transferee)
- (3) As per Sr No 2 above
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 8026 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Jullundur

R GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Ass'tt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 17-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th October 1980

Ref. No. A.P. No 2258.—Whereas I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule

situated at Bazar Moti Bhuru, Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kot Kapura in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27-316GI/80

(1) Shri Wakel Chand S/o Babu Ram,
Railway Road Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar,
Surinder Kumar S/o Mulkh Raj, and Parkash
Wanti W/o Mulkh Raj, Bazar Moti Bhuru, Kot
Kapura

(Transferee)

(3) As per Sr. No 2 above
(person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 3607 of Feb 1980 of the Registering Authority, Kot Kapura.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal Shri Sadhu Ram SS/o Shri Paras Ram, Raman Mandi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th October 1980

Ref. No. A.P. 2259.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Raman Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Arjan Dass Charanji Lal
2. Fatta Trading Company
3. Madan Lal Manohar Lal
4. Balak Ram Lashman Dass
5. Bhagwan Singh Santokh Singh
6. Shri Chanana Ram Dev Raj.
7. Shri Kanshi Ram Kishor Chand.
8. Hardev Singh Krishan Kumar.
9. Shri Babu Ram Prem Chand.
10. Shri Dharm Paul Madan Lal.
11. Sat Paul Pawan Kumar
12. Shri Ganga Ram Radha Ram.
13. Shri Kahana Mal Jot Ram.
14. Shri Kewal Krishan Pawan Kumar.
15. Shri Brij Lal Kewal Krishan.
16. Shri Rikhi Ram Ved Parkash.
17. Shri Banarsi Dass Rattan Chand.
18. Shri Thakur Mal Hans Raj.
19. Kishore Chand Om Parkash
20. Shri Narain Dass Roshan Lal.
21. Shri Babu Ram Vijay Kumar
22. Shri Lal Chand Amar Nath.
23. Shri Tara Chand Jugal Kishore.
24. Shri Krishan Gopal Pawan Kumar.
25. Shri Ram Rattan Dass Basheshar Dass.
26. Raj Kumar Nand Lal
27. Darshan Singh Didar Singh
28. Shri Arjan Singh Tirth Singh.
29. Shri Balwant Ajit Singh.
30. Harn Rai Tersem Chand
31. Shiv Dyal Ram Narain
32. Rikhi Ram Jagmohan Lal
33. Tirlok Chand Mangat Rai
34. Gurmukh Singh Harbans Singh
35. Harnam Singh Hardwari Lal
36. Balbir Singh Jasbir Singh
37. Gokal Chand Pirthi Chand
38. Raja Ram Som Parkash
39. Kundan Lal Sarwan Kumar
40. Khem Singh Hira Singh
41. Bishna Mal Kanshi Ram
42. Tehal Singh Krishan Singh
43. Hari Singh Ranjit Singh
44. Tilak Raj Ramji Dass
45. Hari Ram Biraj Lal
46. Amar Nath Ved Parkash
47. Paras Ram Kishore Chand
48. Birbal Dass Raj Kumar
49. Mangoo Ram Ashok Kumar
50. Mukhtiar Singh Ram Saroop
51. Jagat Parkash Kalra & Co.
52. Ganesha Mal Bhana Mal
53. Manjot Singh & Co.
54. Telu Ram Sham Lal
55. Tulsi Ram Inder Mall
56. Bishana Mal Om Parkash
57. Dilla Ram Jachman Dass
58. Roshan Lal Jagdish Rai
59. Taje Ram Om Parkash
60. Molak Ram Janak Raj
61. Kour Chand Dev Rai
62. Naruta Ram Ashok Kumar
63. Manohar Lal Amrit Lal
64. Sita Ram Tei Inder Paul
65. Khetu Ram Krishan Chand
66. Brij Lal Ved Parkash
67. Munshi Ram Narayan Dass
68. Ramji Dass Davinder Kumar.

(Transferee)

(1) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2935 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 17-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd October 1980

Ref. No. A.P. No. 2260.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kapoor Singh S/o Shri Vir Singh, Behind Alankar Cinema, Bhatinda.
(Transferor)

(2) 1. Shri Manjit Kaur W/o Shri Pala Singh S/o Shri Bhagat Singh,
2. Ravinder Singh S/o Pala Singh S/o Bhagat Singh,
3. Shri Shivinder Singh S/o Pala Singh S/o Bhagat Singh
H. No. G. 25, State Govt. Qrs. Civil Station Bhatinda, Pala Singh S/o Shri Bhagat Singh Naib Tehsildar, Budhlada, Teh. Mensa Distt. Bhatinda.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
(4) Any other person interested in the property).
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4669 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 23-10-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Nandlal Bhandari & Sons Pvt. Ltd., Company, 50, Bhajaj Khana, Indore.
(Transferor)
- (2) M/s. S. S. Ltd., 618, Marshal House, 25, Strand Road, Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIJOPAL M.P.

Bhopal, the 22nd October 1980

Ref. IAC/ACQ/BPL/80-81/1752.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property known as Dewas Flour Oil & De-oiled cake factory and Nand Vanaspati, situated at Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dewas on 20-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property known as Dewas Flour Oil & De-oiled Cake-Factory and Nand Vanaspati, constructed at Khasra No. 162/1, 163/2, 277/2, 278/2, 281, 289, 290, 297/1, 298/1 and 299 admeasuring 12.99 acres at Moaja Vill: Shanker-garh, Tah: Dewas, together with all buildings, sheds, super-structures, machinery, plants, furniture and fittings etc.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s. Vaibhav Sahkari Grah Nirman Sansha, 2 Udaipura, Indore.
(Transferor)
- (2) Mrs. Kusum W/o Shri Ramlal, 14 Chhota Sarafa, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 9th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 13 situated at Khajafana, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 26-2-80
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 13, situated at Gulmohar, Kh. No. 1350/1, Khajrana, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1753.—Whereas I,
VIJAY MATHUR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Agricultural land
situated at Barwah, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Indore on 25-2-80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Shanker Singh S/o Chunilal Rajput, R/o Khanthi Barool, Tch: Barwah.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Babulal Alias Dhannalal S/o Poonam-chand Soni, Barwah.
(2) Shri Chottelal S/o Keshaji Jat, Barwah.
(3) Shri Gulabsingh S/o Sharksingh Rajput, Barwah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 117 S. No. 21/2, Rakba 3.93-1.598 Hecter, situated at Barwah.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Vaibhav Sahkari Grah Nirman Sanstha, 2, Udaipura, Indore.
(Transferor)

(2) Mrs. Sobhana Devi W/o Shri Sunil Kumar, S/12, Shastri Market, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, 6th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1743.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act)), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 21, situated at Gulmohar, Khajrana, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 21, situated at Gulmohar, Kh. No. 1308/2, Khajrana, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-10-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BBOPAL**

Bhopal, the 6th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81 /1748.—Whereas, I, **VIJAY MATHUR**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of house No. 1/5 situated at Manoramaganj, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Brindaban Ohri, S/o
Shri Raghu Nath Das Ohri, R/o
1-A/5, Manoramaganj, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Dinesh Chandra Jhalani, S/o
Late Shri Suresh Chandra Jhalani, C/o
Dr. Brindaban Ohri, R/o
1-A/5, Manoramaganj, Indore.
(Transferee)
- (3) M/s. Indian Pharmaceuticals
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House No. 1/5, situated at Manoramaganj, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—316GI/80

Date : 6-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BBOPAL

Bhopal, the 6th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1747.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of ouse No. 115, situated at Manoramaganj, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dr. Brindabhan Ohri S/o Raghunath Das Ohri, R/o 1. A/5, Manoramaganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Sanjay Kumar Totla S/o Shri Murlidhar Totla, 1/5, Manoramaganj, Indore. (Transferee)
- (3) M/s Indian Pharmaceuticals House No. 1/5, Manoramaganj, Indore. [Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House No. 1/5, situated at Manoramaganj, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamal Kumari W/o Shri Rajendra Singhji,
3/1, Manoramaganj, Indore.
(Transferor)

(2) Shri N. K. Khandelwal, Trustee M/s Mangilal
Family Trust, House No. 502,
M. G. Road, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.**

Bhopal, the 6th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80 81/1749.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 3/1, situated at Manoramaganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3/1, situated at Manoramaganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-80
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ganesh Das S/o Shri Ramdhani, 103, Malviya Nagar, Bhopal.
 (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash Tiwari S/o Rameshwar Dayal Tiwari, 192, E-3, Arera Colony, Bhopal.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 6th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1727.—Whereas, I,
VIJAY MATHUR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Arera colony, Bhopal.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 27-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Plot No. 192, E-3, Sector, Arera Colony, Bhopal.

VIJAY MATHUR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-10-80
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Jhangaldas S/o Bodaramji
R/o 55, Ladkana Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanhiyalal S/o Bodaramji,
55, Ladkana Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2nd & 3rd floor of the house at Plot No. 192 situated at Ladkana Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1st & 2nd floors of the house at plot No. 192, situated at Ladkana Nagar, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1754.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Barwah, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore on 25-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shanker Singh S/o Chunilal Rajput, R/o Khanthi Barool, Teh: Barwah, (Transferor)
 (2) (1) Shri Babulal alias Dhannalal S/o Poonam Chand Soni, Barwah.
 (2) Shri Chootelal S/o Koshaji Jat, Barwah.
 (3) Shri Gulabsingh S/o Shanksingh Rajput, Barwah.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immoveable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 1175 S. No. 21/5, Rabka 2.70-Hector 1.092 situated at Tah: Barwah.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinaik Rao S/o Balwant Rao Kutumble,
Sarangpur.
(Transferor)

(2) Dinesh Minor son of late Jagannath L/R
Shri Chunnal Mal-Kumarhadi Sarangpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1755.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

agricultural land, Kh. No. 7. 7. situated at Sarangpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sarangpur, on 26-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 7- 2,456 Hector, situated at Sarangpur on Agra-Bombay Road.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) Shri Vinaik Rao S/o Balwant Rao,
Kutumbc Sarangpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

(2) Shri Umrao Alias Umrao Singh
S/o Chunilal Mali, Kumhar Hadi Sarangpur-Distt.
Shahzapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1756.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land-Kh. No. 8. situated at Sarangpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sarangpur on 26-2-80 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 8, 2.472 Hectre situated at Sarangpur on Agra-Bombay Road.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Vinaik Rao S/o Balwant Aao,
Kutimble, Sarangpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1757.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land-Kh. No. 11, situated at Sarangpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 26-2-80 Sarangpur

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shivnarayan S/o Chunnial Mali Kumhar Hadi Sarangpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 11, 2.468 Hector-situated at Sarangpur on Agra-Bombay Road.

VIJAY MATHUR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 30—316GI/80

Date : 13-10-1980
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./80-81/1758.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land-Kh. No. 685 & 686/1 situated at Agra-Bombay Road, Dewas. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 27-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shanti Bai W/o Shri Shanker Rao Latnekar, 29, Karamchari Colony, Dewas.
(Transferor)

(2) Shri Kanhiyalal Bhargava,
Sole proprietor M/s Shreya Properties, 5/2,
Old Palasia, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land-Kh. No. 685, 686/1, situated at Agra-Bombay Road, Dewas.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kanhiyalal (2) Shri Bagirath (3) Shri Jairam
& (4) Shri Jagannath S/o Shri Neggaji Cast Khati
R/o Village: Bijalpur, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Navanand Grah Nirman Sahkari Sanshtha,
9, Shiv vilas Palace Indore C/o Shri
Shankarlal Ramgopal Billore President of the
Society.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1759.—Whereas, I,
VIJAY MATHUR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

agricultural land situated at Vill. Hukka Khedi, Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 8 acres situated at Village: Hukka-Khedi, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 13-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Alaf Khan S/o Madaikhan Caste Mohamndan-R/o Nainpura, Mandsaur.
(Transferor)

(2) Vijay Housing Cooperative Society Ltd., through: President Shri Keshrimalji Mehta and Vice President Shri Balaraoji Halev, R/o Mandsaur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1760.—Whereas, I,

VIIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land No. 25-P, situated at Village: Kitiani, Mandsaur. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mandsaur on 13-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land No. 25-P-Rakaba 2 Hector 639 Aari Rakaba-490-Aari in Village Kitiani, Mandsaur.

VIIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Syed Ahmad Khan S/o Allauddin Mohamandan,
Mandsaur.
(2) Abdul Hussain S/o Fazal Hussainji Bohra
R/o Mandsaur.

(Transferor)

(2) Vijai Housing Cooperative Society Ltd., Through:
President Shri Keshrimal Mehta and Vice-President
Shri Balaraoji Halev R/o Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1761.—Whereas, I,
VIJAY MATHUR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

No. Land No. 25 situated at Village : Kitiani, Distt : Mandsaur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Mandsaur on 13-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Land No. 25 M. Rakuba 1, Hector 620 in Aari 490-at
Village: Kitiani, Distt: Mandsaur.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.**

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1762.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 232, Ward No. 2, situated at Near Satna Bridge, Satna, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna on 26-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohanlal s/o Gayadin, Mukhtar Ganj, Near Satna Bridge, Satna.
(Transferor)
- (2) Shri Tribhuvan Singh s/o Rampatsingh, Village: Vijayipur-Distt: Jounpur.
(2) Jagatnaraian Tripathi, Jagat Coaching Building, Mukhtar Ganj, Near Satna Bridge, Satna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 232, Ward No. 2, situated near Satna-Bridge Satna.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Yashodhara Devi w/o Shri Ramgopal r/o
Bakshi Ki Goth, Janak Ganj, Lashkar, Gwalior.
(Transferor)

(2) S/Shri Ramgopal (2) Rammnarayan (3) Bansi Lal,
s/o Net Ram Sharma r/o Village : Dhapra, Par-
gana Gohad Distt: Bhind.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1763.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 725, Ward No 21, situated at Rajendra Prasad Colony, Gwalior. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 8-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 725, Ward No. 21, situated at Rajendra Prasad Colony, Gwalior.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) R. N. Pathak, s/o Shri S. B. Pathak,
House No. 3/747, Shanti Nagar, Raipur.
(Transferor)

(2) S. S. Sahukar s/o Shri, Tulsiram Sahukar,
Principal, G.H.S. School., Balkheda, Distt: Jabalpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th October 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1764.—Whereas, I,

VIJAY MATHUR,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 3/747 situated at Village: Pandi Tarai, Shanti
Nagar Ward, Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at Raipur
on 2-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3/747 on plot of 522.8 Sq. Mtr. part—Kh. No.
162 of Pandi Tarai Village—Shanti Nagar, Raipur.

VIJAY MATHUR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Bhanwarlal, Mohanlal, Sitaram, sons of Shri Bhikaji and Jamna Devi, w/o Shri Bhikaji, Motipura Badia, Ajmer Road, Beawar.

(Transferee)

(2) S/Shri Narendrakumar, Dineshkumar, Ramniwas & Sobhag Singh R/s of Malion Ka Mohalla, Surajpole, Beawar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1980

Ref. No. Nil.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Beawar on 14-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—316 G.I./80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha 8 biswas situated at Naya Nagar, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide No. 342 dated 14-2-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1980

Ref. No. Nil.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 2-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Govind Ram Mangaldas Maharaj, R/o Beawar.
(Transferor)

(2) Shri Bhanwarlal, S/o Ghisulal Agarwal, Naya Nagar, Beawar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 16 bighas 2 biswas situated at village Narsingh pura, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide No. 255 dated 2-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Singh, S/o Bal Singh, Ladia Mohalla, Alwar.

(Transferor)

(2) Svs. Brahmanand, Mal Singh, Motilal, Jugal Kishore, Indra Colony, Alwar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 15th October 1980

Ref. No. Nil.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot situated at Alwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 28-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2266 sq. yds. of urban land situated near Jawali Bhawan, Railway crossing, Alwar and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Alwar vide No. 85/4 dated 28-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-10-1980

Scal :

FORM ITNS

(1) Shri Modi Mineral Grinding Mills (P) Ltd.,
Neemkathana, District Sikar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Dass & Co., Neemkathana, District Sikar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1980

Ref. No. Nil.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Factory situated at Neemkathana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemkathana on 22-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory building known as Modi Mineral Grinding Mills (P) Ltd. situated at Neemkathana, District Sikar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Neemkathana, vide No. 323 dated 22-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now therefore in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Singh, S/o Shri Bal Singh, Ladia Mohalla,
Alwar.
(Transferor)

(2) Svs. Brahmanand, Mal Singh, Motilal, Jugal Kishore,
Indra Colony, Alwar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1980

Ref. No. Nil.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot situated at Alwar and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Alwar on 27-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6444 sq. yds. of urban land situated near Jawali Bhawan, Railway Crossing, Alwar and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Alwar vide No. 80/4 dated 27-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 21st October 1980

Ref. No. G.I.R. No. R-151/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 399, Civil Lines, Shanti Nagar situated at Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Moradabad on 21-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Arvind Kumar Gupta, 2. Vipin Kumar Gupta Sons of Shri Pramod Kumar Gupta.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Chandra Sehgal S/o late Shyam Behari Sehgal.
(Transferee)
- (3) Above purchaser.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A vacant plot of land measuring 498.14 sq. metres out of plot No. 399, situate at Civil Lines, Shanti Nagar, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 130/80 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 21-2-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 21-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kiran Aga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 23rd October 1980

Ref. No. G.I.R. No. K-94/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. D-58/9-A situated at Mohalla-Kabra Ashiq Masooq Sigra, Mauza-Ramapura, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at Varanasi on 20-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names :—

(2) 1. Shri Krishna Pratap Singh, 2. Shri Rana Pratap Singh, 3. Shri Rana Pratap Singh, 4. Shri Surendra Pratap Singh, 5. Gautham Family Trust through Shri Sanjay Bahadur Singh and 6. Shri Niraj Kumar Singh.

(Transferees)

(3) Shri Dilip Mukherjee, 2. Prof. Ghildayal and 3. Tej Bahadur.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house including land No. D-58/9-A, measuring 3107.25 sq. mts. situate at Mohalla-Kabra Ashiq Masooq Sigra, Mauza-Ramapura, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 1325/80, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 20-2-80.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 23-10-1980,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 9th September 1980

Ref. No. I.C. 421/80-81.—Whereas, I, V. R. NAIR, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Iringapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kottappady on 12-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- S/Shri
 (1) 1. P. Chinnu Amma,
 2. P. Kalyani Amma,
 3. P. Gopalkrishnan,
 Pichirikkatu House, Guruvayoor P.O.,
 Trichur Dist.
 (Transferors)
 (2) Smt. Malathi Amma,
 Chakkalakoombil, Edakkara,
 Andathode P.O., Chavakkad.
 (Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

135/8 cents of land with a building as per schedule attached to Doc. No. 113/80 dated 12-2-1980.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri K. P. Davis,
Kunnampilly House,
Aranattukara, Trichur.

(Transferor)

(2) Shri M. V. Francis,
Multath House, Nehru Nagar,
Kuriachira, Trichur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 4th October 1980

Ref. No. L.C. 424/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Aranattukara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 7-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6.39 acres of land with building in Sy. No. 47/4 of Aranattukara Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 4-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 4th October 1980

Ref. No. L.C. 425/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- aforesaid is

Sy. No. as per schedule situated at Aranattukara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri N. P. Davis,
Arackal Nelliserry House,
Aranattukara, Trichur.
(Transferor)

(2) Smt. T. K. Sicily,
Tharakkan House,
Aranattukara, Opp. Convent,
Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6.8 cents of land with building in Sy. No. 143/1, 2 and 1027 of Aranattukara Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri M. P. Menon,
Muttathil House, Karackamuri Cross Road,
Cochin-11.
(Transferor)
- (2) Smt. L. Radhalakshmi,
Krishnakripa,
Karackamuri Cross Road, Cochin-11.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 4th October 1980

Ref. No. L.C. 426/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 12-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

4.945 cents of land with building in Sy. No. 523 & 2237 of Karithala Desom, Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 4-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Louis,
S/o Moyalan Joseph,
Ollur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. C. Eapen,
S/o E. C. Chandy,
Plot No. 142, Nehru Nagar, Trichur-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 4th October 1980

Ref. No. L.C. 427/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chelakkara on 15-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

19.1 cents of land with building in Sy. No. 406/1 of Ollur Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 4-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—316GI/80